- एमओएफएसएल की रिपोर्ट के अनुसार सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद - 10

- सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर का उल्लेख जरूरी - 10

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा जीती तो घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन - 11

- लय में लौटे धुरंधर, विस्फोटक पारियां खेल जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया - 12

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.35

सूर्यास्त 06.09

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी 10:33 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 23, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

'द केरल स्टोरी 2' पर रिलीज से एक दिन पहले लगी अंतरिम रोक

कोच्चि, एजेंसी

- केरल हाईकोर्ट ने कहा- फिल्म सामाजिक सद्भाव भंग न करे, ये कोशिश नहीं की गई

केरल हाईकोर्ट ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। न्यायमूर्ति बी. कुरियन थॉमस ने फिल्म के प्रदर्शन को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने यह सुनिश्चित नहीं किया कि फिल्म सामाजिक सद्भाव को भंग न करे। हाईकोर्ट ने कहा, सीबीएफसी की ओर से प्रमाणन प्रदान करते समय कानून की स्पष्ट अवहेलना हुई है, अदालत ने कहा कि ऐसी सामग्री का प्रसार, जिसमें वैमनस्य उत्पन्न करने, कानून-व्यवस्था भंग करने और यहां तक कि सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति हो, संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में निहित वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आता है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता श्रीदेव नंबूदरी की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर दो सप्ताह के भीतर विचार कर आदेश पारित करे।

'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' अध्याय वाली पुस्तक पर प्रतिबंध

एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस, आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

- उन बैठकों का मूल रिकॉर्ड तलब जिनमें अध्याय को विचार-विमर्श कर दी गई मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की उस पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम का खंड शामिल किया गया था। कोर्ट ने पुस्तक की सभी प्रतियां तुरंत जब्त करने और डिजिटल प्रतियां हटाने का निर्देश दिया। एनसीईआरटी के निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर पूछा गया कि क्यों न अवमानना और दूसरी जरूरी कार्यवाही की जाए।

कोर्ट ने इस मामले में गहन जांच की मंशा जताते हुए स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर गंभीर परिणामों और स्थाई प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा दुर्व्यवहार न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2(सी) के अंतर्गत आपराधिक अवमानना के दायरे में आएगा। यह जानबूझकर किया गया कृत्य पाया जाता है तो न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप के साथ संस्था को बदनाम करने का भी मामला होगा। कोर्ट ने उन बैठकों के ब्योरे का मूल रिकॉर्ड तलब किया, जिनमें आपत्तिजनक अध्याय पर विचार-विमर्श किया गया था और उसे अंतिम रूप दिया गया था।

न्यायपालिका के खिलाफ गहरी साजिश और सुनियोजित प्रयास: सीजेआई

सुनवाई के दौरान स्पष्ट रूप से नाराज नजर आ रहे सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, पुस्तक की सामग्री के प्रथम दृष्ट्या अवलोकन और निदेशक से प्राप्त प्रशासनिक प्रतिक्रिया के साथ इसे पढ़ने पर ऐसा प्रतीत होता है कि एक गहरी साजिश के तहत न्यायपालिका के संस्थागत प्राधिकार को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का एक सुनियोजित प्रयास किया गया है। सीजेआई ने कहा, उन्होंने आघात किया है। न्याय पालिका इससे आहत है। न्यायिक संस्था के प्रमुख के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं पता लगाऊं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुस्तक में शब्दों और अभिव्यक्तियों का चयन महज अनजाने में हुई गलती या त्रुटि नहीं हो सकता।

सुधारों का पुस्तक में नहीं किया जिक्र

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि पुस्तक में वर्णित विवरण में न्यायालय द्वारा शुरू की गई किसी भी परिवर्तनकारी पहल और उपायों का उल्लेख नहीं किया गया है, जिनमें न्याय तक सुगम पहुंच को सुव्यवस्थित करना और लोकतांत्रिक तानेबाने के संरक्षण में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। इस न्यायालय द्वारा अतीत में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के गबन आदि के लिए निंदा किए गए उच्च पदस्थ अधिकारियों की भारी संख्या को देखते हुए यह चुप्पी विशेष रूप से निंदनीय है।

मामले में कार्रवाई की जाएगी : प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीईआरटी की आठवीं की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल करने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है। जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं।

- पीठ ने कहा, पुस्तक में अत्यंत लापरवाही, गैरजिम्मेदाराना, अपमानजनक तरीके से लिखी बातों पर गौर करने के बजाय एनसीईआरटी निदेशक ने अपने जवाब में सामग्री का बचाव किया।
- पीठ ने कहा कि यदि यह बेरोकटोक होने दिया गया तो न्यायपालिका की शुचिता और आम लोगों के बीच उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी, इससे भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे पर 24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 23.9 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 24 करोड़ रुपये है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यात्री 22 फरवरी को टर्मिनल 3 पर पहुंचे जहां उन्हें आव्रजन क्षेत्र के ग्रीन चैनल पर रोका गया। उनके सामान की पहले एक्स-रे जांच और बाद में विस्तृत जांच की गई। तलाशी में हरे रंग के संदिग्ध मादक पदार्थ से भरी पॉलीथीन की 14 थैलियां बरामद की गई जिनमें से आठ एक ट्रॉली बैग में और छह दूसरे बैग में छिपाई गई थीं।

महाराष्ट्र में लव जिहाद कानून का मसौदा तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कथित 'लव जिहाद' के मामलों को रोकने के मकसद से प्रस्तावित कानून का एक मसौदा तैयार किया है। विधि एवं न्यायपालिका विभाग ने मसौदा कानून को अंतिम रूप दे दिया है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों की तरफ से जबरदस्ती, धोखाधड़ी या लालच देकर किए गए धर्म परिवर्तन को अपराध मानने के लिए एक सख्त कानून की मांग बढ़ रही थी। इसके जवाब में राज्य सरकार ने इस मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई थी। कई भाजपा शासित राज्यों ने पहले ही धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बना दिए हैं।

राकांपा की अध्यक्ष बनीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनके बड़े बेटे पार्थ पवार को जल्द ही राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए जाने की संभावना है। यह आधिकारिक घोषणा वर्ली में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन 2026 के दौरान की गई। राकांपा प्रमुख रहे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी की कमान संभालने के लिए सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रखा, जिसे सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। पार्टी के नए संगठनात्मक ढांचे में कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को शामिल किया गया है।

भारत-इजराइल के संबंधों का नया दौर विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

मोदी की यात्रा के दौरान कृषि, ऊर्जा और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में 17 समझौते

- सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन की दिशा में काम करेंगे दोनों देश

यरुशलम, एजेंसी

यरुशलम में प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू की मौजूदगी में किए गए समझौतों पर हस्ताक्षर।

भारत और इजराइल ने बृहस्पतिवार को समय की कसौटी पर खरे साबित हुए संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाया और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और नेतन्याहू के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने व्यापार, कृषि, ऊर्जा, साइबरस्पेस और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 घोषणाएं की गईं। इनमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को इजराइल में भी लागू करने का करार भी शामिल है।

भारत और इजराइल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे के तहत सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में काम करके अपनी पहले से ही घनिष्ठ रक्षा साझेदारी का विस्तार करने का भी संकल्प लिया। साथ ही भारत और इजराइल ने आपसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा शांति पहल का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि मानवता को कभी संघर्ष का शिकार नहीं बनना चाहिए। मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि भारत का सुरक्षा हित पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से जुड़ा है।

उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की भी घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई, क्वांटम तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की स्थापना की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इजराइल में यूपीआई के उपयोग के लिए एक समझौता हो गया है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा हुई।

मोदी की झप्पी पूरी दुनिया में अब मशहूर: नेतन्याहू

इजराइली संसद नेसेट में अपने भाषण में नेतन्याहू ने 'मोदी झप्पी' शब्द का प्रयोग किया। नेतन्याहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत रूप से गले मिलना कुछ खास है और इसे पूरी दुनिया में अब 'मोदी झप्पी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जब आप किसी को इतने करीब से गले लगाते हैं तो पता चलता है कि यह वास्तविक है। नेसेट में जोरदार तालियों के बीच नेतन्याहू ने कहा कि वह यह 'झप्पी' वापस लौटाना चाहते हैं।

भारत रवाना हुए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा समाप्त करने के बाद बृहस्पतिवार को भारत के लिए रवाना हो गए। इससे मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत-इजराइल साझेदारी आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूती रहेगी।

रणनीतिक साझेदारी का नया इतिहास रचेंगे यूपी-जापान

- यामानाशी के गवर्नर का 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी दौरे का प्रस्ताव
- ग्रीन हाइड्रोजन, उद्योग व तकनीक पर एमओयू को सीएम योगी ने बताया ऐतिहासिक

योगी ने यामानाशी में फैनुक कॉर्पोरेशन का दौरा किया।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच रणनीतिक साझेदारी की पहल हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी का दौरा करने का प्रस्ताव दिया, जिसका योगी ने स्वागत किया। इसे प्रदेश में निवेश, तकनीकी साझेदारी व औद्योगिक विस्तार के लिए बड़ा संकेत माना जा रहा है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन, व्यावसायिक शिक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे भावी क्षेत्रों में सहयोग को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें स्वच्छ ऊर्जा नवाचार, तकनीकी आदान-प्रदान और मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया, आईआईटी कानपुर को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएगी।

उत्तर प्रदेश में निवेश का निमंत्रण

यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। कहा, प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण लेगें और सीखी गई तकनीक को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया जाएगा।

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का आधार

मुख्यमंत्री ने यामानाशी स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने पावर-टू-गैस प्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

अनिल अंबानी से ईडी ने की नौ घंटे पूछताछ, सीबीआई ने ठोंका नया केस

नई दिल्ली। बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी बृहस्पतिवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। उनसे नौ घंटे पूछताछ के साथ उनका बयान दर्ज किया गया। इस बीच सीबीआई ने अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित धोखाधड़ी कर बैंक को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में नया मामला दर्ज किया है।

ईडी ने पूछताछ के लिए अंबानी को शुक्रवार को भी तलब किया है। यह जांच उनकी कंपनी आरकॉम द्वारा 40,000 करोड़ की बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। उधर, सीबीआई ने नया मामला दर्ज कर अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी कर ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए। सीबीआई के प्रवक्ता के मुताबिक यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत पर दर्ज किया गया है।

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने की थी सीबीआई से 2,220 करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत

घृणास्पद भाषण : असम के मुख्यमंत्री को गुवाहाटी हाईकोर्ट का नोटिस

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को कई जनहित याचिकाओं के संबंध में नोटिस जारी किया, जिनमें उन पर मियां समुदाय के खिलाफ घृणास्पद भाषण देने और सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने तीन याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता शांतनु बोरठाकुर ने बताया, प्रतिवादी को अगली तारीख से पहले नोटिस का जवाब देना होगा। कोर्ट ने कोई अन्य आदेश जारी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को शर्मा के खिलाफ कार्रवाई संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया था। इन याचिकाओं में उस वायरल वीडियो को लेकर कार्रवाई का आग्रह किया गया था, जिसमें शर्मा एक विशेष समुदाय के सदस्यों पर राइफल से निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखे थे।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर हमला 15 चौकियों पर कब्जे का किया दावा

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान के हवाई हमलों के जवाब में कार्रवाई, सीमा पर भीषण जंग

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने गुरुवार रात डूरंड लाइन के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रामक अभियान शुरू करने की घोषणा की है। अफगान रक्षा मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान की 15 अग्रिम चौकियों पर कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान के तमाम सैनिक मारे गए हैं। कई सैनिकों को जिंदा पकड़ा गया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की ओर से अफगान क्षेत्र में बार-बार हवाई हमलों के जवाब में की गई है। पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और पक्तिया में भारी संघर्ष की खबरें हैं। फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को मारने और कुछ को बंदी बनाने का भी दावा किया है। अफगान पक्ष ने इस अभियान में लेजर-गाइडेड सिस्टम से लैस विशेष इकाइयों का उपयोग करने की बात कही है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन हमलों को बिना उकसावे की फायरिंग करार दिया है और कहा है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी इलाकों में दो घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलाबारी जारी रही। यह संघर्ष 22 फरवरी को पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान के नंगरहार और पक्तिका प्रांतों में की गई एयरस्ट्राइक के बाद भड़का है।

हवाई टिकट बुकिंग 48 घंटे में रद्द करने पर पूरा पैसा वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकेंगे या उसमें बदलाव कर सकेंगे। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने कुछ शर्तों के साथ टिकट किराया वापसी के नियमों में संशोधन किया है। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।

डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। डीजीसीए ने साफ किया है कि ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में भी पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। नियामक ने कहा, 48 घंटे के अंदर यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके किराये में जो अंतर है, वह देना होगा।

शासन सख्त

मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति देने के लिए 10 मार्च तक अंतिम मौका

47,816 कार्मिकों को तनख्वाह मिलेगी, एसीपी-पदोन्नति नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मानव संपदा पोर्टल पर 31 जनवरी तक चल-अचल संपत्ति का विवरण दर्ज न करने वाले राज्य के 47,816 कार्मिकों को जनवरी और फरवरी की तनख्वाह मिलेगी। लेकिन एसीपी, पदोन्नति, विजिलेंस क्लीयरेंस, विदेश यात्रा और प्रतिनियुक्ति जैसी सुविधाओं से वंचित रहेंगे। यह आदेश गुरुवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जारी करते हुए वेतन देने में नरमी के साथ नियम सख्त होने संदेश दिया है। उन्होंने बाकी बचे सभी कार्मिकों को 26 फरवरी से 10 मार्च के बीच मानव संपदा पोर्टल पर विवरण दर्ज करने का अंतिम अवसर दिया है। त्योहारों को देखते हुए और कर्मचारी संगठनों के आंदोलित होने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आदेश जारी किया है। शासनादेश के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक 47,816 राज्य कर्मचारियों ने अपना संपत्ति विवरण दर्ज नहीं किया है, जिसके चलते उनके विरुद्ध सख्त लेकिन चरणबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य सचिव ने कहा है कि जिन कर्मचारियों द्वारा 31 जनवरी तक नियमानुसार संपत्ति विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया था, अब ऐसे सभी कर्मचारियों को 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक एक और अवसर दिया गया है। इस अवधि में विवरण दर्ज करते ही जनवरी का लंबित वेतन जारी किया जाएगा। फरवरी माह के वेतन भुगतान में कोई बाधा नहीं होगी। हालांकि, शासनादेश में यह भी साफ किया गया है कि 31 जनवरी तक विवरण न देने का प्रभाव पूरे साल संबंधित कर्मचारियों की सेवा सुविधाओं पर पड़ेगा। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय दंडात्मक कार्रवाई के उद्देश्य से नहीं, बल्कि नियमों के अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि यदि 10 मार्च तक तय अवधि के भीतर भी संपत्ति विवरण दर्ज नहीं किया गया, तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय व अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस साल क्या असर पड़ेगा

- ऐसे कर्मचारियों को वर्ष 2026 में एसीपी का लाभ नहीं दिया जाएगा। पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा।
- विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति और प्रशिक्षण के लिए विजिलेंस क्लीयरेंस जारी नहीं होगी।
- सेवा अभिलेखों में इसे नियम उल्लंघन के रूप में दर्ज किया जाएगा।
- बढ़ी समय सीमा के बाद भी विवरण न देने पर विभागीय और अनुशासनात्मक कार्रवाई।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बिजली इंजीनियर मार्च में करेंगे प्रदेश व्यापी आंदोलन

अमृत विचार, लखनऊ : बिजली को निजी हाथों में देने और बिजली कर्मियों के आवासों में जबरन मीटर लगा कर उत्पीड़न करने को मुद्दे को लेकर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति काफी गुस्से में हैं। समिति ने तय किया है कि यदि उत्पीड़न की कार्रवाई नहीं थमी तो विभाग के इंजीनियर और कर्मचारी मार्च और अप्रैल में चरणबद्ध तरीके से प्रदेश व्यापी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि आंदोलन के दौरान क्षेत्रीय एवं परियोजना मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। अप्रैल माह में राजधानी लखनऊ स्थित शक्ति भवन पर विशाल प्रदर्शन होगा। जिन अधिकारियों ने मीटर न लगवाने वाले कर्मचारियों की बिजली काटने के निर्देश दिए हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। समिति ने याद दिलाया कि मार्च 2023 के आंदोलन के उपरांत ऊर्जा मंत्री द्वारा पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन को आंदोलन से संबंधित सभी उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों को तत्काल वापस लेने के निर्देश दिए गए थे। फिर भी उत्पीड़न की प्रक्रिया जारी है। संघर्ष समिति के मुताबिक निजीकरण के विरोध में पिछले 15 महीनों से जारी आंदोलन के दौरान अल्प वेतनभोगी संविदा कर्मियों को सेवा से हटाया गया है। बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। साथ ही फेसियल अटेंडेंस के नाम पर वेतन रोके जाने जैसी कार्रवाइयों से कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

सीधे जनता से हो जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर से कराने के साथ इसबार जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव सीधे जनता से कराने की मांग उठाई। उनका कहना है कि मतदान बैलेट पेपर से होने पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके। उन्होंने यूजीसी के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'बांटो और राज करो' की राजनीति कर रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को सांसद संजय सिंह ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जनता की सीधी भागीदारी नहीं है, जिससे जनादेश कमजोर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के दुरुपयोग के जरिए जिला पंचायत चुनावों को प्रभावित करती है। अगर सरकार वास्तव में लोकतंत्र में विश्वास रखती है, तो जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता से कराए और बैलेट से मतदान सुनिश्चित करे।

अफसरों की गोपनीय रिपोर्ट होगी डेटा आधारित

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए इसे पूरी तरह डेटा आधारित बनाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब केवल सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि लंबित मामलों, नए वादों और निस्तारित प्रकरणों की संख्या (डेटा) को एसीआर का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा। शासनादेश के अनुसार यह व्यवस्था भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा/पीसीएस) के सभी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों को अब स्पैरो पोर्टल पर अपनी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि के लिए स्व-मूल्यांकन करते समय यह डेटा अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। मुख्य सचिव ने आदेश में कहा है कि रिपोर्टिंग अधिकारी, समीक्षा अधिकारी, स्वीकृति अधिकारी तीनों को अधिकारी द्वारा दर्ज किए गए लंबित, नए और निस्तारित मामलों के डेटा को संज्ञान में लेते हुए ही अपना मूल्यांकन करना होगा।

सिंगापुर से जापान तक 'महाराज' का डंका

अभूतपूर्व सफलता से भरा रहा योगी का दौरा, 1.5 लाख करोड़ के एमओयू, 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर और जापान का चार दिवसीय विदेश दौरा निवेश, तकनीक और वैश्विक साझेदारी के लिहाज़ से अभूतपूर्व रूप से सफल रहा। इस दौरान हुए उच्चस्तरीय निवेश संवादों में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1.5 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जबकि 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह दौरा वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जापान दौरे के दौरान कृषि मशीनरी, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव सामने आए। जापान में जिन प्रमुख कंपनियों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए, उनमें कुबोटा कॉरपोरेशन, स्पार्क मिंडा (टोयो डेन्सो के सहयोग से), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री और नागासे एंड कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बी 2जी (सरकार से सरकार) बैठकों में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, रैपिडस कॉरपोरेशन, मारुबेनी कॉरपोरेशन, सुमितोमो रियलिटी एंड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और एमयूएफजी बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों ने सहभागिता की। इन कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को एशिया का उभरता हुआ निवेश केंद्र बताते हुए राज्य में दीर्घकालिक निवेश में रुचि जताई।

जापान दौरे की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की गई। यह केंद्र यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी अनुसंधान और कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी।

'जापान सिटी' और ऑटो क्लस्टर की योजना

- यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ में 'जापान सिटी' विकसित की जाएगी, जहां जापानी कंपनियों के लिए विशेष औद्योगिक वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही ऑटो ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए डेडिकेटेड ऑटो क्लस्टर और आरएंडडी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। 'इन्वेस्ट यूपी' में जापान डेस्क को और मजबूत किया जाएगा, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एल-जीरो सीरीज मैग्लेव ट्रेन की यात्रा और फानुक कॉरपोरेशन के रोबोटिक्स व फैक्ट्री ऑटोमेशन संयंत्र का भी दौरा किया। फानुक ने उत्तर प्रदेश में निवेश और एमएसएमई सेक्टर के तकनीकी उन्नयन में सहयोग की इच्छा जताई।

सिंगापुर में भी मिला निवेशकों का भरोसा

- सिंगापुर में आयोजित इन्वेस्टर रोड शो के दौरान एमआरओ, कार्गो हब, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, स्किलिंग और फिनटेक क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी। विशेष रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को एमआरओ और कार्गो हब के रूप में विकसित करने पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि प्रदेश का वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य अब ठोस धरातल पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत में दुनिया की अत्याधुनिक सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव हाई-स्पीड ट्रेन की सवारी की, जो परीक्षण के दौरान 500 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार हासिल करती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी तेज गति के बावजूद ट्रेन बेहद स्थिर, सुरक्षित और आरामदायक रही।

निवेश प्रस्तावों से 5 लाख से अधिक रोजगार की उम्मीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरा रोजगार, निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस विदेश यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को कुल 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और लगभग 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और करीब 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, जबकि सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी समझौतों और प्रस्तावों को इन्वेस्ट यूपी और अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से लागू करेंगे, ताकि रोजगार सृजन का लाभ शीघ्र जमीन पर दिख सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा केवल समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्किलिंग और औद्योगिक निवेश के जरिए प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का माध्यम बनेगी। जापान और सिंगापुर दोनों देशों ने युवाओं के प्रशिक्षण, कौशल विकास और एमएसएमई सेक्टर में तकनीकी सहयोग के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, जिससे निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप मिलेगा और रोजगार सृजन की प्रक्रिया तेज होगी।

आईटीबी बर्लिन में दिखेगी यूपी पर्यटन की सशक्त मौजूदगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत के वैश्विक उत्सव में उत्तर प्रदेश का भव्य प्रदर्शन
- एडवेंचर, वेलनेस, मेडिकल से लेकर लग्जरी टूरिज्म तक दिखेगा यूपी पर्यटन विजन

अमृत विचारः विश्व पर्यटन उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित मंच आईटीबी बर्लिन में उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध पर्यटन सर्किट और आधुनिक पर्यटन संभावनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 3 से 5 मार्च तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन वैश्विक पर्यटन विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं से सीधा संवाद करेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 का आयोजन बर्लिन एक्सपो सेंटर सिटी, मेसे डैम-22 में किया जाएगा। वर्ष 1966 से आयोजित हो रहा आईटीबी बर्लिन इस बार अपने 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उत्सव मना रहा है। मंत्री ने कहा कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अपने पर्यटन विजन और निवेश संभावनाओं के साथ दुनिया से संवाद करेगा। उन्होंने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 की थीम "डिस्कवर द स्टोरीज बिहाइंड 60 इयर्स ऑफ लेगेसी" रखी गई है, जो वैश्विक पर्यटन उद्योग की यात्रा, नवाचार, साझेदारी और भविष्य की दिशा को एक साथ प्रस्तुत करती है। यह थीम अतीत की विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाले वर्षों की रूपरेखा तय करने का भी संदेश देती है।

बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार प्रदर्शनी

- आईटीबी बर्लिन-2026 में प्रदर्शनी को पारंपरिक पर्यटन तक सीमित न रखकर एडवेंचर टूरिज्म, बिजनेस ट्रैवल, एलजीबीटीक्यू ट्रैवल, लग्जरी ट्रैवल, मेडिकल टूरिज्म और ट्रैवल टेक्नोलॉजी जैसे विविध सेगमेंट्स में विभाजित किया गया है। इसका उद्देश्य बदलती वैश्विक प्राथमिकताओं और यात्रियों की नई अपेक्षाओं को मंच प्रदान करना है। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन का भव्य पवेलियन इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। पवेलियन में अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में साइनेज, रचनात्मक डिस्प्ले, वीवीआईपी लाउंज, हस्तशिल्प, कलाकृतियां और ओडीओपी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन विभाग की वेबसाइट्स, मोबाइल एप्लीकेशन, पर्यटन सर्किट, वेलनेस और मेडिकल टूरिज्म की भी व्यापक प्रस्तुति की जाएगी।

11 करोड़ नकद, जेवर, महंगी घड़ियां और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज मिले

बसपा विधायक पर एक हजार करोड़ की टैक्स चोरी करने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बलिया के रसड़ा से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके नजदीकियों कि ठिकानों पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। सूत्रों का दावा है कि अभी तक 11 करोड़ से अधिक नकद बरामद हुए हैं, वहीं काफी मात्रा में जेवर, महंगी घड़ियों के साथ ही लेनदेन और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। विधायक द्वारा किए कारोबार में करीब एक हजार करोड़ रुपए के टैक्स चोरी की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अधिकारिक तौर पर पुष्टि नही की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस का कड़ा पहरा रहा।

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के विपुलखंड स्थित आवास के साथ ही बलिया, कौशांबी, सोनभद्र के ठिकानों के साथ ही मिजार्पुर और प्रयागराज में सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार की रात करीब 11 बजे विधायक के लखनऊ स्थित आवास से तो कार्रवाई समाप्त कर दी गई, लेकिन विपुलखंड में ही स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कारपोरेट आफिस में पहुंच कर टीम ने जांच शुरू कर दी। बलिया स्थित विधायक के गांव खनवर स्थित आवास के साथ ही रसड़ा स्थित होटल स्काई के अलावा विधायक के खास लोगों में शुमार भूपेन्द्र सिंह और प्रवीण सिंह के यहां पर छापेमारी की गई। सोनभद्र में साईराम इंटर प्राइजेज के साथ ही ठेकेदार के फैजी के ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी रही। इसके अलावा सोनभद्र में अन्य खनन कारोबारी जो कि किसी न किसी रूप में विधायक से जुड़े रहे उन सभी के यहां पर भी छापेमारी जारी रही।

भाजपा के छापे सरकारी डकैती होते हैं

- बसपा प्रमुख मायावती और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बाद अब अखिलेश यादव भी बसपा विधायक के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाए गए पैसों को लूटने के काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हैं, वहीं एजेसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई हृदयहीन हैं, इसलिए संवेदनहीन भी हैं।

डायरी खोलेगी सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के यहां छापे में नकदी, जेवर के साथ ही कथित तौर पर एक डायरी भी मिली है। डायरी में जहां शासन और प्रशासन के कई बड़े अफसरों को लेन-देन का ब्यौरा है, वहीं कई नौकरशाहों की ब्लैक मनी भी खनन और ठेकों में एडजस्ट करने के दस्तावेज भी मिले हैं। साफ है कि डायरी में एक तरह से सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच दर्ज है। उधर डायरी मिलने की खबर फैलने के साथ ही कई अफसरों और सफेदपोशों की बैचेनी बढ़ती जा रही है।

विधायक उमाशंकर सिंह ने जब से सियासत में कदम रखा, तब से उनके रसूख के साथ ही संपत्ति भी अमरबेल की तरह बढ़ती रही। विधायक बनने के बाद तो संपत्तियों में काफी इजाफा होता रहा। उनके रसूख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भले ही वह बसपा से तीन बार के विधायक हैं, लेकिन सत्ता चाहे सपा की रही हो या फिर भाजपा की। उनसे संबंधित कंपनियों को सड़क निमार्ण के साथ ही खनन के ठेके भी मिलते रहे हैं। यहां तक कि नियमों को ताक पर रखकर भी ठेके दिए जाते रहे। सपा सरकार में जहां वह एक कद्दावर मंत्री के ठेकों में पार्टनर रहे, वहीं अगस्त 2025 में उमाशंकर सिंह से जुड़ा पत्थर खनन का मामला सामने आया था। उमाशंकर की पत्नी की कंपनी छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन ने सोनभद्र में खनन का पट्टा लिया था। कंपनी ने 3,000 रुपए प्रति घनमीटर के रेट से पत्थर खनन का का पट्टा लिया था, जबकि रायल्टी दर 160 रुपए प्रति घनमीटर थी। आरोप लगा था उमाशंकर की पत्नी की कंपनी ने 33,604 घनमीटर गिट्टी का अवैध खनन किया था। यदि नीलामी की दर से वसूली होती तो कंपनी को करीब दस करोड़ की धनराशि सरकारी खजाने में देनी होती। इससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान पुहंचा। अब सवाल यह है कि यह रेट और रायल्टी के खेल बिना किसी आला नौकरशाही और कद्दावर सफेदपोश के वरदहस्त बगैर नहीं सकता। इसी तरह के कई अन्य मामले हैं, जोकि विवादों में रहे। उमाशंकर सिंह से जुड़े नेताओं और अफसरों को खुद के घिरने की चिंता सता रही है। यही कारण हैं कि छापे के दूसरे दिन भी छात्र शक्ति कंपनी के कारपोरेट आफिस के बाहर महंगी गाड़ियों से लोग आते रहे। बाहर से ही छापे की अपने तरीके से जानकारी ली और चलते बने।

छापे के पीछे कौन

- **अमृत विचार :** विधायक के साथ ही मैनेजमेंट में माहिर माने जाने वाले उमाशंकर सिंह के यहां छापा पड़ा है तो तमाम सवाल उठ रहे हैं। इसमें अहम सवाल यह है कि आखिरकार बसपा बसपा विधायक के यहां आयकर के छापे के पीछे कौन हैं? ऐसी कौन सी बड़ी शक्ति है, जिसके इशारे पर बसपा प्रमुख मायावती के सबसे खास रहे विधायक के यहां कार्रवाई हुई। वह भी जब विपक्ष बसपा को कथित तौर पर भाजपा की बी टीम बताता रहा है। हालांकि सरसरी तौर पर पत्थर खनन में कैग की रिपोर्ट और विजीलेंस की जांच को ही छापे के पीछे असल वजह माना जा रहा है, लेकिन लोगों के गले से यह बात नहीं उतर पा रही है।

विधायक के बेटे ने कहा: हम पूरा सहयोग कर रहे हैं

- विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने गुरुवार को चुप्पी तौड़ी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि कल गोमतीनगर आवास पर इनकम टैक्स विभाग की ओर से जांच की गई। उनके पिता, वह स्वयं और परिवार के अन्य सदस्य विभाग के अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। इनकम टैक्स अधिकारी भी पूरी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं।

मानचित्र स्वीकृति से बढ़ी जिला पंचायतों की आय

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में जिला पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास असर दिखाने लगे हैं। ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया को सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू किए जाने से जिला पंचायतों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 से जनवरी 2026 तक जिला पंचायतों द्वारा 2883 मानचित्र स्वीकृत किए गए, जिससे 57.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सरकार के निर्देश पर जिला पंचायतों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृति को अनिवार्य कर दिया है। पहले बड़ी संख्या में लोग बिना स्वीकृति के निर्माण करा लेते थे, जिससे न केवल नियोजन प्रभावित होता था बल्कि पंचायतों को राजस्व की हानि भी होती थी।

असाध्य रोगियों के मुफ्त इलाज को 30.11 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को धन आवंटित
- उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य, सख्त शर्तों के साथ आदेश

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 में असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 30.11 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को दी गई है।

शासन ने उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य करते हुए सख्त शर्तों के साथ धन खर्च करने का आदेश दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग विशेष सचिव कृतिका शर्मा की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत 2210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य शीर्ष के तहत "असाध्य रोगों के इलाज हेतु निःशुल्क चिकित्सा सुविधा" मद में स्वीकृत की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह धन केवल निर्धारित मदों में और नियमों के अनुरूप ही व्यय किया जाएगा। शासनादेश में यह भी उल्लेख है कि इससे पूर्व सरोजनी नायडू चिकित्सालय, आगरा अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज प्रसूति चिकित्सालय, कानपुर संक्रामक रोग चिकित्सालय, कानपुर तथा मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर आदि के लिए वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, विद्युत देय और जल प्रभार मदों से पुनर्विनियोग कर धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, जिसके उपरांत कुल व्यवस्था को असाध्य रोगियों के उपचार से जोड़ा गया है। कहा गया है कि अगली किश्त तभी जारी होगी, जब उपयोगिता प्रमाणपत्र और लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जाएगी।

इन संस्थानों को मिली धनराशि

- हृदय रोग संस्थान, कानपुर – 19.86 करोड़
- डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ – 6 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, आगरा – 4 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर – 25 लाख

50 हजार का इनामी गो-तस्कर वाराणसी से गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी गो-तस्कर को वाराणसी के लोहता से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व एफआईआर दर्ज की गई थी। तभी से फरार चल रहा था। आरोपी पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था। एसटीएफ के मुताबिक बुधवार देर रात को विशेष ऑपरेशन के दौरान आरोपी मो. अशरद को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़ा गया गो-तस्कर मो. अशरद वाराणसी स्थित सिगरा के लहंगपुरा का रहने वाला है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व गो-तस्करी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बुधवार देर रात को सूचना मिली कि मो. लोहता के धमरियों मैदान के पास है। वह भागने की तैयारी कर रहा है। टीम ने घेराबंदी कर रात 10 बजे दबोच लिया। वह क्षेत्र में लोगों को धमकाने व मारपीट करने के मामलों में आरोपी है।

सांझी रेखा | राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह ने आटा और मंदिरों के चढ़े फूलों ने तैयार किया हर्बल गुलाल

अयोध्या व काशी में मक्का के गुलाल से खेली जाएगी होली

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : अयोध्या और वाराणसी में मक्का का आटा और मंदिरों में चढ़े फूलों के अर्क से बने शुद्ध हर्बल गुलाल से होली खेली जाएगी। इससे त्वचा खराब नहीं होगी और आंख व मुंह में जाने पर स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचेगा। बच्चे हो या बुजुर्ग सभी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। गुलाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखनऊ के चिनहट की ग्राम उत्तरधौना में संचालित ''सांझी रेखा'' स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने नाबार्ड के सहयोग से प्रशिक्षण पाकर इसे तैयार किया है।

इनके हर्बल गुलाल हरा, पीला और गुलाबी तीन रंग में उपलब्ध हैं। तीनों ही मक्का के आटे में फूल व सब्जियों से निर्मित किए गए हैं। इनमें हरा रंग देने के लिए आटा में धनिया और पालक के पत्ते मिलाए गए हैं। जबकि पीला रंग का गुलाल आटा में गेंदा के फूल की पंखुड़ी से तैयार किया है और गुलाबी गुलाल चुकंदर व गुलाब के फूल की कलियों से बनाया है। शुद्धता के साथ सुगंध भी लोगों को प्राकृतिक है।

- खराब नहीं होगी त्वचा, आंख व मुंह में जाने पर नहीं होगा नुकसान

गुलाल की कीमत (रुपया प्रति किलो)

- गुलाल-थोक - 350-400
- गुलाल-फुटकर - 500
- गुलाल-200 ग्राम - 100

चिनहट के उत्तरधौना में सुखाया जाता गुलाल और टोकरियों में रखा तैयार गुलाल।

एक तरफ महिलाओं ने स्वास्थ्य को देखते हुए हर्बल गुलाल बनाया है तो दूसरी तरफ इस कार्य से उन्हें रोजगार मिला है। लोग इस हैंडमेड सामग्री को खरीद कर उत्पादन को बढ़ावा दें।

-अजीत कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, लखनऊ

सात क्विंटल तक भेजी गुलाल की खेप

- 20 क्विंटल उत्पादन लक्ष्य के सापेक्ष 15 क्विंटल तक गुलाल तैयार किया है। इसमें अयोध्या, वाराणसी के खासकर काशी और मिर्जापुर में सात क्विंटल गुलाल बिक चुका है और भी मांग आई है। इसके अलावा अंबेडकर नगर, बस्ती, सोनभद्र, लखीमपुर, हरदोई व कानपुर से मांग आने पर खेप भेजी जा रही है। लखनऊ में भी महिलाएं स्वयं थोक व फुटकर स्टॉल लगाकर बिक्री कर रही हैं। 28 फरवरी से विकास भवन, कलेक्ट्रेट, विश्वविद्यालय समेत अन्य सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जाएंगे।

मंदिरों से एकत्र किए फूल महिलाएं लाईं सब्जियां

- समूह की अध्यक्ष वंदना सिंह ने बताया कि इस कार्य में 18 समूह की महिलाएं जुड़ी हैं। मक्का किसानों से खरीदकर आटा बनाया है, जबकि फूल मंदिरों के चढ़े हुए एकत्र किए हैं। महिलाएं खेती-बाड़ी से जुड़ी हैं, इनके द्वारा धनिया, पालक, चुकंदर एकत्र किया गया है। कोषाध्यक्ष सोनी सिंह बताती हैं कि 40 फीसद तक बचत होती है। एक स्टॉल में चार से पांच हजार की बिक्री हो रही है।

होली में खपाने के लिए जा रही शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली में खपाने के लिए बिहार शराब ले जा रहे तीन तस्करों को एसटीएफ ने बलिया के बैरिया दबोच लिया। उनके पास से 471 पेटी शराब, बियर, पिकअप, तीन मोबाइल व नकदी बरामद की गई है। यूपी से बिहार भेजने के लिए तस्करों ने गंगा नदी के रास्ते का प्रयोग किया।

एसटीएफ के डिप्टीएसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक यूपी से बिहार शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। होली में बड़े पैमाने पर तस्करी का इनपुट मिला था। विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुरुवार सुबह 4.30 बजे बलिया के बैरिया स्थित पूर्वी भवन टोला गंगा किनारे बंधे के पास से दो पिकअप वाहन रोककर तलाशी ली। इस दौरान अंदर भारी मात्रा में शराब व बियर की पेटियां मिलीं। एसटीएफ ने मौके से बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद निवासी धर्मजीत भारती, कोतवाली नगर बहादुरपुर का पिंटू प्रसाद और बैरिया चिरैया मोड़ निवासी करन बहादुर साह उर्फ घुरघुर को गिरफ्तार किया।

नाव से गंगा पार ले जाते थे शराब

पिंटू प्रसाद

करन कुमार साह

धर्मजीत भारती

- एसटीएफ के डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनका गिरोह गंगा नदी के रास्ते शराब की तस्करी करता है। शराब बलिया के बैरिया इलाके में पहुंचने के बाद नाव से गंगा नदी पार कराकर बिहार पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार बैरिया क्षेत्र के चिरैयामोड़ स्थित एक लाइसेंसी गोदाम से शराब अवैध रूप से उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे गिरोह के सदस्य बिहार पहुंचाते थे। तीनों आरोपियों के खिलाफ बैरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज किया गया है। वहीं आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर जी"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

रेरा का 35वां रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण सत्र शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : रियल एस्टेट को अधिक पारदर्शी एवं उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए उप्र भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गुरुवार को कानपुर रोड स्थित इंडियन लिटरेसी बोर्ड में चार दिवसीय 35वां रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण सत्र शुरू किया गया। उद्घाटन अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने किया। प्रदेशभर के 53 एजेंटों ने प्रतिभाग किया।

मेट्रो स्टेशन के नीचे किशोरी से छेड़छाड़, भागी तो शोहदे ने निकाला चाकू

संवाददाता, आलमबाग

- किशोरी, उसकी बड़ी बहन व सहेली पर टूट पड़ा आरोपी, सुरक्षाकर्मियों को देख भागा
- पिता की तहरीर पर आलमबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे बड़ी बहन संग गयी किशोरी से मोहल्ले में रहने वाले युवक ने छेड़छाड़ की। पीड़िता बचने के लिए भागी तो आरोपी ने पीछा किया और मेट्रो स्टेशन परिसर में चाकू निकालकर दोनों बहनों और सहेली पर टूट पड़ा। सुरक्षाकर्मियों को आता देख आरोपी धमकाते हुए भाग निकला। आलमबाग पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आलमबाग निवासी पिता ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 9:40 बजे उनकी बड़ी बेटी छोटी बहन को लेकर सहेली को किताब देने आलमबाग मेट्रो स्टेशन गयी थी। बड़ी बेटी सहेली को किताब देने ऊपर चली गयी। इस दौरान छोटी बहन नीचे खड़ी थी। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाला कुलदीप कश्यप उर्फ बउवा दोनों बहनों का पीछा करते हुए मेट्रो स्टेशन के नीचे पहुंच गया।

कुलदीप कश्यप

आरोपी छोटी बेटी के पास खड़े होकर अश्लील इशारे करने लगा। कुलदीप पीछा करते हुए उसे पकड़ने का प्रयास करते हुए ऊपर पहुंच गया। पीड़िता अपनी बड़ी बहन और उसकी सहेली के पास पहुंच गयी। यह देख आरोपी ने चाकू निकाल लिया। चाकू मारने की बात कहते हुए उनसे भिड़ गया। इसी दौरान मेट्रो सिक्योरिटी को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला।

पीड़िता ने पिता को कॉल कर सूचना दी तो वे मौके पर पहुंचे। बेटियों से बात करने के बाद पिता ने आलमबाग पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पिता की तहरीर पर छेड़छाड़, धमकी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने आरोपी कुलदीप उर्फ बउवा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को जेल भेज दिया है।

किशोरी लापता, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर इलाके से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। सरोजनीनगर के सिद्धार्थनगर निवासी महिला के मुताबिक उसकी 15 वर्षीय बेटी 24 फरवरी मंगलवार को सुबह घर से बिना बताये कहीं चली गई। पीड़ित महिला का कहना है कि वह अपने दोस्त से मिलने की बात कह कर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं आयी। इसके बाद उसके परिचितों और रिश्तेदारी में उसका पता लगाया गया, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चल सका। महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे किशोरी का पता लगा रही है।

2022 में लखनऊ आरटीओ ने दो बार सीज की थी बस

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हादसा: फिटनेस चुस्त, मगर बॉडी में किया बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

400 स्लीपर बसें गुजरती हैं, चेकिंग बनी चुनौती

- आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पांडेय के अनुसार लखनऊ से होकर प्रतिदिन लगभग 385 से 400 स्लीपर बसें गुजरती हैं। अवैध बस प्वाइंट से रोजाना आठ से दस हजार यात्री सफर करते हैं।

अमृत विचार Follow UP

ये बसें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और बिहार के बीच संचालित होती हैं। शासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ के आरटीओ व एआरटीओ प्रवर्तन अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। जांच में चेकिंग दलों और ट्रांसपोर्टरों की संभावित मिलीभगत की भी पड़ताल की जा रही है।

अमृत विचार: गोसाईगंज के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना हुई बस की शुरुआती जांच में तीन प्रमुख कमियां उजागर हुई हैं। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि बस की भौतिक संरचना में मानकों के विरुद्ध बदलाव कर उसे बढ़ाया गया था, जबकि कागजी फिटनेस और बीमा वैध पाए गए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नियमों के विपरीत संशोधित बस को फिटनेस प्रमाणपत्र कैसे मिला।

आरटीओ कार्यालय के आरआई विष्णु कुमार द्वारा मौके पर की गई जांच में पाया गया कि बस में निर्धारित 16 स्लीपर सीटों की जगह छेड़छाड़ कर 43 स्लीपर बना दी गई थीं। साथ ही स्लीपर बस को छोटा भी किया गया था जिससे कि ज्यादा सीट बनायी जा सके। बैठने के लिए 32 सीटों के बजाय केवल नौ सीटें थीं।

यानी क्षमता से दोगुनी सवारियां बैठाई जा रही थीं, जिससे वाहन के अनियंत्रित होने की आशंका बढ़ गई। इमरजेंसी गेट बंद मिले और परमिट की शर्तों का भी उल्लंघन पाया गया। 2022 में दो बार व 2023 में बस को उल्लंघन की वजह से बंद किया गया था और रिपोर्ट गुड़गांव आरटीओ भेजी गयी थी।

प्रारंभिक जांच में ड्राइवर की लापरवाही भी सामने आई है। चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है। साथ ही लंबी दूरी की यात्रा में दो चालकों के बजाय केवल एक ही चालक तैनात था, जो नियमों के विपरीत है। अगर समय रहते जांच हो जाती तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता।

अप्रैल से 310 ट्रेनों में लगेंगी अत्याधुनिक महिला बोगियां

अमृत विचार, लखनऊ: महिलाओं के रेल सफर को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। अप्रैल माह से 310 ट्रेनों में नई अत्याधुनिक महिला बोगियां जोड़ी जाएंगी। इन बोगियों को विशेष रूप से वूमेन फ्रेंडली बनाया जाएगा, ताकि यात्रा के दौरान महिलाओं को अधिक सुरक्षा और सुविधा मिल सके। खास बात यह है कि इन कोचों में बेबी फीडिंग के लिए अलग से स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने अधिकारियों से एक माह के भीतर ऐसी ट्रेनों की सूची मांगी है, जिनमें मांग और आवश्यकता के अनुसार महिला बोगियां लगाई जा सकें। लखनऊ के रास्ते आने-जाने वाली ट्रेनों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला आरपीएफ जवानों की संख्या बढ़ाई जा रही है। साथ ही महिला एस्कॉर्ट और फ्रंटलाइन स्टाफ में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे का उद्देश्य महिलाओं को उत्कृष्ट और भरोसेमंद यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

अधिशासी अभियंता विद्युत और यूपीसीडा को चार्जशीट के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कलेक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय उद्योग बंधु के साथ बैठक लेते जिलाधिकारी विशाख जी।

- उद्योग बंधु की बैठक में खराब प्रगति पर जिलाधिकारी विशाख जी ने जताई नाराजगी
- यूपीसीडा को 31 मार्च तक सभी निर्माण पूर्ण करने की चेतावनी

अमृत विचार : औद्योगिक क्षेत्र अमौसी/नादरगंज में अवस्थापना सुविधाओं की समीक्षा में जिलाधिकारी विशाख जी को नाला, कलवर्ट व मीडियन निर्माण की प्रगति धीमी मिली। इसके अलावा विद्युत विभाग द्वारा स्वीकृत बजट के सापेक्ष व्यय एवं प्रगति भी संतोषजनक नहीं पाई। नाराजगी जताते हुए अधिशासी अभियंता यूपीसीडा और अधिशासी अभियंता विद्युत के खिलाफ चार्जशीट जारी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की महत्वपूर्ण बैठक की। संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। इस दौरान अधिशासी अभियंता यूपीसीडा ने अवगत कराया कि औद्योगिक क्षेत्र अमौसी/नादरगंज में अवस्थापना सुविधाओं के तहत नाला, कलवर्ट तथा मीडियन निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 मार्च तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण न हुए तो अधिशासी अभियंता यूपीसीडा के विरुद्ध चार्जशीट जारी करके कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने गोयला औद्योगिक क्षेत्र में एलटी लाइन उपलब्ध कराने की समीक्षा की। पाया कि विद्युत विभाग द्वारा स्वीकृत बजट के सापेक्ष व्यय नहीं किया गया। इस कारण कार्य और प्रगति संतोषजनक न होने पर नाराजगी जाई। संबंधित अधिशासी अभियंता के विरुद्ध चार्जशीट जारी करके प्रबंध निदेशक विद्युत को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

मंडलस्तरीय पशु आरोग्य मेला 28 को

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत भौदरी के मजरा गनियार में 28 फरवरी को मंडलस्तरीय वृहद पशुआरोग्य मेला आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उद्घाटन करेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि मंडल स्तरीय मेले में लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, रायबेरली, उन्नाव, हरदोई के पशुओं की गंभीर बीमारी का उपचार, टीकाकरण, जांच आदि की जाएगी। इसके अलावा पशुओं की सर्जरी भी की जाएगी। इसके लिए विशेषज्ञ सर्जन और चिकित्सकों की टीम बनाई है। पशुपालकों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा बल्कि दवाएं भी निशुल्क दी जाएंगी। अन्य जिलों के पशुपालक भी मेले का लाभ उठा सकते हैं। विभाग ने कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी है।

फर्जी साइबर शिकायत से ठप हुआ कारोबार

अमृत विचार, लखनऊ : सेक्टर-6ए निवासी शेरी सिंह उर्फ स्नेहा ने बताया कि वह वर्ष 2017 से ऑनलाइन हैंडक्राफ्ट स्टोर चला रही है। उनके हैंडक्राफ्ट की मांग देशभर में है। महाराष्ट्र निवासी नगमा नामक महिला ने उनसे कपड़े ऑर्डर कर उनमें अतिरिक्त रंग कराने को कहा था। स्नेहा ने रंगाई में अतिरिक्त समय लगने की बात पहले ही दे दी थी। इसपर नगमा ने उन्हें बदनाम करना शुरू कर दिया। आरोप है कि नगमा ने सोशल मीडिया पर गलत और भ्रामक रिव्यू अपलोड कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। आरोप है कि नगमा ने महाराष्ट्र साइबर सेल में शिकायत कर उनका एचडीएफसी बैंक खाता फ्रीज करवा दिया।

दो घंटे का विशेष अभियान, 326 के खिलाफ कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान
- कमिश्नरेट के 329 स्थान पर 2211 लोगों की हुई चेकिंग

अमृत विचार: सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हंगामा करने वालों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने बुधवार से विशेष अभियान शुरू कर दिया है। रात 9 से 11 बजे तक चलने वाले विशेष अभियान में बुधवार को पहले दिन 329 स्थान पर चेकिंग की गई। इस दौरान 2211 लोगों का परीक्षण किया गया। 326 लोग शराब के नशे में मिले। उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर के मुताबिक अभियान लगातार जारी रहेगा।

पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देश पर जेसीपी एलओ बबलू कुमार ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए थे। बुधवार रात 9 बजे से 11 बजे तक पांचों जोन में पुलिस टीमों ने चेकिंग अभियान चलाया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, हुड़दंग करने, राहगीरों, महिलाओं व अन्य लोगों को असुविधा व यातायात में बाधा पैदा करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। जोन के एसीपी और थाना प्रभारियों ने सड़कों, पार्कों, बाजार , बस स्टैंड, चौराहों व अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर चेकिंग की। अभियान के दौरान 329 स्थानों पर 2211 व्यक्तियों की चेकिंग की गई। कार्रवाई करने में पश्चिमी जोन सबसे आगे रहा। पश्चिम जोन में 116 स्थानों पर 846 लोगों की जांच कराई गई। जिसमें 204 का चालान काटा गया। मध्य जोन में 79 स्थान पर 453 लोगों की चेकिंग 28 का चालान, पूर्वी जोन में 58 स्थान पर 378 की जांच कर 33 लोगों का चालान काटा गया। इसी तरह दक्षिणी जोन में 46 स्थानों 259 लोगों को चेक कर 25 का और उत्तरी जोन में 30 स्थानों पर 275 लोगों की जांच कर 36 का चालान काटा गया।

स्मार्ट मीटर और उत्पीड़नात्मक कार्रवाई से नाराजगी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों और जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। समिति ने गुरुवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया कि यदि विभागीय स्तर पर कार्रवाई नहीं रोकी गई तो मार्च और अप्रैल में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। समिति ने बताया कि कॉरपोरेशन के चेयरमैन को जल्द ही ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की समस्याओं और विरोध से अवगत कराया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि मार्च में क्षेत्रीय और परियोजना मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

सिटी डायरी

जूनियर इंजीनियर्स के प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा मंत्री से की मुलाकात।

ऊर्जा मंत्री से मिला जूनियर इंजीनियर्स संगठन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल वल्लभ पटेल के देखरेख में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से मुलाकात की। इसमें वर्ष-23 में लेसा की सांकेतिक हड़ताल के खत्म होने पर बनी सहमति के अनुरूप कर्मचारियों पर की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्रवाई समाप्त करने की मांग दोहराई। अमौसी जोन में जूनियर इंजीनियरों और प्रोन्नत अभियंताओं के खिलाफ किए गए सामूहिक निलंबन और संबद्धीकरण के आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग भी की। महासचिव बलवीर यादव ने संसाधनों की कमी, लंबी दूरी के निरीक्षण और अतिरिक्त दायित्वों को समस्या की जड़ बताया। प्रतिनिधिमंडल ने निष्पक्ष जांच और एकतरफा कार्रवाई समाप्त करने की मांग करते हुए प्रबंधकीय जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में बोलते डॉ. नीरज सिंह।

नए मतदाताओं के पंजीकरण को दें प्राथमिकता : नीरज सिंह

अमृत विचार , लखनऊ : भाजपा नेता डॉ. नीरज सिंह ने एसआईआर अभियान के अंतर्गत आज लखनऊ पूर्वी विधानसभा के शंकर पुरवा वार्ड तृतीय स्थित बूथ संख्या-236 पर बूथ प्रवास किया। पंतनगर सांस्कृतिक समिति, रामलीला मैदान, पंतनगर खुर्रम नगर में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए बूथ स्तर पर चल रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की तथा नए मतदाताओं के पंजीकरण कार्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। डॉ. नीरज सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बूथ को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने पर बल दिया। प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष अनिल कश्यप, नरेंद्र सिंह देवड़ी, उमेश चंद्र उपस्थित रहे।

दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि।

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स में क्वांटम प्रौद्योगिकी पर संगोष्ठी

अमृत विचार , लखनऊ : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश की ओर से गुरुवार को इंजीनियर्स भवन रीवर बैंक कॉलोनी में क्वांटम प्रौद्योगिकी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने क्वांटम प्रौद्योगिकी ने सेमीकंडक्टर, लेज़र, एमआरआई, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष यात्रा जैसे आविष्कारों से मानव सभ्यता को नई दिशा दी है। मुख्य अतिथि प्रो. ओंकार प्रसाद अध्यक्ष भौतिकी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने क्यूबिट, अध्यारोपण सिद्धांत और क्वांटम कलन-विधियों को सरल शब्दों में समझाया।

नवयुग कन्या में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखती वक्ता।

विशेष व्याख्यान आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : नवयुग कन्या महाविद्यालय में "बियोंड आर्डिनरी स्ट्रक्चर्ड डिसीजन मेकिंग एंड करियर स्ट्रेटजी फॉर इमर्जिंग वूमेन स्कॉलर्स" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। अमेरिका से डॉ. अनामिका बाजपेई, फाउंडर डायरेक्टर वेदांता सेंटर फॉर अकादमिक एंड प्रोफेशनल मेंटरशिप एक्सीलेंस उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षिका प्रो. मंजुला उपाध्याय ने दिया तथा मंच संचालन डॉ. विनीता सिंह ने किया।

परिवहन निगम में वे-बिल घोटाले का खुलासा, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम में वे-बिल के जरिए भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आलमबाग डिपो में कार्यरत परिचालक अमित ठाकुर ने वर्ष 2019 में जारी वे-बिल का उपयोग जनवरी 2026 में किया। सात वर्ष पुराने वे-बिल को रजिस्टर और कंप्यूटर में दर्ज किए बिना इस्तेमाल करने का आरोप है। इस गड़बड़ी से परिवहन निगम को करीब 40 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक वे-बिल जब किसी परिचालक को आवंटित किया जाता है तो उसे रजिस्टर में चढ़ाया जाता है और उसकी कंप्यूटराइज्ड मॉनिटरिंग भी होती है। बताया जा रहा है कि परिचालक ने वे-बिल को बिना आधिकारिक प्रविष्टि के गुपचुप तरीके से प्रयोग किया। नियमों के तहत बस परिचालकों को वे-बिल में यात्रियों की संख्या, यात्रा का प्रारंभ और गंतव्य, प्रत्येक टिकट की राशि और कुल किराया दर्ज करना अनिवार्य होता है। इसी आधार पर निगम के खाते में राजस्व जमा किया जाता है। आरोप है कि कुछ मामलों में वास्तविक 60 यात्रियों के बजाय 40-45 यात्रियों का ही विवरण दर्ज कर कम राजस्व दिखाया गया और शेष राशि कथित रूप से निजी तौर पर रख ली गई।

फंदे से लटका मिला राजगीर का शव

अमृत विचार, सरोजनीनगर: चिल्लावां का रूपचंद (30) पत्नी सोनी और 2 साल के बच्चे विनायक, मां मीना के साथ रह कर राजगीर मिस्त्री का काम करता था। वहीं मीना लोगों के घरों में झाड़ू पोछा का काम करती हैं। बुधवार को सोनी बच्चे को लेकर एक शादी समारोह में शामिल होने अपने मायके उन्नाव जिले के कोंइथर गांव गई थी। जबकि गुरुवार सुबह मीना घर के अंदर कमरे में ताला बंद कर झाड़ू पोछा करने एलडीए कॉलोनी चली गई। रूपचंद के मामा अमौसी निवासी रिंकू की बाइक कई दिनों से रूपचंद के घर में खड़ी थी। सुबह करीब 10 बजे रिंकू बाइक लेने रूपचंद के घर पहुंचे तो वह फंदे से लटका मिला।

लाल चंदन की खेती में निवेश के नाम पर ठगे 9.28 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आंध्र प्रदेश में बताया था सरकारी टेंडर, गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट

अमृत विचार: आंध्र प्रदेश में लाल चंदन की खेती का सरकारी टेंडर मिलने का झांसा देकर जालसाजों ने कारोबारी से 9.28 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। आश्वासन दिया कि खेती पर दस साल बाद 700 करोड़ का मुनाफा होगा। रुपये देने के बाद पीड़ित आंध्र प्रदेश गए तो वहां कोई खेती नहीं मिली। कोर्ट के आदेश पर गोमतीनगर पुलिस ने गुरुवार को चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

साउथ सिटी निवासी हेमंत कुमार राय गोमतीनगर के विवेकखंड स्थित श्रेया इंफ्रा एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी में आंध्र प्रदेश के कुरनूल निवासी जे. पुलैय्या, नागीरेड्डी, पी. लक्ष्मी नारायना और पी. महेश्वर का आना-जाना था। दिसंबर 2022 में बातचीत में चारों ने बताया उन्हें बताया कि आंध्र प्रदेश के प्रकाशम और नादयाल जिले में लाल चंदन की खेती होती है। उन्हें इसका सरकारी टेंडर मिला है। लाल चंदन के पेड़ लगाने के लिए करीब छह करोड़ की 100 एकड़ की जमीन लेनी है। आरोपियों ने निवेश के 10 साल बाद 700 करोड़ का मुनाफा देने की बात कही।

पर्यटन को बढ़ावा आशियाना के वनस्थली पार्क में बन रहा थीम पार्क, एलडीए उपाध्यक्ष ने सितंबर तक कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

जुरासिक पार्क की तरह बनेगा मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आशियाना का वनस्थली पार्क जल्द मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क के रूप में तब्दील होगा। इसे जनेश्ववर मिश्र पार्क में बने जुरासिक पार्क की तरह बनाया जाएगा। परिसर में ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के इंटरैक्टिव रोबोटिक मॉडल देखने को मिलेंगे। साथ ही सुप्रसिद्ध इंडियन फेयरी टेल 'पंचतंत्र' की कहानी व किरदार लोगों को लुभाएंगे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने गुरुवार को पार्क का निरीक्षण किया और सितंबर 2026 तक समस्त विकास कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नवरात्र के अवसर पर लोगों के लिए यह थीम पार्क खोल दिया जाएगा। अधीक्षण अभियंता नवनीत शर्मा ने बताया कि आशियाना के सेक्टर-के में स्थित वनस्थली पार्क थीम आधारित है। ये पीपीपी मोड पर लगभग 12 करोड़ की लागत से मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क विकसित किया जा रहा है।

पार्क में निष्प्रयोज्य सामग्री के इस्तेमाल से मरमेड, फीनिक्स, जिनी, ग्रिफिन, वेयर वूल्फ, मोगली आदि के 12 लाइव मॉडल व स्कल्पचर्स स्थापित किये जाएंगे। इसके अलावा ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के 10 रोबोटिक मॉडल होंगे। पार्क में काफी बड़ी वॉटर बॉडी बना रहे हैं, इसमें आकर्षक फाउंटेन लगेगा। साथ ही वॉच टॉवर और टायलेट ब्लॉक बनेंगे।

बुद्ध पार्क की धीमी प्रगति पर ठेकेदार को नोटिस, निरस्त हो सकता अनुबंध

- उपाध्यक्ष ने कानपुर रोड योजना स्थित गौतम बुद्ध पार्क-1 का भी निरीक्षण किया। पार्क में ले-आउट के मुताबिक कार्य की प्रगति संतोषजनक न मिलने पर नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था मेसर्स एफईएजी इंजीनियर्स एंड कंस्ट्रक्शन प्रालि के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार को हिदायत दी कि यदि एक माह में कार्य में सुधार नहीं हुआ तो अनुबंध निरस्त कर दिया जाएगा।

आशियाना का वनस्थली पार्क का निरीक्षण करते उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार।

ज्योतिबा फुले जोनल पार्क में शुरू होंगे चार फाउंटेन

- उपाध्यक्ष ने ज्योतिबा फुले जोनल पार्क का भी निरीक्षण किया। पार्क में लगभग चार करोड़ से विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। पार्क में नये सिरे से विकसित करके वॉटर बॉडीज में डासिंग फाउंटेन, बॉल फाउंटेन, रिंग फाउंटेन व पीकॉक फाउंटेन स्थापित किये जाएंगे। इसके अलावा जॉगिंग ट्रैक के पास 25 साउंड स्पीकर व थीमेटिक लाइटिंग की जाएगी। इसे भी अप्रैल 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

फर्जीवाड़ा कर जमीन बेचने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : जाली दस्तावेज बनाकर जमीन बेचने वाले आरोपी को मलिहाबाद पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी आंट गढ़ी सौरा निवासी अहमद अली है। 14 नवंबर 2025 को गोमतीनगर विस्तार निवासी अभिमन्यु कुमार सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि ग्राम बिशनपुर स्थित 16 बिस्वा जमीन को उन्होंने अहमद अली से खरीदी थी। लेकिन आरोपी अहमद अली ने जाली दस्तावेज तैयार कर उसी भूमि का आधा हिस्सा अहमदपुर गांव निवासी सुमित्रा को बेच दिया था। मामले में मलिहाबाद तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा, लेखपाल समेत छह को आरोपी बनाया था।

लोडर चालक पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में 14 फरवरी को लोडर वाहन की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार आशीष उपाध्याय के मामले में पिता सुनील उपाध्याय निवासी न्यू रहीमाबाद सैन्यपुरम ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। घायल का इलाज उतरठिया स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है।

निवेश के नाम पर दो से ऐंठे 34.86 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : शेयर ट्रेडिंग व क्रिप्टो में निवेश के नाम पर साइबर जालसाजों ने रेलकर्मी समेत 34.86 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर साइबर थाना बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इंदिरानगर के सेक्टर-11 स्थित समता नगर निवासी इंदल बहादुर सिंह दिव्यांग हैं। कुछ माह पहले आरवी सिंह नाम की युवती ने व्हाट्सएप पर संपर्क किया। शेयर ट्रेडिंग मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 29.59 लाख रुपये ठग लिए। मुनाफा मांगने पर पीड़ित ने टालमटोल की।

भाजपा को हराना मतलब यूपी को बचाना: अखिलेश

एसआईआर के जरिए लोकतंत्र कमजोर करने की साजिश का आरोप

- 2027 में सजग और सतर्क रहकर काम करें सपा कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा को हराना बेहद जरूरी है, क्योंकि भाजपा को हराने का अर्थ यूपी को बचाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को बर्बाद कर दिया है और आज भ्रष्टाचार, अपराध व कमीशनखोरी चरम पर हैं। यह सरकार हर वर्ग को अपमानित कर रही है और सामाजिक अन्याय व नफरत की प्रतीक बन चुकी है।

गुरुवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए सपा कार्यकर्ताओं को बहुत समझदारी से काम करना होगा। उन्होंने आगाह किया कि भाजपा की साजिशों से सतर्क और सजग रहना जरूरी है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एसआईआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) के नाम पर बड़े पैमाने पर घपला कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि पीडीए वर्ग के मतदाताओं का वोट कटवाने के लिए हर जिले में लाखों नोटिस भेजे जा रहे हैं, ताकि लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा सके। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में मदद करें और पूरी प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों और नौजवानों के साथ छल कर रही है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित समझौतों से किसानों को भारी नुकसान होगा और खेती-किसानी बर्बाद हो सकती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह आर्थिक आत्मसमर्पण है, जिससे दालों, बाजरा और अन्य फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की आर्थिक नीतियां जनविरोधी हैं। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है, जिससे गरीब और गरीब होता जा रहा है, जबकि अमीर और अमीर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने कार्यकाल में विकास कार्य किए, नौजवानों को लैपटॉप देकर तकनीकी रूप से सशक्त बनाया। सपा की सरकार बनने पर किसानों को सही कीमत, बेरोजगारी खत्म करने और दाम बांधो नीति लागू करने की दिशा में काम किया जाएगा।

'पीडीए दिवस' नई शुरुआत

अखिलेश यादव ने कहा कि 'पीडीए दिवस' पीडीए समाज के उन महान व्यक्तित्वों को समर्पित है, जिन्होंने शोषित-पीड़ित समाज के सम्मान और बराबरी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि जो पीड़ित, वही पीडीए। हम सब एक हैं।

सपा दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक विरोधी

अमृत विचार, लखनऊ : सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा बसपा संस्थापक कांशीराम के जन्म दिवस को पीडीए दिवस मनाए जाने की बात कहन पर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तीखा तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सपा का चाल-चरित्र और चेहरा पहले जैसा ही है। सपा का नेतृत्व पहले से ही दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक विरोधी है। जनता अब इनकी सच्चाई समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि सपा द्वारा पीडीए की राजनीति केवल दिखावा है। सपा ने सत्ता में रहते हुए दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हितों की अनदेखी की। बसपा सरकार में कासगंज जिले का बसपा संस्थापक के नाम पर कांशीराम नगर रखा गया था, वहीं सहारनपुर के मेडीकल कालेज का नाम भी बसपा संस्थापक के नाम पर था। लेकिन सपा सरकार ने आते ही उनके नाम बदल दिए। अब वह कांशीराम के जन्म दिन पीडीए दिवस मनाने का ढोंग कर रही है। इसी तरह बसपा ने लखनऊ में उर्दू-फारसी, अरबी यूनिवर्सिटी की स्थापना की थी, लेकिन अल्पसंख्यक विरोधी मानसिकता के चलते सपा सरकार ने उसका भी नाम बदल दिया। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह 1993 और 1995 के दौर की घटनाएं जनता भूली नहीं है। सपा ने बहुजन आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास किया। अब भी सामाजिक समीकरणों का इस्तेमाल कर रही है।

निर्वाचन कार्य है लोकतंत्र की मजबूती का आधार: रिणवा

- सीईओ ने आगरा में किया बूथों का निरक्षण, राजनीतिक दलों के साथ की बैठक
- एसआईआर की समीक्षा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ और अधिकारी किए सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों और उनके बूथ लेवल एजेंटों से कहा कि वह अधिक से अधिक नए और युवा वोटरों को जोड़ने का काम करें। मतदाता का फोटो पहचान पत्र, फोटो, नाम, पता और उम्र सही दर्ज करें। निर्वाचन कार्य लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और बीएलओ सच्चे डेमोक्रेसी वॉरियर्स हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने गुरुवार को आगरा के आयुक्त सभागार में एसआईआर की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बैठक कर अधिकारियों और बीएलओ को विधानसभावार डिजिटाइज फार्म, ईपी रेशियो, जेंडर रेशियो, अनुपस्थित, मृतक, स्थानांतरित व डुप्लीकेट मतदाताओं के विवरण के साथ ही फॉर्म-6, 6ए, 7 और 8 की प्रविष्टियों के बारे में विस्तार से जाना । निर्वाचन अधकारियों द्वारा नोटिस जनरेशन, सुनवाई, 1950 हेल्पलाइन, बुक-ए-कॉल-विद बीएलओ और एनजीएसपी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगित के बारे में पता किया। सूरसदन में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और उनके द्वारा बनाए गए बीएलए के साथ भी संवाद किया। मतदाता केन्द्रों का भी निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान कमिश्नर एवं रोल प्रेक्षक नागेन्द्र प्रताप और जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द मलप्पा बंगारी समेत एसआईआर के कार्य में लगे सभी अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा में गुरुवार को एसएसआर की समीक्षा करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

बिजली दरों मे कमी होने से उपभोक्ताओं को होगा 141.20 करोड़ का लाभ

अमृत विचार, लखनऊ : पावर कॉरपोरेशन द्वारा फरवरी में विद्युत उपभोक्ताओं से की गई दस फीसदी की अतिरिक्त वसूली के मामले में बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश भर से वसूला गया करीब 141 करोड़ रुपए अब उपभोक्ताओं को वापस दिया जाएगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि फरवरी-26 माह में विभाग ने उपभोक्ताओं से 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार वसूल किया था। इसके खिलाफ उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में जोरदार विरोध दर्ज किया था। इसके चलते मार्च- 26 में 2.42 प्रतिशत बिजली दर में कमी कर दी गई।

8 मार्च तक सभी विद्यालयों में छात्राओं के बन जाएं अलग शौचालय : शर्मा

- अपर मुख्य सचिव ने की समीक्षा, परीक्षा, पीएम श्री योजना और पोषण व्यवस्था पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा ने परिषदीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं और शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में 8 मार्च तक छात्राओं के लिए पृथक शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

गुरुवार को मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि छात्राओं की सुविधा, स्वच्छता और गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जिन विद्यालयों में यह व्यवस्था अभी तक पूर्ण नहीं हुई है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा कराया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री (पीएम श्री) योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों में गतिविधियों को तेज़ी से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी दिनों में परिषदीय विद्यालयों की वार्षिक परीक्षाओं के सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध आयोजन के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहाअपर मुख्य सचिव ने पीएम पोषण योजना के अंतर्गत बच्चों को नियमित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और वितरण की सतत निगरानी की जाए। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), निर्माणाधीन कार्यों, प्री-प्राइमरी शिक्षा, बाल वाटिका और शिक्षण गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग विद्यार्थियों को सहायक उपकरणों का वितरण समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे बिना किसी बाधा के शिक्षा ग्रहण कर सकें।बैठक में पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति, ढुलाई और समय से वितरण, विद्यालयों में फर्नीचर की उपलब्धता, स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब के प्रभावी उपयोग तथा उनके अनुश्रवण को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

जिलाध्यक्ष जल्द घोषित करें अपनी कार्यकारिणी

- प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने वीसी से बैठक लेकर दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संगठनात्मक बैठक की। बैठक में जिला स्तर पर ढांचे को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। जिलाध्यक्षों को अपनी-अपनी जिला कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्टी नेतृत्व ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती के लिए जिला इकाइयों का गठन प्राथमिकता पर किया जाए। यदि प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ती है, तो मार्च के प्रथम पखवाड़े तक जिला कार्यकारिणियों की घोषणा की जा सकती है। इससे पहले जिलाध्यक्षों को स्थानीय स्तर पर संतुलन, संगठनात्मक अनुभव और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए टीम गठित करने को कहा गया है। पार्टी के भीतर इसे आगामी चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियों की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। जिला कार्यकारिणियों के गठन से बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठन को और सक्रिय व प्रभावी बनाने की रणनीति मानी जा रही है।

भाजपा ने घोषित किए बचे 14 जिलाध्यक्ष

- अयोध्या जिलाध्यक्ष बने राधेश्याम त्यागी, महानगर की कमान कमलेश श्रीवास्तव को

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को संगठन पर्व के तहत बचे हुए 14 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी। इसके साथ ही प्रदेश में सभी जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा की प्रक्रिया पूरी हो गई है। लंबे समय से अपने खास को जिलाध्यक्ष बनाने की पेशबंदी में घोषणा अटकी हुई थी। प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि संगठनात्मक ढांचा अब पूरी तरह तैयार हो गया है, जिससे आगामी चुनावी रणनीति को और धार मिलेगी। घोषित जिलाध्यक्षों में शामली से रामजी लाल कश्यप, अमरोहा से उदय गिरी गोस्वामी, सहारनपुर जिला से अजीत सिंह राणा, बागपत से नीरज शर्मा, पीलीभीत से गोकुल प्रसाद मौर्य, लखीमपुर से अरविंद गुप्ता, गोंडा से इकबाल बहादुर तिवारी, अयोध्या जिला से राधेश्याम त्यागी, अयोध्या महानगर से कमलेश श्रीवास्तव, मिर्जापुर से लाल बहादुर सरोज और सिद्धार्थनगर से दीपक मौर्य को कमान सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं में समन्वय बनाना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

आरआईडीएफ परियोजनाओं में तेजी लाएं

- नाबार्ड को प्रतिपूर्ति दावे व पीसीआर समय से भेजने के निर्देश
- पीवाईजी व स्लो मूविंग प्रोजेक्ट्स पर विशेष निगरानी के आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः ग्रामीण अवसंरचना विकास को गति देने के लिए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आरआईडीएफ (ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि) से वित्त पोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यदायी विभाग नाबार्ड को प्रतिपूर्ति दावे, परियोजना स्वीकृति और परियोजना पूर्णता प्रमाणपत्र (पीसीआर) तय समयसीमा में अनिवार्य रूप से भेजें।

वित्तीय वर्ष 2025-26 से संबंधित हाई पावर कमेटी की चतुर्थ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि दस्तावेजों में देरी से ऋण संवितरण और परियोजनाओं की गति प्रभावित होती है। उन्होंने नाबार्ड और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में पीवाईजी व स्लो मूविंग प्रोजेक्ट्स की अलग से समीक्षा हुई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं का विस्तृत ब्योरा तत्काल नाबार्ड को भेजा जाए, ताकि अड़चनों की पहचान कर उन्हें दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल स्वीकृति नहीं, बल्कि समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करना है।

मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि सभी कार्यदायी विभाग अपनी परियोजनाओं की क्वार्टली प्रोगेस रिपोर्ट नियमित रूप से नाबार्ड को प्रेषित करें, जिससे परियोजनाओं की रीयल-टाइम निगरानी संभव हो सके और किसी भी स्तर पर विलंब को तुरंत पकड़ा जा सके।

इससे पूर्व नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार ने अवगत कराया कि चालू वित्तीय वर्ष में ग्रामीण अवसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए 3000 करोड़ रुपये के ऋण संवितरण का लक्ष्य रखा गया है।

ऑटो से चोरी करने वाला चालक गिरफ्तार

अमृत विचार,लखनऊः बंद मकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले ऑटो चालक को मड़ियांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो अपचारी को भी पकड़ा है। आरोपियों के पास से करीब चार लाख के जेवर, दस मोबाइल, 18,240 रुपये व चोरी में प्रयुक्त ऑटो बरामद हुआ है। पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा किया है। एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रूणवाल ने बताया कि 12 फरवरी को द्वारिकापुरी कॉलोनी में शिवम मिश्रा और 18 फरवरी को एक अन्य घर में चोरी हुई थी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक ऑटो कैद हुआ था।

खेतीबाड़ी — होली पर मिलेगा कृषि यंत्रों पर अनुदान का तोहफा, 4 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन

किसानों के जीवन में खुशहाली का रंग भरेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः होली के पर्व पर किसानों की आय और खेती की क्षमता बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने जा रही है। इसके लिए बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो 4 मार्च तक चलेगी। इच्छुक किसान कृषि विभाग की वेबसाइट www.agridarshan.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कृषि विभाग के अनुसार यह पहल किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर खेती को लाभकारी, समयबद्ध और कम लागत वाली बनाने की दिशा में अहम कदम है। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कृषि ड्रोन, विभिन्न एकल कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए विशेष कृषि यंत्र और प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू योजना के तहत भी आवेदन किए जा सकते हैं। साथ ही त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बैच ड्रायर और मेज सेलर के लिए भी किसान आवेदन कर सकेंगे।

कृषि यंत्रों की बुकिंग पूरी तरह ऑनलाइन होगी। किसान वेबसाइट पर किसान कॉर्नर के अंतर्गत यंत्र बुकिंग प्रारंभ विकल्प पर क्लिक कर आवेदन कर सकते हैं। बुकिंग टोकन कन्फर्म होने के बाद किसान को 10 दिन के भीतर कृषि यंत्र खरीद कर उसकी रसीद और फोटो पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। सरकार के प्रयासों का असर जमीन पर दिख रहा है। वर्ष 2017-18 से 2025 के बीच प्रदेश में लगभग तीन लाख कृषि यंत्रों का वितरण किया गया है। इसमें 2.31 लाख एकल कृषि यंत्र, 8405 कस्टम हायरिंग सेंटर और 7351 फार्म मशीनरी बैंक शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी तक 7777 कृषि यंत्र, 51 कस्टम हायरिंग सेंटर और 64 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने से संबंधित बिल पोर्टल पर अपलोड हो चुके हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ-2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

04088/04087 नई दिल्ली - पटना जं. - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04088 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04087 आगमन	प्रस्थान
---	14:30	नई दिल्ली	09:10	---
10:45	---	पटना जं.	---	12:05

चलने के दिनः 04088 नई दिल्ली से दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **04087 पटना जं.** से दिनांक 28.02.2026 से 04.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः 3 टियर वाता,, शयनयान एवं सामान्य
ठहरावः टूण्डला जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदारनगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर, आरा एवं दानापुर स्टेशन।

04056/04055 आनन्द विहार(टर्मि.)-बलिया-आनन्द विहार(टर्मि.) विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04056 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04055 आगमन	प्रस्थान
---	18:05	आनन्द विहार(टर्मि.)	06:35	---
10:10	---	बलिया	---	14:00

चलने के दिनः 04056 आनन्द विहार(टर्मि.) से दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 (बुधवार) तक। और **04055 बलिया** से दिनांक 05.03.2026 से 26.03.2026 (गुरुवार) तक।
स्थानः प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान
ठहरावः कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., जौनपुर एवं गाजीपुर सिटी स्टेशन।

04664/04663 अमृतसर-पटना जं.-अमृतसर आरक्षित विशेष रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04664 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04663 आगमन	प्रस्थान
---	09:45	अमृतसर	20:00	---
02:35	02:45	लखनऊ	03:45	03:55
13:30	---	पटना जं.	---	16:00

चलने के दिनः 04664 अमृतसर से दिनांक 27.02.2026, 02.03.26 एवं 05.03.26 को। और **04663 पटना जं.** से दिनांक 28.02.2026, 03.03.2026 एवं 06.03.2026 को।
स्थानः प्रथम वाता., 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः ब्यास, जलंधर सिटी, ढंडारी कलां, सरहिंद जं., अंबाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, रूड़की, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, हरदोई, सुल्तानपुर जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।

04026/04025 आनन्द विहार(टर्मि.)-गोरखपुर-आनन्द विहार(टर्मि.) विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04026 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04025 आगमन	प्रस्थान
---	21:05	आनन्द विहार(टर्मि.)	06:20	---
12:00	---	गोरखपुर	---	14:00

चलने के दिनः 04026 आनन्द विहार(टर्मि.) से दिनांक 27.02.2026 से 02.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **04025 गोरखपुर** से दिनांक 28.02.2026 से 03.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।
ठहरावः गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., ऐशबाग, गोंडा जं. एवं बस्ती स्टेशन।

01302 हज़रत निज़ामुद्दीन-कलबुरगि विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 01302 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
---	11:10	हज़रत निज़ामुद्दीन
08:30	---	कलबुरगि

चलने के दिनः 01302 हज़रत निज़ामुद्दीन से दिनांक 01.03.2026 को
स्थानः 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः कोसी कलाँ, मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा, अकोला जं., वाशिम, हिंगोली डेक्कन, बासमत, पूर्णा जं., परभणी जं., परली वैजनाथ, लातूर रोड और बीदर स्टेशन।

02569/02570 दरभंगा-नई दिल्ली-दरभंगा विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 61 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02569 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02570 आगमन	प्रस्थान
---	06:30	दरभंगा	10:00	---
04:00	---	नई दिल्ली	---	12:15

चलने के दिनः 02569 दरभंगा से दिनांक 01.03.2026 से 30.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **02570 नई दिल्ली** से दिनांक 01.03.26 से 31.03.26 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान।
ठहरावः समस्तीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., छपरा, सीवान जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती, ऐशबाग एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

05017/05018 मऊ जं.-वलसाड-मऊ जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05017 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05018 आगमन	प्रस्थान
---	03:45	मऊ जं.	00:45	---
11:25	11:27	बाराबंकी	17:30	17:32
12:35	---	वलसाड	---	15:10

चलने के दिनः 05017 मऊ जं. से दिनांक 28.02.2026 एवं 07.03.2026 को (शनिवार) और **05018 वलसाड** से दिनांक 01.03.2026 एवं 08.03.2026 को (रविवार)।
स्थानः 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः बेलथरा रोड, सलेमपुर जं., भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा जं., बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, टूण्डला जं., ईदगाह आगरा जं., बयाना जं., गंगापुर सिटी, कोटा जं., रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं. और सूरत स्टेशन।

05064/05063 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर-गोमतीनगर एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 09 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05064 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05063 आगमन	प्रस्थान
---	18:55	गोमतीनगर	20:00	---
05:25	05:30	जौनपुर	09:40	09:50
03:30	---	मालतीपाटपुर	---	11:15

चलने के दिनः 05064 गोमतीनगर से दिनांक 05.03.26 से 26.03.2026 तक (गुरुवार) और **05063 मालतीपाटपुर** से दिनांक 28.02.26 से 28.03.26 तक (शनिवार)।
स्थानः 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः गोण्डा जं., बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, मऊ जं., औंड़िहार जं., वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, गया जंक्शन, कोडरमा जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो, भोजुडीह जंक्शन, आद्रा जंक्शन, बांकुड़ा, बिष्णुपुर, मेदिनीपुर, हिजली, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड, कटक, भुवनेश्वर और खोरधा रोड जं. स्टेशन।

05140/05139 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट-प्रयागराज रामबाग विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 20 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05140 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 05139 आगमन	प्रस्थान
---	18:05	प्रयागराज रामबाग	19:30	---
05:35	---	अयोध्या कैंट	---	08:35

चलने के दिनः 05140 प्रयागराज रामबाग से दिनांक 01.03.2026 से 10.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **05139 अयोध्या कैंट** से दिनांक 02.03.2026 से 11.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहरावः ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी सिटी, सारनाथ, औंड़िहार जंक्शन, दुल्लहपुर, मऊ जंक्शन, बेल्थरा रोड, सलेमपुर जंक्शन, भटनी जंक्शन, देवरिया सदर, चौरी चौरा, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर जंक्शन, कटरा और अयोध्या धाम जं. स्टेशन।

09639/09640 मदार जं.-रोहतक जं.-मदार जं. अनारक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 62 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09639 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09640 आगमन	प्रस्थान
---	04:30	मदार जं.	22:35	---
12:50	---	रोहतक जं.	---	13:20

चलने के दिनः 09639 मदार जं. से और **09640 रोहतक जं.** से दिनांक 01.03.2026 से 31.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः सामान्य।
ठहरावः किशनगढ़, नरेना, फुलेरा जं., रेनवाल, बधाल, रिंगस जं., श्री माधोपुर, कांवट, भगेगा, नीम का थाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुण्ड, रेवाड़ी, गोकलगढ़, पाल्हावास, झज्जर और अस्थल बोहर स्टेशन।

02563/02564 बरौनी जं.-नई दिल्ली-बरौनी जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 61 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02563 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02564 आगमन	प्रस्थान
---	07:40	बरौनी जं.	15:10	---
05:10	---	नई दिल्ली	---	17:55

चलने के दिनः 02563 बरौनी जं. से दिनांक 01.03.2026 से 30.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **02564 नई दिल्ली** से दिनांक 01.03.26 से 31.03.26 तक (प्रतिदिन)।
स्थानः 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान।
ठहरावः मुजफ्फरपुर जं., छपरा, सीवान जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती, ऐशबाग एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा-हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मवेशी को बचाने में तालाब में गिरी फार्च्यूनर, कारोबारी की मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। गाज़ियाबाद के केबिल कारोबारी अपने दोस्त के बेटे की बारात में शामिल होने के बाद दोस्तों के साथ फार्च्यूनर कार से वापस लौट रहा था। उसी बीच शाहाबाद-पिहानी रोड पर सामने आए मवेशी को बचाने में बेकाबू हुई फार्च्यूनर तालाब में जा गिरी। पीछे से आ रहे बारातियों ने तालाब में पड़ी फार्च्यूनर कार के इंडीकेटर जलते देखे तो हादसे की जानकारी हुई। लोगों ने तत्काल सभी को बाहर निकाल कर सीएचसी शाहाबाद पहुंचाया। वहां से केबिल कारोबारी को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच कर रही है।

आनंद की फाइल फोटो।

लोनार थाने के बरवन निवासी 35 वर्षीय आनंद सिंह चौहान पुत्र उदय प्रताप सिंह चौहान तीन भाइयों और दो बहनों में छोटा था, गाज़ियाबाद के साहिबा बाद में केबिल का कारोबार करता था और पत्नी नंदिनी सिंह दोनों बच्चों के साथ गांव में है। मंगलवार को आनंद की 4 महीनें की बच्ची का अन्नप्राशन संस्कार था, साथ ही मंगलवार को दोस्त बृजेश सिंह के बेटे की बारात थी, उसी के चलते आनंद गांव आया हुआ था। मंगलवार को आनंद अपनी फार्च्यूनर कार से बारात के साथ मझिला थाने के ररी गांव गया हुआ था, उसके साथ गांव निवासी पवन सिंह, दौली निवासी सुनील और दिल्ली निवासी ड्राइवर मोहित था। रात में वह अपने साथियों के साथ वापस लौट रहा था, उसी बीच शाहाबाद-पिहानी रोड पर ररी गांव से कुछ दूर पहुंचते ही सामने से मवेशी आ गया, कार चला रहे आनंद ने उसे बचाने की कोशिश की, उसी बीच बेकाबू हुई फार्च्यूनर कार सड़क किनारे तालाब में जा गिरी, बारात में शामिल बाराती पीछे से पहुंचे। लोगों तुरंत उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाल कर सीएचसी शाहाबाद पहुंचाया, वहां से आनंद को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

वायरलेस सेट के काम नहीं करने पर भड़के आईजी रेलवे

उन्नाव, अमृत विचार। गुरुवार सुबह आईजी रेलवे ने उन्नाव जंक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान तकनीकी खामियों को लेकर उनका कड़ा रुख देखने को मिला। विशेषकर वायरलेस सेट के काम न करने पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। आईजी रेलवे सुबह 11 बजे जंक्शन पहुंचे। उन्होंने दौरे की शुरुआत हेल्थ यूनिट से की, जहां आरपीएफ व जीआरपी के जवानों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने सभी जवानों को पूरी निष्ठा के साथ कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प दिलाया। जब आईजी आरपीएफ थाने पहुंचे तो वहां रखे वायरलेस सेट की कार्यक्षमता जांचने के लिए उन्होंने स्टाफ को बुलाने का प्रयास किया। वायरलेस काम न करने पर जब उन्होंने कारण पूछा तो इंस्पेक्टर ने चार्जिंग न होने की बात कही। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य,** वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं. 1. ई–निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर नं.:** "51–जीकेपी–एमडब्ल्यूएस–2025–26" "सप्लाई एण्ड एप्लिकेशन ऑफ विनाइल ग्राफिक्स फिल्म ऑन द साइड पैनल एण्ड पेंटिंग ऑफ रुफ एण्ड इण्ड पैनल विद डीकेलिंग अलांग विद स्क्रैपिंग, क्लीनिंग एण्ड पेंटिंग ऑफ अन्डरफ्रेम ऑफ रैक 09 एण्ड 24 ऑफ वंदे भारत कोचेस इन मैकेनिकल वर्कशॉप गोरखपुर"। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹48,80,486.40; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹97,600/-; **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि:** 11:00 बजे, 18.03.2026 **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹ शून्य। **संविदा की अवधि:** 12 माह। उपरोक्त ई–निविदाओं का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखें।

उप मुख्य याँत्रिक इंजी०/कार्य
मुजाधि/यांत्रिक–144 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

जर्मन युवक संग हिंदू रीति-रिवाज से रचाई शादी

बाराबंकी, अमृत विचार : जनपद की बेटी रुलन वर्मा की विदेशी लड़के से शादी की चर्चा जोरों पर है। रेलवे में असिस्टेंट इंजीनियर राज कुमार वर्मा की पुत्री रुलन वर्मा उच्च शिक्षा के लिए विदेश गई थीं। फ्रांस से पीएचडी करने के बाद वह वर्तमान में ऑस्ट्रिया के वियाना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर व वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। इसी दौरान उनकी मुलाकात जर्मनी के एक युवक से हुई, जो दोस्ती से आगे बढ़कर प्रेम में बदल गई। विवाह के लिए दूल्हा अपने परिवार के 16 सदस्यों के साथ विशेष रूप से भारत पहुंचा। शहर के होटल रॉयल रिलाइट में आयोजित समारोह में हल्दी, मेहंदी और जयमाला सहित सभी रस्में पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुईं। भारतीय शेरवानी पहने विदेशी दूल्हा कार के सनरूफ से निकलकर भारतीय गीतों पर थिरकता नजर आया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। दुल्हन के चाचा आरसी पटेल ने इसे जनपद के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि जर्मनी से आए मेहमानों को भारतीय परिधान, खासकर साड़ियां और यहां का खान-पान बेहद पसंद आया।

जयमाला डालती रुलन वर्मा। अमृत विचार

लखनऊ से युवती को लाने वाला गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : नशे में युवती के मिलने के केस में पुलिस ने उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि युवक व युवती दो साल से एक ही जगह काम करने की वजह से संपर्क में थे। ग्राम ओझियापुर के पास एक युवती संदिग्ध हाल में सड़क किनारे मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को युवती नशे में मिली। उसे मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। उसी दिन थाने पहुंची लखीमपुर की मूल निवासी व पीड़िता की बहन ने आरोप लगाया कि लखनऊ में एक पेट्रोल पंप पर काम कर रही बहन को अंकित तिवारी लेकर आया था।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

पत्रांक संख्या–1453/न0प0प0ह0(नि0वि0) ई–निविदा / 2025–26 दिनांक– 26/02/26

अति अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, हरदोई द्वारा राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि योजना अन्तर्गत निम्न कार्य की ई–निविदा निर्धारित शर्तों / नियमों के आधीन आमंत्रित की जाती है, जिनका विवरण निम्नवत् है। निविदा की समस्त कार्यवाही https// etender.up.nic.in पर ही की जायेगी :–

टेंण्डर शेड्यूल

क्र0	नगर पालिका परिषद हरदोई/ ANM Stage	निविदादाता/ठेकेदार Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि एवं समय
1	**Tender Release**	-	27-02-2026, 11.00 AM	
2		Tender Download	27-02-2026, 11.00 AM	16-03-2026, 05.00 PM
3		Bid Submission	27-02-2026, 11.00 AM	16-03-2026, 05.00 PM
4	**Close of Bid**			16-03-2026, 05.00 PM
5	**Technical Bid Opening**			17-03-2026, 12.00 PM
6	**OnlineFinancial Bid Opening**		After Approval of Technical Bid & submit original documents as per following clause 13	

निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण नगर पालिका परिषद हरदोई की वेबसाइट www.npphardoi.co.in पर व जिले की www.hardoi.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रामेन्द्र सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदोई

(सुख सागर मिश्र ''मधुर'')
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदोई

International Ramayana and Vedic Research Institute Ayodhya, Department of Culture Uttar Pradesh, Tulsi Memorial Building, Ayodhya

Invites

NOTICE FOR INVITING TENDER

RFP for Supply of Printing of Table Panchang & Wall Calendar.

The tender document can be purchase from office of IRVRI as per below given time schedule:

RFP Ref. No.	235/25 Feb 2026
RFP Download Date	27/02/2026 by 10:00 AM
RFP last date of submission	09/03/2026 by 02:00 PM
RFP opening date	09/03/2026 by 03:00 PM
Tender Fee	1180/- to be submitted through NEFT/ RTGS Account No.: 30412408838 IFSC Code: SBIN0002510
Earnest Money	50,000/- to be submitted through NEFT/RTGS Account No.: 30412408838 IFSC Code: SBIN0002510
Estimate Cost	The indicative value of project cost is 10 Lacs with GST
Bid Validity	90 days
JV or Consortium	Not Allowed
Venue	Director International Ramayana and Vedic Research Institute, Department of Culture, Uttar Pradesh, Tulsi Memorialn Building, Ayodhya Uttar Pradesh 224123
Selection Criteria	LCS - Least Cost Selection (Contract is awarded to the bidder offering the least cost among the technically qualified bidders). The L-1, shall be declared as successful bidder.
Tender document may also be downloaded from the official website.	https://ayodhya.org.in/

Any RFP submitted after the deadline or without EMD will be rejected.

Director
International Ramayana and Vedic Research Institute
Department of Culture,
Uttar Pradesh, Tulsi Memorial Building,
Ayodhya Uttar Pradesh 224123
Email at: ayodhyaresearch1986@gmail.com

कार्यालय उपजिलाधिकारी लम्भुआ, सुलतानपुर।

पत्रांक 821/र0का0–मत्स्यपालन आवंटन/2025–26 दिनांक 22.02.2026

तहसील के तालाबों के आवंटन की विज्ञप्ति

उ0प्र0राजस्व संहिता 2006 की धारा 61 के अन्तर्गत 0.20हे0 से 2.00हे0 तक के तथा 2.00हे0 से बड़े तालाबों का आवंटन/नीलामी तहसील–लम्भुआ के सभागार में सुबह 11.00बजे से सायं 3.00बजे तक किया जायेगा। मत्स्य पालन के पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति समय से उपस्थित होकर आवंटन की कार्यवाही में भाग लेने का कष्ट करें। दस वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा दिये जाने के आवंटन/नीलामी की कार्यवाही हेतु तालाबों का विवरण, नीलाम अधिकारी तथा ग्राम निम्नासुार है।

नीलामी स्थलः– तहसील–लम्भुआ के सभागार में सुबह 11.00बजे से सायं 1.00बजे तक

नीलामी अधिकारीः– तहसीलदार/नायब तहसीलदार लम्भुआ, जनपद सुलतानपुर।

आरक्षित बोली की धनराशिः– (0.20 हे0 से 2.00हे0 तक 5000/– एवं 2.00हे0 से बड़े तालाबों का रू0 10000/–प्रति हे0)।

तालाबों का विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0	ग्राम का नाम	तालाब/पोखरों का विवरण		आरक्षित बोली की धनराशि (प्रति हे0 रू0में)	नीलामी की तिथि	नीलामी स्थल	नीलाम अधिकारी
		गाटा नं0	क्षेत्रफल (हे0में)				
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रामगढ	306	1.385	6925	23.03.2026	तहसील सभागार	नायब तहसीलदार/तहसीलदार
2	रामगढ	835ग	1.062	5310	''	''	''
3	शेषनपुर	636	1.141	5705	''	''	''
4	दबरखा	23क	1.282	6410	''	''	''
5	ओझापुर	745	0.949	4745	''	''	''
6	पतीपुर	177	1.278	6390	''	''	''
7	अमारी	6क	1.068	5340	''	''	''
8	भीखनपुर	197ख	0.569	2845	''	''	''
9	असवा	81	0.739	3695	''	''	''
10	असवा	104	0.986	4930	''	''	''
11	बेलसौना	194	1.457	7285	''	''	''
12	बेलसौना	477	0.241	1205	''	''	''
13	भरसारे	163ख	1.43	7150	''	''	''
14	सुल्तानपुर बेरो	38	1.556	7780	''	''	''
15	सुल्तानपुर बेरो	60	1.126	5630	''	''	''
16	पलिया	287	1.977	9885	''	''	''
17	पलिया	453	1.757	8785	''	''	''
18	पीथीपुर	131ख	1.736	8680	''	''	''
19	पीथीपुर	340	0.544	2720	''	''	''
20	बंसतपुर	135	0.885	4425	''	''	''
21	बंसतपुर	331	1.139	5695	''	''	''
22	सेमरी पुरूषोतमपुर	1711स	1.442	7210	''	''	''
23	लहिया जलपापुर	839	0.759	3795	''	''	''
24	सेमरीकलां	166	1.116	5580	''	''	''
25	सेमरीकलां	357इ	1.455	7275	''	''	''
क्र0	ग्राम का नाम	तालाब/पोखरों का विवरण		आरक्षित बोली की धनराशि (प्रति हे0 रू0में)	नीलामी की तिथि	नीलामी स्थल	नीलाम अधिकारी
		गाटा नं0	क्षेत्रफल (हे0में)				
1	2	3	4	5	6	7	8
26	कुसेला	60ख	0.961	4805	23.03.2026	तहसील सभागार	नायब तहसीलदार/तहसीलदार
27	सरायजुझार	71मि	1.439	7195	''	''	''
28	सरायजुझार	80	1.906	9530	''	''	''
29	मलाकतुलापुर	369	0.727	3635	''	''	''
30	नेवादानूपुर	463	0.777	3885	''	''	''
31	मधुपुर	83	0.759	3795	''	''	''
32	पुरैना	287	0.714	3570	''	''	''
33	लोदीपुर	89	0.873	4365	''	''	''
34	लोदीपुर	110	1.764	8820	''	''	''
35	लोदीपुर	161	0.835	4175	''	''	''
36	उचाहरा	512	0.658	3290	''	''	''
37	रामपुर	44मि	1.027	6350	''	''	''
38	रामपुर	230	0.417	2085	''	''	''
39	रामपुर	474	0.502	2510	''	''	''
40	औसानपुर	526	0.544	2720	''	''	''
41	रघुनाथपुर	418	0.911	4555	''	''	''
42	गारवपुर	815	1.644	8220	''	''	''
43	गारवपुर	816	1.012	5060	''	''	''
44	गारवपुर	832	0.923	4615	''	''	''
45	गारवपुर	833	0.923	4615	''	''	''
46	गारवपुर	1008	1.397	6985	''	''	''
47	गारवपुर	1071	0.938	4690	''	''	''
48	ढेलहा	271ज	1.752	8760	''	''	''
49	सोनबरसा	57क	1.268	6340	''	''	''
50	मनोरथपुर	1	0.772	3860	''	''	''
51	दहेवगोपालपटटी	156	1.892	9460	''	''	''
52	जद्दुपुर	190ग	0.986	4930	''	''	''
53	खडुवान	126	0.943	4715	''	''	''
54	भरखरे	106ख	1.423	7115	''	''	''
55	भरखरे	604ख	0.822	4110	''	''	''
56	भरखरे	621ख	0.784	3920	''	''	''
57	हडहा	213	1.163	5815	''	''	''
58	रूदौली	349	0.215	1075	''	''	''
59	रामगढ	1285	1.252	6260	''	''	''
60	मानापुर	48	0.708	3540	''	''	''
61	कोंडर	165ड	2.972	29720	''	''	''
62	बैजीपुर	411	4.509	45090	''	''	''
63	गडहरा	8	1.138	5690	''	''	''
64	खसडे	101क	0.759	3795	''	''	''
65	खसडे	108	1.026	5130	''	''	''
क्र0	ग्राम का नाम	तालाब/पोखरों का विवरण		आरक्षित बोली की धनराशि (प्रति हे0 रू0में)	नीलामी की तिथि	नीलामी स्थल	नीलाम अधिकारी
		गाटा नं0	क्षेत्रफल (हे0में)				
1	2	3	4	5	6	7	8
66	खसडे	524	0.696	3480	24.03.2026	तहसील सभागार	नायब तहसीलदार/तहसीलदार
67	खसडे	856क	1.164	5820	''	''	''
68	बालमपुर	53ख	1.29	6450	''	''	''
69	बालमपुर	1319	1.379	6895	''	''	''
70	बालमपुर	1933ग	1.272	6360	''	''	''
71	कल्याणपट्टी	226	0.848	4240	''	''	''
72	कल्याणपट्टी	433	0.885	4425	''	''	''
73	होलपुर	281क	0.873	4365	''	''	''
74	भौरी	27	0.685	3425	''	''	''
75	मुंकुन्दपुर	59क	1.088	5440	''	''	''
76	मुंकुन्दपुर	319	1.05	5250	''	''	''
77	करनपुर	312	0.638	3190	''	''	''
78	शिवगढ	251	0.253	1265	''	''	''
79	शिवगढ	159	0.847	4235	''	''	''
80	प्रतापपुर कमैचा	808	1.075	5375	''	''	''
81	दबरपुर	3	1.708	8540	''	''	''
82	दबरपुर	320	0.986	4930	''	''	''
83	रामनगर	348ख	1.771	8850	''	''	''
84	आनापुर नारायणगंज	706	1.015	5075	''	''	''
85	पकडी खुर्द	405	1.442	7210	''	''	''
86	कोथरा खुर्द	286	1.543	7765	''	''	''
87	कोथरा खुर्द	448	1.657	8285	''	''	''
88	कोथरा खुर्द	487	1.113	5565	''	''	''
89	कोथरा कला	318इ	0.904	4520	''	''	''
90	धूरीपुर	614ख	1.808	9040	''	''	''
91	गडमा कोइरीपुर	185ख	1.24	6200	''	''	''
92	अरजो	129	1.584	7920	''	''	''
93	अरजो	299	1.503	7510	''	''	''
94	ईशीपुर	173ग	1.791	8955	''	''	''
95	मानापुर	75	1.113	5565	''	''	''
96	पुनीभीमपट्टी	280ख	1.467	7335	''	''	''
97	राजेपुर	5	0.993	4965	''	''	''
98	राजेपुर	72ख	1.638	8190	''	''	''
99	खानपुर	329	0.901	4505	''	''	''
100	खानपुर	330	0.544	2720	''	''	''
101	जुडारा	1	0.468	2340	''	''	''
102	हरीनाथपुर	95मि	0.891	4455	''	''	''
103	जगन्नाथपुर	51	0.658	3290	''	''	''
104	आनापुर भीखीपुर	324क	0.658	3290	''	''	''
105	सुल्तानपुर	140	0.202	1010	''	''	''
106	राजा उमरी	13ख	1.245	6225	24.03.2026	तहसील सभागार	नायब तहसीलदार/तहसीलदार
107	राजा उमरी	484ख	0.481	2405	''	''	''
108	खुनशेषपुर	908	0.838	4190	''	''	''
109	रामपुर	436	1.077	5385	''	''	''
110	रामपुर कुर्मियान	621	1.182	5910	''	''	''
111	तैरये	661मि	0.306	1530	''	''	''
112	तैरये	760	0.360	1800	''	''	''
113	तैरये	164घ	0.253	1265	''	''	''
114	सूर्यभानपट्टी	110घ	1.012	5060	''	''	''
115	माधौपुर	64	0.443	2215	''	''	''
116	माधौपुर	66मि	1.518	7590	''	''	''
117	जहानियापुर	3	1.278	6390	''	''	''
118	अर्जुनपुर	695	0.835	4175	''	''	''
119	ढेलहा	489	0.911	4555	''	''	''
120	खडुआन	68	0.417	2085	''	''	''
121	चाचपारा	34	1.404	7020	''	''	''
122	मुकुंदपुर	157	1.632	8160	''	''	''
123	तैरये	670मि	0.430	2150	''	''	''
124	जगदीशपुर	1210	1.575	7875	''	''	''
125	आरौपहाडपुर	73	0.354	1770	''	''	''
126	आरौपहाडपुर	74	0.670	3350	''	''	''
127	पुरेबाघराय	280ग	0.809	4045	''	''	''
128	गौरा	576	1.565	7825	''	''	''
129	बालमपुर	1531ग	4.299	42990	''	''	''
130	महेसुआ	1371ख	0.771	3855	''	''	''
131	भीखनपुर	439	0.544	2720	''	''	''
132	बेलसौना	454	0.556	2780	''	''	''
133	अभियाकला	756	1.088	5440	''	''	''
134	अभियाकला	289	1.107	5535	''	''	''
135	दाऊदपटटी	133	1.212	6060	''	''	''
136	रामपुर कुर्मियान	457मि	1.25	6250	''	''	''
137	भरखरी	44	1.442	7210	''	''	''
138	भरखरी	168	0.202	1010	''	''	''
139	बैनी	406	0.423	2115	''	''	''
140	चौकिया	239ख	1.821	9105	''	''	''
141	देवरी	354मी	0.822	4110	''	''	''
142	सोनावा	1829	0.688	3440	''	''	''
143	डडारी	188	0.360	1800	''	''	''
144	लच्छाचक	125	0.329	1645	''	''	''
145	जखनीकला	74	0.405	2025	''	''	''
क्र0	ग्राम का नाम	तालाब/पोखरों का विवरण		आरक्षित बोली की धनराशि (प्रति हे0 रू0में)	नीलामी की तिथि	नीलामी स्थल	नीलाम अधिकारी
		गाटा नं0	क्षेत्रफल (हे0में)				
1	2	3	4	5	6	7	8
146	जखनीकला	251	1.088	5440	25.03.2026	तहसील सभागार	नायब तहसीलदार/तहसीलदार
147	समहुताकला	208खमी	1.076	5380	''	''	''
148	अशरफपुर	74	1.505	7525	''	''	''
149	श्रीपुर	141	0.246	1230	''	''	''
150	श्रीपुर	140	0.352	1760	''	''	''
151	श्रीपुर	159	0.336	1680	''	''	''
152	श्रीपुर	252	0.215	1075	''	''	''
153	शिवगढ	251	0.253	1265	''	''	''
154	सरायकल्याण	119	0.506	2530	''	''	''
155	केशा पटटी	34	0.379	1895	''	''	''
156	सौराई	587	0.240	1200	''	''	''
157	सौराई	361	1.176	5880	''	''	''
158	सौराई	430	0.228	1140	''	''	''
159	मठा	5	0.224	1120	''	''	''
160	राजापुर भादी	39	0.961	4805	''	''	''
161	बेलौना पश्चिम	108	1.189	5945	''	''	''
162	घूरीपुर	626ख	0423	2115	''	''	''
163	बोखारेपुर	356मि	4.553	45530	''	''	''
164	संसारीपुर	680	2.636	26360	''	''	''
165	तिवारीपुर	1	2.305	23050	''	''	''
166	पियारेपुर	15ख	2.399	23990	''	''	''
167	रामगढ(मिरानपुर)	737	2.269	22690	''	''	''
168	खरगीपुर	475	2.213	22130	''	''	''
169	शिवगढ	1469	3.288	32880	''	''	''
170	बालमपुर	1467ज	10.688	106880	''	''	''
171	खसडे	794	2.38	23800	''	''	''
172	ढेलहा	292	2.681	26810	''	''	''
173	सुलतानपुर	51	2.175	21750	''	''	''
174	कैथापुर	476	3.364	33640	''	''	''
175	गारवपुर	1झ	4.283	42830	''	''	''
176	गारवपुर	813	4.641	46410	''	''	''
177	गारवपुर	850	5.336	53360	''	''	''
178	नारायणपुर	472	7.723	77230	''	''	''
179	नारायणपुर	514	3.224	32240	''	''	''
180	पनियर बैश्यपुर	107ग	2.58	25800	''	''	''
181	परसीपुर	254	6.605	66050	''	''	''
182	कंधईपुर	659	2.592	25920	''	''	''
183	भरसारे	56	6.007	60070	''	''	''
184	रतनपुर	94	2.311	23110	''	''	''

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले की पात्रता एव शर्तें

1. संबंधित ग्राम पंचायत में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
2. ग्राम पंचायत में निवास करने वाला गरीबी रेखा से नीचे का अनुसूचित जाति/जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा सामान्य श्रेणी का व्यक्ति।
3. संबंधित न्याय पंचायत क्षेत्र में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
4. संबंधित विकास खण्ड में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
5. उपरोक्त किसी भी पूर्ववर्ती खण्ड में उल्लिखित व्यक्ति पश्चातवर्ती खण्डों में उल्लिखित व्यक्तियों को अपवर्जित करते हुए ऐसे तालाबों का आवंटन पाने के हकदार होगे।
6. स्पष्टीकरणः– इस नियम और नियम 58 के उद्देश्य के लिए मछुआ समुदाय के व्यक्ति का अर्थ होगा–केवट, मल्लाह, निषाद, विन्द, धीमर, कश्यप, बाथम, रैकवार, मांझी, गोड़िया, कहार, तुरैया अथवा तुराहर समुदाय से संबंधित ऐसा व्यक्ति अथवा अन्य कोई व्यक्ति जो परम्परागत रूप से मत्स्य पालन व्यवसाय में लगा हो।
7. यदि उप नियम–4 के अन्तर्गत तैयार की गयी पात्रता सूची में पात्र व्यक्ति एक से अधिक है, तब मौके पर ही नीलामी करायी जायेगी, जिसमें केवल पात्रता सूची में उल्लिखित व्यक्ति प्रतिभाग कर सकेगे। यदि उपरोक्त पट्टा केवल एक व्यक्ति पात्र है, तो पट्टा राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर नियत वार्षिक मानक की धनराशि प्रति एकड़ 1000/– से कम और 2000/: से अधिक नहीं होगी, पर दिया जायेगा।
8. उ0प्र0राजस्व संहिता की धारा 189 व 190 के उपबन्ध प्रत्येक नीलामी पर लागू होगे।
9. नीलामी में भाग लेने के लिए मानक की धनराशि का 10 प्रतिशत नीलामी के समय जमा होगे।
10. नीलामी/आवंटन सम्पन्न होने के पश्चात नीलाम ग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि, जो वार्षिक लगान के रूप में तय होगी उसे तुरन्त जमा करना होगा।
11. नीलाम स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उप जिलाधिकारी को है। अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अन्तिम होगा।
12. नीलामी के पूर्व नवीनतम आय,जाति एंव निवास प्रमाण पत्र (जो छःमाह के अन्दर का होगा) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा की दशा में नीलामी में भाग लेने नही दिया जायेगा
13. जिन तालाबो के गाटा संख्या का आवंटन हो चुका है अविध शेष है त्रुटिवश विज्ञापन हो गया हो तो ऐसे तालाबो की नीलामी नही की जायेगी।
14. प्रत्येक बोलीदाता को लगान का 10 प्रतिशत धरोहर राशि बोली से पूर्व जमा करना होगा अधिकतम बोलीदाता को छोडकर शेष की धनराशि वापस कर दी जायेगी।
15. 2.00 हे0 से बडे तालाबो/झीलो की नीलामी में भाग लेने हेतु मत्स्य जीवी सहकारी समिति जो मत्स्य विभाग द्वारा पंजीकृत हो वही समितियॉ पात्र होगी एंव समितियो को नीलामी में भाग लेने हेतु मत्स्य विभाग से संस्तुति पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा
16. मत्स्य पालन पट्टा के लगान का बकायेदार व्यक्ति किसी भी दशा में मत्स्य पालन पट्टा लेने हेतु बोली में शामिल नहीं किया जायेगा। राजस्व परिषद की बेवसाइट bor.up.nic.in पर शासनादेश उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी
लम्भुआ, सुलतानपुर।

UP-247026 दिनांक 25.02.2026

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

55 लाख की अफीम की फसल के साथ गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। जिले में अवैध अफीम की खेती पर पुलिस का लगातार एक्शन जारी है। एक सप्ताह के भीतर तीसरी बार अफीम की अवैध खेती पकड़े जाने से हड़कंप मचा है। गुरुवार को बखिरा थाना क्षेत्र के पौनी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया और करीब 55 लाख कीमत के अफीम के हरे पौधे, जड़, फल व फूल बरामद किए। सीओ मेंहदावल सर्वदवन सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर एसओ सतीश सिंह ने पुलिस टीम के साथ पौनी गांव में छापेमारी की। जहां एक व्यक्ति अपने मकान के पीछे सब्जियों की क्यारियों के बीच अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहा था। मौके से पौनी गांव निवासी अली हुसैन को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 33 किलोग्राम अफीम के हरे पौधे बरामद हुए।

नशीली दवा के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। क्षेत्र के सीमा अलीगढ़वा चाकर चौड़ा के ठकरापुर गांव के पास पुलिस एवं एसएसबी की गस्त के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। चेकिंग के दौरान उसके पास नशीली दवाएं मिली पुलिस ने थाने लाकर पूछताछ किया। पूछताछ में अपना नाम अब्दुर्रहमान (30) निवासी चाकर चौड़ा थाना कपिलवस्तु नेपाल बताया। यह जानकारी कोतवाली प्रभारी संतोष तिवारी ने दिया।

आपराधिक न्याय प्रणाली में विकास व सुधार की जरूरत

पत्नी व तीन बच्चों की हत्या के आरोप में 23 वर्ष से जेल में बंद पति को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में किया बरी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के आरोप में लगभग 23 वर्ष जेल में बिताने वाले एक व्यक्ति को साक्ष्यों के अभाव में बरी करते हुए कहा कि अभियोजन आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में विफल रहा है। कोर्ट ने आपराधिक न्याय प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल सम्मेलन और बैठकों से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि जजों की संख्या, सहायक स्टाफ और आधारभूत ढांचे में वास्तविक वृद्धि आवश्यक है। कोर्ट ने माना कि यह प्रकरण आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली पर दुखद टिप्पणी है और इसमें व्यापक आत्ममंथन तथा ठोस सुधारात्मक कदम समय की मांग हैं।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने रईस की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए पारित किया। प्राथमिकी में अभियुक्त के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302 के तहत पुलिस स्टेशन भोजपुर, मुरादाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले के अनुसार 29-30 अगस्त 2003 की रात घरेलू विवाद के बाद आरोपी रईस ने कथित रूप से अपनी पत्नी और तीन बच्चों की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। मृतिका के मामा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ और ट्रायल कोर्ट ने चारों हत्याओं के लिए आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस निर्णय के विरुद्ध हाईकोर्ट में वर्तमान अपील दाखिल की थी। कोर्ट ने अभियोजन के साक्ष्यों की गहन जांच करते हुए एकमात्र कथित प्रत्यक्षदर्शी, आरोपी के उस समय के पांच वर्षीय पुत्र अजीम की गवाही को अविश्वसनीय पाया। जिरह के दौरान बाल गवाह ने स्वीकार किया कि उसने सूचना देने वाले व्यक्ति और एक सरकारी वकील के कहने पर बयान दिया था तथा ऐसा न करने पर घर से निकाल देने की धमकी दी गई थी। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि अपराध जघन्य अवश्य है, किंतु उपलब्ध साक्ष्य यह सिद्ध नहीं करते कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया। संदेह का लाभ देते हुए उसे बरी कर तत्काल रिहाई का आदेश दिया गया। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपी की वास्तविक पीड़ा अब शुरू होगी। संभव है उसके माता-पिता और भाई-बहन जीवित न हों। पत्नी और तीन बच्चे पहले ही मर चुके हैं और यह भी अनिश्चित है कि अब लगभग 25-26 वर्ष का उसका जीवित पुत्र उसे स्वीकार करेगा या नहीं।

सोशल मीडिया पर न्यायपालिका के खिलाफ गाली-गलौज बर्दाश्त नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर न्यायपालिका के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियों पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर न्यायपालिका या न्यायाधीशों के खिलाफ गाली-गलौज, अपमानजनक भाषा या व्यक्तिगत हमले करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत सुरक्षित नहीं माना जाएगा। किसी न्यायालय के फैसले की तार्किक, शालीन और तथ्यपरक आलोचना करना वैध है, लेकिन अशोभनीय शब्दों, आरोपों या अपमानजनक टिप्पणियों का प्रयोग करना निष्पक्ष आलोचना नहीं, बल्कि न्यायालय की अवमानना है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर ऐसे मामलों में अवमानना अधिकारिता के तहत संज्ञान लिया गया तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने बस्ती जिला न्यायालय के अधिवक्ता हरि नारायण पांडेय के आचरण से संबंधित अवमानना न्यायालय अधिनियम, 1971 की धारा 15 के तहत प्राप्त आपराधिक अवमानना संदर्भ पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले में कोर्ट ने अधिवक्ता द्वारा तत्काल और व्यक्त किए गए खेद को वास्तविक पश्चाताप मानते हुए स्वीकार कर लिया और अवमानना कार्यवाही समाप्त कर दी, साथ ही भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी भी दी।

त्योहार पर अवैध पशु वध के तीन आरोपियों की एनएसए के तहत हिरासत बरकरार

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नवरात्रि और ईद के अवसर पर कथित अवैध पशु वध के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 के तहत तीन व्यक्तियों की हिरासत को वैध ठहराते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह घटना मात्र कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटना थी। कोर्ट ने माना कि प्रमुख धार्मिक त्योहारों के संगम के समय किया गया ऐसा कृत्य सामुदायिक जीवन की सामान्य गति को बाधित करता है और इसके परिणाम किसी साधारण आपराधिक घटना से कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह-प्रथम की खंडपीठ ने हसनेन सहित सभी संबंधित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं खारिज करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार 31 मार्च 2025 को आठ आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गोहत्या निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत पुलिस स्टेशन कोतवाली कालपी, जालौन में मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियोजन के अनुसार मौके से लगभग तीन क्विंटल गोमांस, पशुओं के अवशेष और हथियार बरामद हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव फैलने की आशंका जताई गई थी।

केवल अधियाचन से अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अधिकार नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों (इंटर कॉलेज एवं हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों) में प्रधानाचार्य और हेडमास्टर पदों की भर्ती को लेकर दाखिल अनेक याचिकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि पूर्व चयन बोर्ड के अधीन भेजे गए मात्र अधियाचन (रिक्विज़िशन) से अभ्यर्थियों को नियुक्ति का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होता। यदि चयन प्रक्रिया प्रारंभिक स्तर से आगे नहीं बढ़ी है, तो भर्ती नई अधिनियम व्यवस्था के अनुसार ही की जाएगी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने राजकुमार सिंह और 9 अन्य की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2019-20 और 2021-22 की भर्ती प्रक्रिया के तहत सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 884 प्रधानाचार्य (इंटर कॉलेज स्तर) और 729 हेडमास्टर (हाईस्कूल स्तर) के पद भरे जाने थे। इसके लिए पूर्व में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेजे गए थे, लेकिन विज्ञापन जारी नहीं हुआ और चयन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। बाद में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम, 2023 लागू होने पर 9 दिसंबर 2024 के आदेश से पुराने अधियाचन को निरस्त कर नई प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया।

हाईकोर्ट को पुनः बयान दर्ज करने का स्वचालित अधिकार प्राप्त नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज बयान को दोबारा दर्ज करने के संबंध में स्पष्ट किया कि धारा 183 के तहत दर्ज बयान सामान्यतः केवल एक बार ही रिकॉर्ड किया जाता है और उसका पुनः अभिलेखन केवल असाधारण परिस्थितियों में ही न्यायालय के विशेषाधिकार क्षेत्र के प्रयोग से संभव है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मात्र यह आरोप कि बयान सही प्रकार से दर्ज नहीं हुआ, पुनः बयान दर्ज कराने का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने कीर्ति वर्मा की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची ने आजमगढ़ के रानीसराय थाने में दर्ज मुकदमे में याचिका दाखिल कर मजिस्ट्रेट के समक्ष बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज अपने बयान को पुनः रिकॉर्ड कराने का निर्देश देने की मांग की। उनका कहना था कि मजिस्ट्रेट ने उनका बयान सही प्रकार से दर्ज नहीं किया और धारा 183 के अनिवार्य प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है। बता दें कि 13 जनवरी 2026 के आदेश में अपर सत्र न्यायाधीश ने कहा था कि बीएनएसएस की धारा 183 के तहत बयान सामान्यतः एक ही बार दर्ज होता है और उसका पुनः अभिलेखन केवल हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ही संभव है। याची ने कोर्ट में स्वयं उपस्थित होकर बताया कि उनका बयान सही ढंग से दर्ज नहीं किया गया और उसे पढ़कर सुनाया भी नहीं गया, जिससे धारा 183 की प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है।

महिला बीडीओ, पंचायत सचिव व भाजपा नेता पर केस दर्ज

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

जिला मुख्यालय स्थित विकास भवन पर प्रदर्शन करते ब्लॉक के कर्मचारी।

अमृत विचार। पौली ब्लॉक की महिला बीडीओ श्वेता वर्मा और भाजपा के पौली मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह के बीच उपजे विवाद से जिले की राजनीति गरमा गई है। बीडीओ और भाजपा नेता ने एक-दूसरे पर आरोप -प्रत्यारोप मढ़ा। वहीं, पुलिस ने गुरुवार को दोनों की तहरीर पर बीडीओ-सचिव और भाजपा मंडल अध्यक्ष पौली पर मुकदमा दर्ज किया।उधर, कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी सचिव की तहरीर पर केस दर्ज नहीं किए जाने से नाराज होकर सभी नौ ब्लॉकों और विकास भवन में कामकाज ठप करा कर प्रदर्शन किया।

पौली बीडीओ श्वेता वर्मा का आरोप है कि वह 24 फरवरी 2026 को ब्लॉक मुख्यालय पर एसआईआर का कार्य अपने चैंबर में कर रही थी। उसके बाद वह सहायक विकास अधिकारी कार्यालय पहुंची। उसी दिन अमौली के रहने वाले अरविंद सिंह के जरिए राशन कार्ड से संबंधित एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। उन्होने रिपोर्ट लगाने के लिए ग्राम पंचायत सचिव से कहा। आरोप है कि इतना सुनते ही अरविंद सिंह उग्र हो गए और कहने लगे कि अभी हस्ताक्षर करके दीजिए, नहीं तो मैं आप को जाने नहीं दूंगा। जबकि सचिव के जरिए हस्ताक्षर करके दे दिया गया। राशन कार्ड पर हस्ताक्षर करने के बाद भी अरविंद सिंह के जरिए सहायक विकास अधिकारी चैंबर में ही गाली गलौज करने लगे और अर्द्धनग्न हो गए। अरविंद सिंह के इस कृत्य से महिला बीडीओ काफी व्यथित है। इतना ही नहीं एसआईआर कार्य में बाधा डाल कर कार्य को प्रभावित करने का प्रयास किए तथा जान से मारने की धमकी दिए। उसे अपमानित और सरेआम बेइज्जत किया गया। बीडीओ की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा नेता अरविंद सिंह के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली गलौज, जानमाल की धमकी देने और अश्लील हरकत करने के आरोप में केस दर्ज किया।

जबकि अमौली निवासी एवं पौली भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह का आरोप है कि वह अपने परिवार का राशन कार्ड बनाने के लिए तीन माह पहले आन लाइन आवेदन किए थे। जिस पर रिपोर्ट लगाने के लिए तत्काल ही आवेदन पत्रत्र पंचायत सचिव रामाकांत को दिए। आरोप है कि पंचायत सचिव ने रिपोर्ट लगाने के एवज में घूस मांगी, घूस न देने पर सचिव ने आज तक रिपोर्ट नहीं लगाई।

- **बीडीओ पौली व भाजपा नेता ने एक-दूसरे पर लगाया आरोप**

> बीडीओ और भाजपा नेता विवाद प्रकरण में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना से जो तथ्य सामने आएंगे, आगे वैसी कार्रवाई पुलिस करेंगी। कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
>
> **-सुशील कुमार सिंह,** एएसपी

मुनादी कर गैंगस्टर के घर नोटिस चस्पा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट मामले में फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया शुरु कर दिया है। गुरुवार को पुलिस ने मुनादी के साथ उद्घोषणा तामील की कार्रवाई पूरी की। कोतवाल जय प्रकाश दूबे ने बताया कि वर्ष 2025 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट का आरोपी शराकत निवासी परदेसवा कोतवाली खलीलाबाद फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। कोर्ट के आदेशानुसार धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा तामील की कार्रवाई ग्राम परदेसवा में संपन्न की गई। गिरफ्तार के लिए लगातार दबिश भी दी जा रही है।

ढेकहरी बुजुर्ग चौराहे पर हाई मास्ट लाइट खराब

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत बढ़नी ब्लाक के ढेकहरी बुजुर्ग चौराहे पर विधायक निधि से स्थापित हाई मास्ट लाइट पिछले छह महीने से अधिक समय से खराब पड़ी है। यह सार्वजनिक सम्पत्ति अब निष्क्रिय है, जिससे ग्रामीणों को असुविधा हो रही है। इस हाई मास्ट लाइट का उद्देश्य चौराहे को रात में रोशन रखना था, लेकिन अब यह खुद अन्धेरे में डूबी है। ग्रामीणों के मुताबिक लाइट लगने के कुछ ही समय बाद खराब हो गई थी।

होली विशेष गाड़ी का हो रहा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 04025/04026 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 27 फरवरी से 02 मार्च तक प्रतिदिन तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 28 फरवरी से 03 मार्च तक प्रतिदिन 04 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 05 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे।

इसके अलावा 04055/04056 बलिया-आनन्द विहार टर्मिनल-बलिया होली विशेष गाड़ी का संचलन बलिया से 05 से 26 मार्च तक प्रत्येक गुरुवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 04 से 25 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को 04 फेरों के लिये विस्तारित किया गया है। यह गाड़ी पूर्व निर्धारित ठहराव, समय एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जायेगी। इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए 05140/05139 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट-प्रयागराज रामबाग वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन प्रयागराज रामबाग से 01 से 10 मार्च तक प्रतिदिन तथा अयोध्या कैंट से 02 से 11 मार्च तक प्रतिदिन 10 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस. एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे।

प्रायोगिक आधार पर 02 मिनट का ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 15909/15910 डिब्रुगढ़-लालगढ़-डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस का तत्काल प्रभाव से पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लंका स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। 15909 डिब्रुगढ़-लालगढ़ एक्सप्रेस लंका स्टेशन पर 17.50 बजे पहुंकर 17.52 बजे छूट रही है। 15910 लालगढ़-डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस तत्काल प्रभाव से लंका स्टेशन पर 03.36 बजे पहुंकर 03.38 बजे छूट रही है।

रेलवे ने कई प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली, अमृत विचार। भविष्य के लिए तैयार, ज्यादा क्षमता वाला रेल नेटवर्क बनाने की अपनी बदलाव लाने वाली कोशिश को जारी रखते हुए, इंडियन रेलवे ने नॉर्दर्न, सदर्न और ईस्टर्न रेलवे ज़ोन में कई स्ट्रेटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद कोचिंग मेंटेनेंस इकोसिस्टम को मॉडर्न बनाना, ज्यादा भीड़ वाले कॉरिडोर से भीड़ कम करना, ऑपरेशनल रुकावटों को खत्म करना और पैसेंजर और माल ढुलाई दोनों की क्षमता को काफी बढ़ाना है।

कुशीनगर में बेटियों ने अपने पिता के शव को कंधा देकर दी मुखाग्नि

कुशीनगर, अमृत विचार : पडरौना नगर में बसपा के पूर्व जिला सचिव एवं विधानसभा सचिव रहे स्व. शंभू रावत की अंतिम यात्रा में उनकी चारों बेटियों ने शव यात्रा में कंधा देकर मुखाग्नि दी। इस मार्मिक यात्रा को देख सबकी आंखे नम हो गई। पडरौना नगर के ओंकार वाटिका से उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार खिरकिया घाट पर हुआ। सरल स्वभाव और सामाजिक रूप से सक्रिय रहे शंभू रावत का कोई पुत्र नहीं था। लेकिन उनकी चारों बेटियों ने बेटे का फर्ज निभाते हुए अपने पिता को मुखाग्नि दी और अंतिम संस्कार की सभी जिम्मेदारियां पूरी कीं। उनकी पत्नी गीता देवी प्रोफेसर हैं, उन्होंने पूरे साहस के साथ परिवार को संभाला। बड़ी बेटी पूजा पीएचडी की तैयारी कर रही हैं। दूसरी बेटी सोनाली हाई कोर्ट में वकालत कर रही हैं। जबकि अन्य दोनों बेटियां भी पढ़ाई कर रही हैं।

पिता की अर्थी को कंधा देतीं बेटियां। अमृत विचार

भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित सेमिनार संपन्न

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बांसी में भारतीय ज्ञान प्रणाली का महत्व एवं आधुनिक शिक्षा में समावेशन विषयक शैक्षिक सेमीनार उमेश कुमार त्रिपाठी उपशिक्षा निदेशक प्राचार्य डायट के संरक्षण व लालजी कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ प्रवक्ता के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। शैक्षिक सेमीनार में मुख्य वक्ता डॉ. हंसराज, सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षक-शिक्षा विभाग, रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी, रहे। डॉ हंसराज ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की मूल परंपरा और उसके महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए बताया कि प्राचीन भारतीय शैक्षिक प्रणाली ज्ञानात्मक विकास के साथ साथ चरित्र निर्माण पर बल देती थी। हमारे प्राचीन विश्वविद्यालयों में विश्व के तमाम देशों के विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे तथा अपना समग्र विकास करते थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली के अंतर्गत चिकित्सा, योग दर्शन आदि पर प्रकाश डालने के साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा, बौद्ध दर्शन साहित्य और शिक्षा-संस्कार के मूल्यों पर विस्तृत चर्चा की।

आयोजन | एसपी ने फीता काट कर और गुब्बारा उड़ा कर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

अन्तरजनपदीय हैंडबाल कलस्टर प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता, संतकबीरनगर

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में गोरखपुर जोन की अन्तरजनपदीय हैंडबाल कलस्टर प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से हाथ मिलाते एसपी संदीप कुमार मीना।

अमृत विचार। एसपी संदीप कुमार मीना ने गुरुवार को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय गोरखपुर जोन की अन्तरजनपदीय हैंडबाल कलस्टर प्रतियोगिता का फीता काटकरऔर गुब्बारे उड़ाकर शुभारंभ किया। एसपी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बास्केटबाल (पुरुष वर्ग) की प्रतियोगिता में प्रथम मैच- कुशीनगर और महाराजगंज के बीच खेला गया। जिसमें 07/04 प्वाइट्स से कुशीनगर विजेता रहा। जबकि द्वितीय मैच गोण्डा और सिद्धार्थनगर के बीच हुआ। जिसमें 23/06 प्वाइट्स से गोंडा विजेता रहा। तृतीय मैच संतकबीरनगर और बलरामपुर के बीच हुआ। जिसमें 16/06 प्वाइंट्स से संतकबीरनगर विजेता रहा। बास्केटबाल (महिला वर्ग) में प्रथम मैच गोरखपुर और गोण्डा के बीच हुआ। जिसमें 09/02 प्वाइंट्स से गोरखपुर विजेता रहा। द्वितीय मैच बस्ती और देवरिया के बीच हुआ। जिसमें 04/02 प्वाइंट्स से देवरिया विजेता रहा। तृतीय मैच कुशीनगर और सिद्धार्थनगर के बीच हुआ। जिसमें कुशीनगर (वाकओवर से) विजेता रहा। जबकि चतुर्थ मैच संतकबीरनगर और बहराइच के बीच खेला गया। जिसमें संतकबीरनगर (वाकओवर से) विजेता रहा। हैण्डबाल (पुरुष वर्ग) की प्रतियोगिता में प्रथम मैच गोरखपुर और देवरिया के बीच खेला गया। जिसमें 09/08 गोल से गोरखपुर विजयी रहा। द्वितीय मैच संतकबीरनगर और बहराईच के बीच हुआ। जिसमें (वाकओवर से) संतकबीरनगर विजयी रहा। तृतीय मैच बलरामपुर और सिद्धार्थनगर के बीच हुआ। सिद्धार्थनगर 06/01 गोल से विजयी रहा।

सामूहिक नकल कराने में केंद्र व्यवस्थापक समेत 4 पर केस

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार: यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल कराए जाने के मामले में दुधारा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एएच इंटर कॉलेज, पैड़ी केंद्र पर इंटरमीडिएट की परीक्षा में गड़बड़ी पाए जाने के बाद केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक और एक अन्य शिक्षक समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) हरिश्चंद्र नाथ की तहरीर पर की गई है।

डीआईओएस हरिश्चंद्र नाथ ने तहरीर में बताया है कि 23 फरवरी को द्वितीय पाली में आयोजित इंटरमीडिएट जीव विज्ञान परीक्षा के दौरान अपराह्न 4:45 बजे सचल दल ने एएच इंटर कॉलेज, पैड़ी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में कक्ष संख्या-06 में परीक्षार्थियों के प्रश्नपत्रों पर पेंसिल से हल कराए जाने के प्रमाण मिले। कई छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं में कुछ प्रश्नों के उत्तर एक समान पाए गए। पूछताछ में परीक्षार्थियों ने बताया कि एक शिक्षक ने कक्ष में आकर प्रश्नों के उत्तर बताए थे। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज का बैकअप भी खंगाला गया। रिकॉर्डिंग बीच-बीच में बंद पाई गई, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम INAMULLAH था से बदलकर INAMULLAH KHAN रख लिया हूं अब मुझे INAMULLAH KHAN नाम से जाना व पहचाना जाए **S/O-KARAMULLAH ADD-SIKHAR KOHDA TAHSEEL DUMARIYAGANJ PO-HALLAUR DIST-SIDDHARTH NAGAR-272191(U.P)**

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम रायबरेली द्वारा 28-12-2005 को जारी पालिसी संख्या 215576957 और बीमा धन एक लाख में धर्मेन्द्र कुमार हो गया, जबकि अभिलेखों में रमेश कुमार है। उपरोक्त पालिसी में धर्मेन्द्र कुमार के स्थान पर रमेश कुमार अंकित किया जाये। रमेश कुमार पुत्र जागेश्वर ग्राम पूरे पंडित पोस्ट मेल्थुआ, जिला रायबरेली

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम Mohd Ansar Khan था अब मैने बदलकर अपना नाम ANSAR KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे ANSAR KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाए **S/O Ishshan Khan R/O H No-77, Kalakhel, Gird Kaimganj, Farrukhabad, Uttar Pradesh 209502, Have Changed My Name to Ansar Khan for All Future Purposes.**

सूचना

सूचित हो कि मेरे हाई स्कूल अंक पत्र में मेरा नाम अखिल यादव AKHIL YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड संख्या-957444346690 में मेरा नाम आशु कुमार यादव ASHU KUMAR YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV अंकित है। जो गलत है। मेरा सही नाम अखिल यादव AKHIL YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV निवासी ग्राम दुर्गाखेडा, (अटहरी), पोस्ट व थाना अजगैन, तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव है **अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायें**

सूचना

मैं चन्द्रावती पत्नी हजारी लाल निवासी रामगंज बाजार पो. मोहगंवा जिला रायबरेली की निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या 236703489 है। पालिसी में नाम चन्द्रावती लिख गया है जबकि बैंक खाता और आधार कार्ड में इन्द्रावती है। पालिसी में नाम इन्द्रावती किया जाये। दोनों नाम मेरे ही है।

सूचना

मैं अजय कुमार सोनी सुत राम प्रकाश सोनी निवासी हनुमानगढ़ी की गली राजामार्केट पारकीन्सगंज चौक सुलतानपुर थाना कोतवाली नगर जनपद सुलतानपुर- 228001 में मेरा नाम आधार कार्ड पैन कार्ड में अजय कुमार सोनी (AJAY KUMAR SONI) लिखा है, जो सही है, जबकि मेरे हाईस्कूल की अंकपत्र प्रमाणपत्र में मेरा नाम राज सोनी (RAJ SONI) लिखा है जो गलत है. अतः मुझे अजय कुमार सोनी (AJAY KUMAR SONI) के नाम से जाना व पहचाना जायें

सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे तीन लडके हैं शिव कुमार, संजय कुमार, अमित कुमार हैं जिसमे बडा लडका शिव कुमार का चाल चलन ठीक नही है बुरी संगत कृत्य मे लिप्त रहने पर मै अपने बडे पुत्र शिव कुमार को अपने सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं आज से उक्त लडके के क्रिया कलापों व लेनदेन से मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नही है शपथी अतर सिंह पुत्र रामहेत निवासी ग्राम राजाजोत मौजा बासूपुर थाना गैंडास बुजुर्ग, तहसील उतरौला - बलरामपुर

Notice

Delisha Anwar daughter of Late Sabir Siddiqui is now to be know as Dalisha Anwar Siddiqui, as her name has been corrected in the school records. As it was a manual error done by her parents.

Notice

I Mohammad wafi Ansari s/o Mohammad Akhtar r/o Khatrana road near champa devi Raebareli U. P. Have change my name and shall hereafter be known Mohd Wafi Anshari s/o Mohd Akhtar

Notice

I MOHAMMAD AKHTAR S/O MOHADMMAD AMIM R/O khatrana Road Near Champa devi Raebareli U.P have change my name and shall hereafter be known MOHD AKHTAR S/O MOHD AMIM

सूचना

मैं, राम नायक पुत्र स्व. राम अधार, निवासीः ग्राम सागरपट्टी पंथिला, मिल्कीपुर, अयोध्या सूचित करता हूँ कि मेरे पिता के सर्विस रिकॉर्ड (MES-441618) में मेरी जन्मतिथि गलतवश 16/02/1982 अंकित है, जबकि सही जन्मतिथि 01/01/1985 है। भविष्य में मुझे सही तिथि 01/01/1985 से ही जाना जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम सलमान पुत्र इरशाद से बदलकर जुलफेकार पुत्र इरशाद रख लिया अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। जुलफेकार पुत्र इरशाद पता- ख्वाजापुर थाना- सलोन जनपद -रायबरेली उ0प्र0

मोदी ने भारतीय प्रवासियों को बताया लिविंग ब्रिज

यरुशल, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी ऐतिहासिक इज़राइल यात्रा के दौरान गुरुवार को यरुशलम में भारतीय मूल के यहूदी समुदाय के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया। प्रधानमंत्री ने इस समुदाय को भारत और इज़राइल के बीच एक लिविंग ब्रिज (जीवंत सेतु) करार देते हुए कहा कि वे न केवल इज़राइल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी वैश्विक पटल पर संजोए हुए हैं। पीएम मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि भारत को अपनी इस यहूदी संतान पर गर्व है, जो सदियों से बिना किसी भेदभाव के भारत का अभिन्न हिस्सा रही है।

भारतीय प्रवासियों से बात करते प्रधानमंत्री मोदी ● अमृत विचार

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि इज़राइल में भारतीय मूल के यहूदी समुदाय के साथ बातचीत करना सुखद रहा। भारत के प्रति उनका गहरा लगाव और इज़राइल की प्रगति में उनका अटूट समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के 'बेने इज़राइल', केरल के 'कोचिनी', कोलकाता के 'बगदादी' और पूर्वोत्तर के 'बनेई मेनाशे' समुदाय के इतिहास का विशेष उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है, जहाँ यहूदियों को कभी भी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और 'आई लव माय इंडिया' की गूंज

मुलाकात के दौरान एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांग कलाकारों ने 'आई लव माय इंडिया' गीत पर प्रस्तुति दी। इस भावुक प्रस्तुति ने प्रधानमंत्री समेत वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। पीएम मोदी ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि कला और संगीत की कोई सीमा नहीं होती और यह भारत-इज़राइल की अटूट दोस्ती का सबसे सुंदर प्रतीक है। उन्होंने इज़राइल में सेवा दे रहे भारतीय 'केयरगिवर्स' (देखभाल करने वालों) के धैर्य और साहस की भी प्रशंसा की, जिन्होंने युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों में भी अपनी सेवाएँ जारी रखीं।

राजस्थान के उदयपुर के बाहरी इलाके में आयोजित विवाह समारोह के दौरान अभिनेता रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा।

उदयपुर में संपन्न हुई फिल्म स्टार विरोश की शाही शादी

● रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा बंधे विवाह बंधन में

उदयपुर, एजेंसी। दक्षिण भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित सितारे रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा गुरुवार को राजस्थान के उदयपुर में एक निजी और भव्य समारोह में विवाह के बंधन में बंध गए। पिछले सात वर्षों से चले आ रहे कयासों पर विराम लगाते हुए, इस जोड़े ने अपनी शादी की पहली आधिकारिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं।

इन तस्वीरों में रश्मिका पारंपरिक लाल साड़ी और स्वर्ण आभूषणों में नजर आईं, जबकि विजय ने ऑफ-व्हाइट धोती और लाल शॉल पहनकर अपने तेलुगु मूल की परंपराओं का सम्मान किया। उदयपुर के बाहरी इलाके में स्थित एक लग्जरी होटल में आयोजित इस समारोह में केवल दोनों परिवारों के सदस्य और करीबी मित्र ही शामिल हुए। शादी की रस्में पूरी तरह से पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुईं। सुबह 10 बजे के शुभ मुहूर्त में तेलुगु रीति-रिवाजों के अनुसार मुख्य विवाह हुआ, जबकि शाम को रश्मिका की विरासत का सम्मान करते हुए कोडवा (कूर्गी) परंपरा से दूसरा समारोह आयोजित किया गया। इस विवाह को उनके प्रशंसकों द्वारा दिए गए नाम 'द वेडिंग ऑफ विरोश' के रूप में सेलिब्रेट किया गया। विजय देवरकोंडा ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, "मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड को अपनी पत्नी बना लिया है।" रश्मिका ने भी शादी की तस्वीरें साझा करते हुए अपने पति के लिए अपना प्यार व्यक्त किया। उदयपुर में तीन दिनों तक चले इस उत्सव में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए 200 न्यायिक अधिकारी आएंगे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा से करीब 200 न्यायिक अधिकारियों के जल्द ही बंगाल आने की संभावना है। निर्वाचन आयोग के विशेष सूची पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने गुरुवार को यह जानकारी साझा की।यह महत्वपूर्ण कदम उच्चतम न्यायालय के उस सुझाव के बाद उठाया जा रहा है, जो उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल को दिया था। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य अन्य राज्यों के निष्पक्ष अधिकारियों की मदद से मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायतों को दूर करना है।

ममता बनर्जी का आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज हैक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज 'सोरासरी मुख्यमंत्री' हैक कर लिया गया है। इस हाई-प्रोफाइल डिजिटल सेंधमारी के बाद राज्य प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को यह मामला सामने आने के बाद कोलकाता पुलिस के साइबर सेल ने तुरंत अज्ञात हैकर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पोर्टल का उपयोग सीधे जनता की शिकायतों और सुझावों के लिए किया जाता है, जिससे इसकी सुरक्षा को बेहद संवेदनशील माना जाता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पेज पर कुछ संदिग्ध गतिविधियाँ देखी गईं, जिसके बाद विशेषज्ञों ने पाया कि अकाउंट का नियंत्रण अनधिकृत हाथों में चला गया है।

पत्नी की मौत पर याचिका, हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को गाजियाबाद के एक व्यवसायी की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया था। याचिकाकर्ता रामबीर सिंह गोला का दावा था कि पिछले वर्ष नेपाल में 'जेन-जेड' विरोध प्रदर्शनों के दौरान काठमांडू में उनकी पत्नी की मृत्यु केंद्र की कोताही के कारण हुई थी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने स्पष्ट किया कि यह याचिका विचारणीय नहीं है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि इस मामले में कई विवादित तथ्य शामिल हैं, जिन्हें साबित करने के लिए विस्तृत सबूतों की आवश्यकता है।

बोझ और झंझट बन गए हैं न्यायाधिकरण

सीजेआई ने कहा- श्रीमान अटॉर्नी जनरल, न्यायाधिकरण आपकी रचना हैं और वे सिरदर्द बन गए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में न्यायाधिकरणों के कामकाज पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे बिना किसी "जवाबदेही के बोझ और झंझट" बन गए हैं। न्यायालय ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि एक वित्तीय न्यायाधिकरण के तकनीकी सदस्य निर्णय लिखने का काम भी आउटसोर्स कर रहे थे।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने टिप्पणी की कि न्यायाधिकरण सरकार द्वारा बनाए गए हैं और वे बिना किसी जवाबदेही के अनियंत्रित होकर कार्य कर रहे हैं। न्यायालय पिछले साल के उस फैसले के मद्देनजर न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों सहित सदस्यों के कार्यकाल को बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 को रद्द कर दिया गया था। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए कुछ व्यवस्था करने को कहा। साथ ही, पीठ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्तमान व्यवस्था के

● विधायी व्यवस्था के कारण उनके कामकाज का तरीका कोर्ट के लिए बनता रहा है चुनौती

अनुसार, टीडीएसएटी न्यायाधिकरण का एक तकनीकी सदस्य अध्यक्ष की सेवानिवृत्ति पर अर्ध-न्यायिक निकाय का कार्यवाहक अध्यक्ष बन जाता है। न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण न्यायाधिकरणों में कोई कार्यात्मक संकट न हो, क्योंकि उसने ऐसी व्यवस्था पर आपत्ति जताई है जिसमें कोई तकनीकी सदस्य अध्यक्ष का पद संभाले।

सीजेआई ने कहा कि अब जिस तरह के आदेश हम देख रहे हैं, कुछ न्यायाधिकरणों को छोड़कर, ये संस्थाएं एक तरह से 'अनियंत्रित' हो गई हैं क्योंकि वे न तो न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह हैं और न ही पृथ्वी पर किसी के प्रति जवाबदेह हैं।" अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सरकार रिक्त पदों को शीघ्रता से भरने के लिए एक तंत्र विकसित करने का प्रयास कर रही है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह राष्ट्रीय हित में नहीं है कि न्यायाधिकरण किसी के प्रति जवाबदेह न हों।

पीठ ने कहा कि अदालत मौजूदा सदस्यों को कार्यकाल का एकमुश्त विस्तार देने की इच्छुक नहीं थी, लेकिन न्यायाधिकरणों में रिक्तियों को नहीं भरे जाने के कारण ऐसा करने के लिए विवश थी। सीजेआई ने कहा कि उनके पास एक महत्वपूर्ण न्यायाधिकरण के संबंध में विश्वसनीय जानकारी है, जो देश की अर्थव्यवस्था के कारण महत्वपूर्ण है और जहां तकनीकी सदस्य खुद फैसले नहीं लिख रहे थे।

उन्होंने कहा, "ये तकनीकी सदस्य एक भी फैसला नहीं लिख रहे हैं, वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि न्यायिक सदस्य उनकी ओर से और उनके नाम पर फैसला लिखें। मुझे तो एक तकनीकी सदस्य की धृष्टता का भी पता है, जिसने एक न्यायिक सदस्य से अपने नाम से फैसला लिखने को कहा और उन्हें ब्लैकमेल किया कि वह फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। उन्होंने कहा, "न्यायाधिकरण के कुछ तकनीकी सदस्य वास्तव में निर्णयों को लिखने का काम आउटसोर्स कर रहे हैं, जो न्यायिक प्रणाली में पूरी तरह से अनसुनी बात है। मैं सचमुच बहुत परेशान हूं और उचित समय आने पर मैं उन्हें बर्खास्त कर दूंगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी खर्च पर केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बेहद अहम मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। अदालत उस याचिका पर विचार कर रही है जिसमें मांग की गई है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले बेतहाशा खर्च की भी एक तय सीमा होनी चाहिए। वर्तमान में, चुनाव लड़ रहे व्यक्तिगत उम्मीदवारों के खर्च पर तो पाबंदी है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए खर्च की कोई ऊपरी सीमा तय नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस जारी किया है। अदालत ने केंद्र और चुनाव आयोग को 27 अप्रैल तक अपना पक्ष रखने का समय दिया है। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन 'कॉमन कॉज' और 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दायर की है।

कर्जदार, गारंटी देने वाले दोनों के खिलाफ एक साथ ऋण शोधन कार्यवाही हो सकती है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एक ही कर्ज के लिए मूल कर्जदार और उसके कॉरपोरेट गारंटर दोनों के खिलाफ एक साथ दिवाला कार्यवाही चलाई जा सकती है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत ऐसा कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं है जो वित्तीय कर्जदाता को अपने बकाया की वसूली के लिए समानांतर कार्रवाई शुरू करने से रोकता हो। न्यायमूर्ति दत्ता ने 47 पृष्ठ के फैसले की शुरुआत में लिखा, ''न्यायाधीश को मनमाने ढंग से नए नियम बनाने का अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा ऋणदाता द्वारा अपने कर्ज के लिए गारंटी प्राप्त करने के औचित्य को पूरी तरह से समझना उचित जान पड़ता है।

चिदंबरम के खिलाफ मामलों में आएगी तेजी, ईडी ने कोर्ट में पेश की मुकदमे की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के खिलाफ चल रहे दो बड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामलों में सुनवाई तेज करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत को सूचित किया कि उसने चिदंबरम के खिलाफ मुकदमा चलाने (अभियोजन) के लिए आवश्यक सरकारी मंजूरी पेश कर दी है। इससे अब इन पुराने मामलों की कानूनी प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

यह पूरा मामला दो बहुचर्चित घोटालों— एयरसेल-मैक्सिस सौदा और आईएनएक्स मीडिया से जुड़ा हुआ है। ईडी का आरोप है कि वित्त मंत्री रहते हुए चिदंबरम ने इन सौदों में विदेशी निवेश के नियमों की अनदेखी की और उनके माध्यम से अवैध धन का लेनदेन किया गया। एजेंसी ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में 2018 में और आईएनएक्स मीडिया मामले में 2020 में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की थी, जिस पर अदालत ने 2021 में संज्ञान लिया था।

क्या है 'अभियोजन मंजूरी' का महत्व?

किसी भी पूर्व मंत्री या सरकारी अधिकारी के खिलाफ पद पर रहते हुए किए गए कार्यों के लिए मुकदमा चलाने के लिए संबंधित विभाग से औपचारिक मंजूरी लेना अनिवार्य होता है। अब तक इन मामलों में सुनवाई की गति धीमी थी क्योंकि यह तकनीकी प्रक्रिया लंबित थी। ED ने अदालत से अनुरोध किया है कि चूंकि अब सभी आवश्यक दस्तावेज और मंजूरियां मिल चुकी हैं, इसलिए इन दोनों मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता के आधार पर (Fast Track) शुरू किया जाए। गौरतलब है कि इन मामलों में पी. चिदंबरम के अलावा उनके बेटे कार्ति चिदंबरम और कई पूर्व नौकरशाह भी आरोपी बनाए गए हैं। चिदंबरम लगातार इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते रहे हैं। अब अदालत द्वारा इन मंजूरियों को रिकॉर्ड पर लेने के बाद, आने वाले दिनों में गवाहों के बयान और जिरह की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जो कांग्रेस नेता के लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ा सकती है।

कनाडा के पीएम कार्नी आज से चार दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कार्नी शुक्रवार को मुंबई पहुंचेंगे और वह वहां अगले दो दिन विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

इस दौरान वह भारत और कनाडा की कुछ प्रमुख कंपनियों के कार्यकारी अधकिारियों, विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों के साथ-साथ भारत में स्थित कनाडा के पेंशन फंड प्रमुखों के साथ वार्तालाप करेंगे। प्रधानमंत्री कार्नी पहली मार्च को राजधानी नई दिल्ली पहुंचेंगे 2 मार्च को मार्च को श्री मोदी के प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों

नेता भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और जिसमें कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में दोनों नेताओं की पिछली बैठकों के बाद की प्रगति पर भी चर्चा होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्ष व्यापार और निवेश, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृषि, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार सहित प्रमुख स्तंभों में वर्तमान में जारी सहयोग की भी समीक्षा करेंगे।

युवक कांग्रेस के तीन कार्यकर्ता तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली, एजेंसी । देश की राजधानी में अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) के तीन कार्यकर्ताओं को दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इन कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक स्थान पर अमर्यादित आचरण करने और सुरक्षा घेरा तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत से पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

यह मामला तब शुरू हुआ जब युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान इन तीन कार्यकर्ताओं ने अपनी कमीज उतारकर अर्ध-नग्न अवस्था में नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस का तर्क है कि इस तरह के प्रदर्शन से सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया।

आतंकवाद का सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प की आवश्यकता : जयशंकर

जिनेवा, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत आतंकवाद का कड़ा विरोध करता है और इस समस्या का सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से आतंकवादी कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने का आग्रह किया। जयशंकर यूएनएचआरसी के 61वें सत्र के दौरान एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता से ग्रस्त विश्व में साझा आधार खोजने और उसका विस्तार करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा टकराव के बजाय संवाद, विभाजन के बजाय सहमति और संकीर्ण हितों के बजाय मानव-केंद्रित विकास पर जोर दिया है। हम इस परिषद और संयुक्त राष्ट्र से आतंकवादी कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने की अपेक्षा करते हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण इस समझ पर आधारित है कि किसी भी क्षेत्र की असुरक्षा या किसी भी समूह का हाशिए पर होना अंततः सभी के अधिकारों को कमज़ोर करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की मानवीय सहायता भौगोलिक सीमाओं से अधिक सहानुभूति से प्रेरित रही है।

सपनों की दुनिया में जी रहा है पाकिस्तान

जिनेवा/नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान के सपनों की दुनिया में जीने पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का बजट इस्लामाबाद के आईएमएफ से हाल ही में मांगे गए बेलआउट पैकेज से दोगुने से भी अधिक है। भारत ने पाकिस्तान को पीओके को खाली करने के लिए भी कहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें नियमित सत्र के उच्च-स्तरीय खंड में भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का उपयोग करते हुए, कहा कि निरंतर राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के माध्यम से क्षेत्र को अस्थिर करने के पाकिस्तान के प्रयासों के बावजूद, जम्मू-कश्मीर राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से आगे बढ़ रहा है। सुश्री सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह अपने गहराते आंतरिक संकटों को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करे, न कि इस तरह के मंच पर आडंबरपूर्ण तरीके से उन्हें छिपाने का प्रयास करे।

निर्देशक अपहरण कांडः अभिनेत्री समेत 11 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक कन्नड़ फिल्म निर्देशक के अपहरण और मारपीट का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी दी कि निर्देशक टीए अनीश को बंधक बनाकर पीटने और उनसे लूटपाट करने के आरोप में एक अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ऐश्वर्या समेत कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यह पूरी घटना पैसों के लेनदेन के विवाद और धोखे से जुड़ी बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, निर्देशक अनीश ने हाल ही में 'जीवनदा भाषे' नामक फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म के एक निवेशक और सहयोगी के साथ उनका वित्तीय विवाद चल रहा था,9 फरवरी को आरोपियों ने अनीश को कार बिकवाने के बहाने मुंबई से बेंगलुरु बुलाया। जैसे ही वे बताए गए स्थान पर पहुंचे, आरोपियों ने उनका अपहरण कर लिया और ब्यादराहल्ली स्थित एक घर में बंधक बना लिया।

वायु प्रदूषण | चिंताजनक स्थिति यूपी की, यहां 9% व बिहार में केवल 13% आबादी ही किसी स्टेशन के 10 किमी दायरे में आती है

देश की 85% आबादी निगरानी तंत्र से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या जिस घातक गति से बढ़ रही है, उसकी निगरानी करने वाला सरकारी तंत्र उतना ही पीछे छूट गया है। हाल ही में जारी स्टेट ऑफ इंडियाज़ एनवायरनमेंट रिपोर्ट 2026 के अनुसार, देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही किसी सतत निगरानी केंद्र के 10 किलोमीटर के दायरे में रहती है।

शेष 85 प्रतिशत यानी लगभग 1.2 अरब लोग किसी भी मापनीय दायरे से बाहर सांस लेने को मजबूर हैं। यह रिपोर्ट सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट और उसकी पत्रिका 'डाउन टू अर्थ' द्वारा अनिल अग्रवाल डॉयलाग-2026 में जारी की गई।

● 64% जिलों में प्रदूषण मापने का एक भी रीयल-टाइम केंद्र नहीं

निगरानी तंत्र का मौजूदा ढांचा

- **मैनुअल स्टेशन :** 419 शहरों में 966 स्टेशन हैं, जो सप्ताह में सिर्फ दो बार मापन करते हैं।
- **सतत निगरानी केंद्र :** 294 शहरों में 562 केंद्र हैं, जो प्रति घंटे रीयल-टाइम आंकड़ा देते हैं।

विशेषज्ञों के सुझाव:

- भविष्य की निगरानी व्यवस्था में महंगे उपकरणों के साथ कम लागत वाले सत्यापित सेंसर और सैटेलाइट आंकड़ों को जोड़ा जाए।
- विद्यालयों, अस्पतालों और उच्च जोखिम वाले औद्योगिक क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर केंद्र स्थापित किए जाएं।
- बदलते शहरी स्वरूप के अनुसार पुराने निगरानी केंद्रों का स्थान बदलकर उन्हें प्रभावी बनाया जाए।

दिल्ली-चंडीगढ़ सुरक्षित, यूपी-बिहार सबसे पीछे

रिपोर्ट के अनुसार, निगरानी केंद्रों का वितरण बेहद असमान है। चंडीगढ़ और दिल्ली : चंडीगढ़ में 100% आबादी निगरानी दायरे में है, दिल्ली में केवल 3 .5% आबादी ही इस सुरक्षा कवच से बाहर है। सबसे चिंताजनक स्थिति यूपी की है, जहां मात्र 9% आबादी और बिहार में केवल 13% आबादी ही किसी स्टेशन के 10 किमी दायरे में आती है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल : महाराष्ट्र में केंद्र अधिक हैं, लेकिन वे सिर्फ मुंबई, पुणे और नागपुर तक सीमित हैं। पश्चिम बंगाल में 19% कवरेज है, जबकि हुगली और मुर्शिदाबाद जैसे घनी आबादी वाले जिलों में एक भी रीयल-टाइम केंद्र नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में देश का 'वायु गुणवत्ता सूचकांक' और प्रदूषण नीतियां केवल एक छोटे शहरी हिस्से के आंकड़ों पर आधारित हैं। बड़े भूभाग में प्रदूषण लोगों के जीवन का हिस्सा तो है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं हो पाता।

'एप्स्टीन फाइलों' के जरिए ट्रंप ने पीएम मोदी को धमकायाः राहुल गांधी

कन्नूर,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। केरल के कन्नूर जिले के पेरावूर में एक विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादित 'एप्स्टीन फाइलों' का इस्तेमाल प्रधानमंत्री मोदी को डराने-धमकाने के लिए किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दबाव के चलते प्रधानमंत्री ने एक ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारतीय किसानों के हितों को भारी नुकसान पहुंचाएगा और उनके भविष्य को संकट में डाल देगा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने झुकने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह समझौता देश की आर्थिक और कृषि बुनियाद को कमजोर करने जैसा है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार इस बुनियादी सच्चाई को भूल गई है कि किसान ही भारत की असली ताकत और नींव हैं।

जनगणना के टूल्स में पारंगत होकर करे प्रयोग : विशाख जी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में गुरुवार के कलेक्ट्रेट सभागार में 'जनगणना-2027' की तैयारियों की समीक्षा बैठक की गई। चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने जनगणना-2027 के लिए विकसित डिजिटल टूल्स जैसे कि सीएमएमएस पोर्टल और एचएलबीसी का लाइव डेमो देखा। निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए जनगणना के टूल्स में पारंगत होकर इनका प्रभावी प्रयोग किया जाए। जनगणना के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) का कार्य 22 मई से 20 जून के मध्य पूरा करना है। शहरी क्षेत्रों में विशेषकर नगर निगम में हाउसलिस्टिंग ब्लॉक के गठन के कार्य में क्षेत्रीय सर्वेक्षण के समय विशेष सावधानी बरती जाए। ब्लॉक गठन के दौरान क्षेत्र में छूट या दोहराव न हो। प्रशिक्षण का संचालन अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) व जिला जनगणना अधिकारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय की टीम ने जनगणना के डिजिटल टूल्स के उपयोग पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया । जनगणना निदेशालय संयुक्त निदेशक एके सिंह सोमवंशी, सहायक निदेशक उपासना आदि ने तौर तरीके बताए।

कर्ज में डूबे फरीदपुर के व्यापारी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

फरीदपुर । कर्ज में डूबे किराना व्यापारी ने बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के रजऊ परसपुर में पहुंचकर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। फरीदपुर नगर के मोहल्ला महादेव निवासी किशन लाल (46) की रामलीला मैदान के सामने किराने की दुकान है। परिजनों के अनुसार बुधवार को रोज की तरह किशनलाल अपनी दुकान खोलने के लिए घर से निकले और शाम तक वापस नहीं आए। परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा फोन भी बन्द जा रहा था। परिवार के लोगों ने बताया किशन पर कर्जा होने के कारण कर्ज वापस के लिए तकादा करने वाले उसे परेशान करते थे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। संतोष सबसे बड़ा धन है। वफादारी सबसे बड़ा संबंध है।
–महात्मा बुद्ध

पाठ्यपुस्तक और प्रतिष्ठा

यदि किसी संवैधानिक संस्था- विशेषकर न्यायपालिका को त्रुटिपूर्ण या भ्रामक तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया जाए, तो उसका प्रभाव केवल अकादमिक नहीं, संस्थागत विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। कैशोर्य में स्थापित धारणा दीर्घकालिक होती है। अतः कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी संदर्भों पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और असाधारण कड़ा रुख पूरी तरह सही है, हालांकि इस कठोर प्रतिक्रिया को देख कर यह प्रश्न स्वाभाविक है कि एनसीईआरटी द्वारा अतीत में इतिहास, राजनीति, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में हुए विवादित बदलावों पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले कर ऐसी त्वरित कारगुजारी क्यों नहीं की? संभवतः न्यायालय सामान्यतः नीतिगत-शैक्षिक सामग्री में हस्तक्षेप से बचता है पर संविधान-विरोध या गंभीर विधिक उल्लंघन के मामले में अधिक सक्रिय रहता है।

न्यायालय द्वारा आपत्तिजनक सामग्री पर रोक, पुनर्मुद्रण रोकना और डिजिटल प्रसार पर प्रतिबंध तकनीकी युग में पूर्णतः लागू करना कठिन अवश्य है, पर यह स्पष्ट संदेश देता है कि संस्थागत प्रतिष्ठा से समझौता नहीं होगा, हालांकि दीर्घकालिक समाधान सेंसरशिप नहीं, बल्कि गुणवत्ता-नियंत्रण और संतुलित अकादमिक विमर्श है। जाहिर है पुस्तक के उक्त अध्याय में न्यायपालिका के मात्र दोषों का उल्लेख हो और राजनीति व व्यवस्थापिका की समांतर चर्चा न हो, तो यह संतुलनहीनता है। यदि देश में भष्टाचार चहुंओर है, तो लोकतंत्र की तीनों शाखाओं में उसकी व्याप्ति को समग्रता में पढ़ाया जाना चाहिए। न्यायपालिका की ऐतिहासिक उपलब्धियों मौलिक अधिकारों की रक्षा, जनहित याचिकाएं, आपातकालीन दुरुपयोग पर अंकुश का उल्लेख न होना, अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है। एनसीईआरटी का यह कहना कि त्रुटि 'अनजाने' में हुई, सहज स्वीकार्य नहीं। पाठ्यपुस्तक निर्माण बहु-स्तरीय प्रक्रिया है। लेखन, समीक्षा, संपादन, विशेषज्ञ समिति और उच्चस्तरीय स्वीकृति। यदि इन सबके बाद भी तथ्यात्मक या संदर्भगत भूल रह गई, तो जानबूझकर की गई क्यों न मानी जाए। सार्वजनिक खेद स्वागतयोग्य है पर इसकी आड़ ले, दायित्व से बचने की बजाए पारदर्शी जांच, जिम्मेदारी तय करने और सुधारात्मक उपाय लागू होने चाहिए। दोष केवल एनसीईआरटी तक सीमित नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्रालय और व्यापक नीतिगत ढांचा भी इसके लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। पाठ्यक्रम परिवर्तन अक्सर राजनीतिक-सामाजिक विमर्श से प्रभावित होते हैं, ऐसे में पारदर्शिता और बहु-विचारधारात्मक समीक्षा अत्यंत अनिवार्य है। यदि यह सिद्ध हो कि प्रकाशन न्यायपालिका को कलंकित करने के उद्देश्य से जानबूझकर किया गया, तो यह गंभीर कदाचार है। तथ्यों का विकृतिकरण, शिकायतों की संख्या को संदर्भ-विहीन प्रस्तुत करना या पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणियों को गलत अर्थ में उद्धृत करना, ये सब संस्थागत अवमानना की सीमा तक जा सकते हैं और भारी सज़ा की वजह बन सकते हैं, पर आपराधिक अवमानना तब बनती है जब न्याय के प्रशासन में बाधा उत्पन्न हो या न्यायालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य स्पष्ट हो, किंतु इसके लिए दुर्भावना और आशय का प्रमाण आवश्यक है।

प्रसंगवश

अल्फ्रेड पार्क के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

भारतीय इतिहास के आकाश में 27 फरवरी का दिन उस नक्षत्र की याद दिलाता है, जिसकी चमक से ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आंखें चौंधिया गईं थीं। यह दिन उस महामानव के बलिदान का साक्षी है, जिसने अपनी प्रतिज्ञा को अपने प्राणों से भी ऊंचा स्थान दिया। चंद्रशेखर आजाद, एक ऐसा नाम, जिसके स्मरण मात्र से धमनियों में रक्त का संचार तीव्र हो जाता है और हृदय में राष्ट्र भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ता है। आजाद केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, एक ऐसी जलती हुई मशाल थे, जिसने गुलामी के घोर अंधकार में करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। उनका संपूर्ण जीवन एक ऐसी महागाथा है, जिसका प्रत्येक अध्याय साहस, त्याग और स्वाभिमान की स्याही से लिखा गया है।

मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का बचपन अभावों की गोद में बीता। उनके पिता एक

श्वेता गोयल
शिक्षिका

साधारण किसान थे, जो कड़ी मेहनत से परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन उस बालक की आंखों में नियति ने कुछ और ही स्वप्न सजो रखे थे। वे बचपन से ही निडर और साहसी थे, अन्याय को सहना उनके स्वभाव में नहीं था। जब 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन की पुकार काशी की गलियों में गूंजी तो 14 वर्ष का यह बालक अपनी पढ़ाई छोड़कर राष्ट्र की वेदी पर आ खड़ा हुआ।

काशी की तंग गलियों में हाथ में तिरंगा लिए जब वह बालक अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध गर्जना कर रहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा किशोर आगे चलकर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला देगा। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। उस कचहरी का दृश्य आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। मजिस्ट्रेट ने जब रौब से नाम पूछा तो बालक ने निर्भय होकर उत्तर दिया, 'आजाद'। पिता का नाम पूछने पर कहा, 'स्वतंत्रता' और निवास का पता बताया, 'जेलखाना'। मजिस्ट्रेट इस धृष्टता पर तिलमिला उठा और उसने 14 साल के उस कोमल शरीर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई।

सरेआम उस बच्चे को निर्वस्त्र कर टिकटी से बांध दिया गया। भारी और मोटे बेंत का हर प्रहार उसकी खाल उधेड़ रहा था। पीठ से खून के फव्वारे छूट रहे थे, लेकिन उस बालक की आंखों में दर्द नहीं, बल्कि एक अलौकिक गर्व था। हर कोड़े की मार पर वह पूरी ताकत से चिल्लाता था, 'वंदे मातरम!', 'भारत माता की जय!' 15 कोड़े पूरे होने तक उसका शरीर मांस का लोथड़ा बन चुका था, हड्डियां दिखाई देने लगी थीं, लेकिन उस वीर ने एक भी आंसू नहीं गिराया। जेल के डॉक्टर जब घावों पर दवा लगाते तो वह बच्चा दर्द से तड़पता जरूर था पर उसके होंठों पर मुस्कान और हृदय में प्रतिशोध की ज्वाला थी। इसी दिन से वह दुनिया के लिए 'आजाद' बन गए।

असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से आजाद का मोहभंग हुआ और वे सशस्त्र क्रांति की ओर मुड़ गए। उनकी क्रांतिकारी यात्रा का एक स्वर्णिम पड़ाव 'काकोरी कांड' था। नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के पास सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को लूटकर क्रांतिकारियों ने फिरंगियों को सीधी चुनौती दी। इस कांड के बाद कई साथी पकड़े गए, लेकिन अपनी चतुराई और वेश बदलने की कला में माहिर आजाद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर बच निकले। संगठन बिखर चुका था पर आजाद का हौसला नहीं। 1928 में उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे युवा मेधावियों के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' की नींव रखी। आजाद इस संगठन के सेनापति थे। भगत सिंह जैसे प्रखर बुद्धिजीवी भी उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते थे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आतंकवाद से निपटने के लिए भारत का 'प्रहार'

विवेक सक्सेना
अयोध्या

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी नीति जारी की है। इसे आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस के तहत सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को अपनी पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति, 'प्रहार' जारी कर राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक बदलाव किया है। ये नीति ऐसे समय में जारी की गई है, जब देश सीमापार प्रयोजित आतंक, ड्रोन आधारित हमले, हथियारों की तस्करी, साइबर हमले और आतंकियों के स्लीपर सेल आदि गंभीर चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि 'भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता है।' देश लंबे समय से सीमा पार से 'प्रायोजित आतंकवाद' से प्रभावित रहा है, जिसमें 'जिहादी आतंकी संगठन और उनके फ्रंटल संगठन' हमलों की प्लानिंग करते रहते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

डार्क वेब और क्रिप्टो-फाइनेंसिंग जैसे आधुनिक खतरे भी देश के लिए बड़ी चुनौती हैं। यह नीति जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर सुरक्षा को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे की रक्षा करने पर जोर देती है। इसमें अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकी समूहों का नाम लेते हुए कहा गया है कि उन्होंने स्लीपर सेल के जरिए भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की है, जबकि दूसरे देशों से काम करने वाले हिंसक अतिवादियों ने आतंवाद को बढ़ावा देने की साज़िशें रची हैं।

पहलगाम में आतंकियों के हाथों हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया।

'प्रहार' का अर्थ है 'स्ट्राइक्स', जो भारत के 'जीरो-टॉलरेंस' दृष्टिकोण को एक मजबूत और सक्रिय ढांचा प्रदान करता है। यह नीति सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आतंकी संगठन जिस तरह लगातार संगठित हमले और गतिविधियां कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह समय की मांग है कि इससे सख्ती से निपटा जाए और इसके लिए रणनीतियों में भी एक समन्वय हो। यही वजह है कि सात मुख्य स्तंभों पर आधारित 'प्रहार' में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में तालमेल बैठाने पर भी खासा जोर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने एफआईआर दर्ज करने से लेकर मुकदमा चलाने तक, जांच के हर स्तर पर कानूनी जानकारों को शामिल करने का सुझाव दिया है, ताकि अपराधियों के खिलाफ केस मजबूत हो सके।

इस नीति में आतंकवादी हमलों को होने से पहले ही रोकना। खतरे के अनुरूप त्वरित और कठोर जवाब। पूरे सरकारी दृष्टिकोण के साथ आंतरिक क्षमताओं को एक साथ लाना। विधि के शासन का पालन करते हुए कार्रवाई करना। कट्टरपंथ के कारणों को समाप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय और खुफिया जानकारी साझा करना। 'संपूर्ण-समाज' दृष्टिकोण के माध्यम से सुरक्षा को मजबूत करने पर खासा जोर दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि विदेश में मौजूद ग्रुप हमले करने के लिए लोकल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इलाके की जानकारी पर ज़्यादा निर्भर हो रहे हैं।

'प्रहार' नीति न केवल आतंकवाद को एक आपराधिक कृत्य मानती है, बल्कि उसे एक व्यापक 'शत्रुतापूर्ण नेटवर्क' के रूप में देखती है। यह नीति 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी निर्णायक कार्रवाइयों के बाद के सुरक्षा परिदृश्य के अनुकूल है, जो पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद को कड़ी चुनौती देती है। भारत अब अपनी सुरक्षा नीति में रक्षात्मक से आक्रामक प्रतिरोध की ओर मजबूती से बढ़ गया है। यह नीति आतंकवाद के खिलाफ मोदी की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी अपने सिद्धांत और उसके तीन स्तंभ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है। भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें। भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा।

इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। आतंकवादियों को शरण देने, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि नीति का वास्तविक परीक्षण इसके क्रियान्वयन से ही होगा।

किसी भी नीति की सफलता व्यक्ति या संस्था विशेष पर ही निर्भर नहीं करती है। इसके लिए देश की सभी खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस व अर्धसैनिक बलों इत्यादि के बीच उचित समन्वय, संसाधन के साथ-साथ तकनीकी क्षमता का विस्तार और दृढ़ इच्छा शक्ति भी नियमित बेहद जरूरी होगी। इसकी सफलता अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन, आधुनिक तकनीक में निवेश और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर निर्भर करेगी। ऐसा होने के बाद ही 'प्रहार' सही मायने में देश को आतंकवाद से मुक्त कराने की दिशा में मजबूत और कारगर साबित होगा। भविष्य की दिशा 'प्रहार' राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सीमा-पार कार्रवाई को वैध बनाती है और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाती है। यह पूर्व-सक्रिय रणनीति से भारत को मजबूत बनाएगी, लेकिन क्षमता निर्माण और कानूनी सुधार आवश्यक हैं।

आमने सामने

लिखित उत्तर और मंत्री की तरफ से दिया गया जवाब अलग-अलग है। मंत्री बहुत सज्जन, सीधे हैं और बाड़मेर के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन बाड़मेर जाते हैं, तो इन्हें काम नहीं करने दिया जाता। गृह क्षेत्र पाली में रहते हैं, तो वहां भी इन्हें काम नहीं करने दिया जाता।

–हरीश चौधरी
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। कांग्रेस की सरकार के समय जो दावे आए थे, उनमें से 21 के क्लेम का निस्तारण हमारी सरकार ने किया। आपकी तो पूरी योजना ही फेल हो गई। हम तो 42 लाख पशुओं के बीमा करेंगे।

–जोराराम कुमावत
पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार

कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ

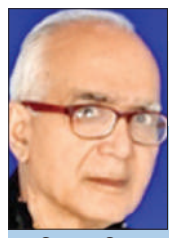

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थस्थल सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी, हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिलीं, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखी हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है।

अब तक इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता था। पर यह पूरा सच नहीं है, दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी, जिसके पश्चात् इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरंभ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईंटों और पत्थरों के अंबार का पता चला।

उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईंटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली।

बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाए गए थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियां और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में विसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया। बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पाई गई थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था।

यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन् 1026) का दिनांकित शिलालेख है, हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गांव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर खोजा था, जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था।

उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अंदर पाई गई हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित करा दिया। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिंदू परंपराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अंदर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था।

बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग छह फीट की ऊंचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के संबंध में कुछ बातें स्पष्ट हैं- पहला, यह अनजाने में हुई थी और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर संभव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो।

दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था, जहां से वे कालांतर में गायब हो गए। बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर अपने मूल स्थान पर छोड़ दिया गया और अन्ततः कनिंघम द्वारा बाहर निकाला गया। बाबू जगत सिंह ने कभी भी स्तूप को पूर्णतः नष्ट नहीं किया। स्तूप के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व को समझने के बाद उन्होंने इस स्थल की सुरक्षा की। मोटी आवरण वाली दीवार के अंदर मूल स्तूप का एक बड़ा हिस्सा वैसे ही छोड़ दिया गया था। समय के साथ आवरण दीवार के अंदर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ सारनाथ की खोज बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसका श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने ले लिया।

सोशल फोरम

रटने की पीड़ाभरी परंपरा

आप कहती हैं कि आप गलत बोल रहे हैं.. 'मेरा बेटा ख़ुद कोटा जा कर पढ़ना चाहता था, इसलिए मैं उसे कोटा ले कर गई पढ़ाने। मेरा बेटा ख़ुद JEE क्रैक करना चाहता था। खूब पढ़ना चाहता था, मैंने दबाव नहीं डाला कभी।'

ये स्टेटमेंट आपका भ्रम हैं। आपकी अपनी लालसाएं हैं, जिन्हें आप अपने बच्चों पर थोप कर उन्हें अपना बताती हैं। आपका ये स्टेटमेंट बिलकुल वैसा ही है, जैसे मुस्लिम घरों में पैदा हुई लड़की कहती है कि 'हिजाब पहनना मेरी पसंद है। हिजाब मेरा प्राइड है और मुझे किसी ने कभी हिजाब या बुरका पहनने के लिए दबाव नहीं बनाया।'... ऐसे ही आपका बेटा कोटा में पढ़ना चाहता है। बिलकुल ऐसे ही जैसे वो हिजाब पहनना चाहती है।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

हिंदू घरों में पैदा हुई लड़कियां हिजाब क्यूं नहीं पहनने को लालायित रहती हैं, क्या आपने कभी सोचा है? हिंदू लड़कियों के लिए हिजाब उनका गर्व या प्राइड क्यूं नहीं बनता है क्या आपने सोचा है? ये सिर्फ़ रुढ़िवादी मुस्लिम परिवार में पैदा हुई लड़कियां ही क्यूं कहती हैं?

कोई भी बच्चा 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता है। ये इतनी बड़ी पीड़ादायक परंपरा है, जो आप 'नशे' में रहते हुवे सोच भी नहीं सकते। कोई भी लड़का स्वयं से कभी कोटा जा कर 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता। धर्म में तो फिर भी आप्शन है और लड़के वहां बगावती हो जाते हैं, वो नमाज़ नहीं पढ़ते हैं, पूजा नहीं करते हैं, मगर शिक्षा के मामले में आपने कोई भी आप्शन अपने बच्चों के आगे नहीं छोड़ा होता है।

यहां तक कि अगर आपका बेटा घर पर बैठकर ओपन स्कूल से स्टडी करना चाहे, जो कि सरकारी तौर पर उतना ही मान्य है. जितना रेगुलर बोर्ड, तो आप उसे वो भी आप्शन नहीं देते हैं। आपको इस तरह का नशा है, बच्चों को स्कूल भेजने का, कोटा भेजने का, कोचिंग में भेजने का कि आपके घरों में इसके आलावा कोई बात ही नहीं होती है। अब बारहवीं कर लिया तो अब आगे क्या, जाओ कोचिंग करो, ये एग्जाम निकालो, वो पास करो ये करो वो करो। बस!

कोटा, कोचिंग, स्कूल और कॉलेज आपके बनाए हैं। वयस्कों ने बनाया है। बच्चों ने नहीं बनाया है। आपने बच्चों के लिए पार्क में आठ घंटे खेलने का आप्शन बनाया होता, वो आठ घंटे खेलते। आपने उन्हें 'कोटा' का ही एक आप्शन दिया है। जीवन में तो वो बेचारे उसे न चुनें तो और क्या चुनेंगे?

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कचरे पर न्यायपालिका के निर्देश और सच्चाई

सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और पहली अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने कहा है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'अब नहीं तो कभी नहीं' और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापौरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार 'लीड फैसिलिटेटर' बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे।

सुनील कुमार महला
लेखक

लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियां सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए। अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुर्माना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना। ये सभी निर्देश, इसलिए दिए गए हैं ताकि पहली अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

ताले का आविष्कार

ताला मानव सभ्यता के सबसे प्राचीन सुरक्षा साधनों में से एक है। माना जाता है कि ताले का प्रारंभ लगभग चार हजार वर्ष पूर्व हुआ। सबसे पुराने ताले प्राचीन मिस्र तथा मेसोपोटामिया में पाए गए हैं। ये ताले प्रायः लकड़ी के बने होते थे और कुंडी-खूंटी की विशेष व्यवस्था पर आधारित थे। जब चाबी भीतर डाली जाती थी, तो लकड़ी की खूंटियां ऊपर उठती थीं और द्वार खुल जाता था।

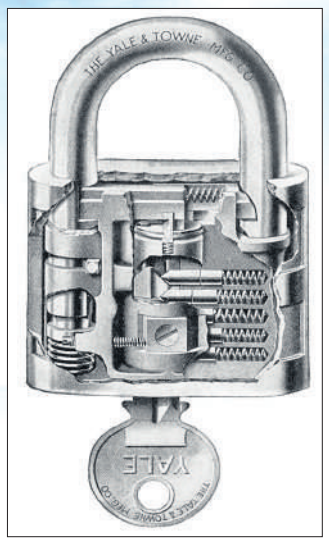

इसके पश्चात प्राचीन रोम में धातु के ताले और चाबियां बनने लगीं। रोमन शिल्पकारों ने लोहे और पीतल से छोटे, परंतु अधिक सुदृढ़ ताले बनाए। इससे सुरक्षा की व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई। मध्यकाल में यूरोप में ताले केवल सुरक्षा का साधन ही नहीं रहे, बल्कि उन पर सुंदर नक्काशी और कलात्मक आकृतियां भी बनाई जाने लगीं।

आधुनिक ताले के विकास में उन्नीसवीं शताब्दी का विशेष योगदान रहा। सन् 1861 में अमेरिकी आविष्कारक लिनस येल जूनियर ने आधुनिक पिन-टंबलर सिलिंडर लॉक का पेटेंट कराया। यह प्रणाली आज भी व्यापक रूप से प्रचलित है और "येक लॉक" के नाम से जानी जाती है। इसने ताले को अधिक सुरक्षित, छोटा और उपयोग में सरल बना दिया। इस प्रकार ताले का आविष्कार किसी एक व्यक्ति की देन नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों में विकसित हुई तकनीकों का परिणाम है। प्राचीन लकड़ी के साधारण ताले से लेकर आज के अंक-संकेत तथा अंगुली-छाप से खुलने वाले आधुनिक तालों तक, ताले ने मानव जीवन में सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैज्ञानिक के बारे में

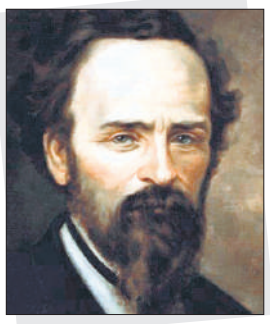

लिनस येल जूनियर का जन्म 4 जून 1821 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में हुआ था। उनके पिता लिनस येल सीनियर भी ताला निर्माण के क्षेत्र में कुशल कारीगर और आविष्कारक थे, जिससे उन्हें बचपन से ही इस कार्य का अनुभव मिला। येल जूनियर ने प्रारंभ में बैंक तिजोरियों की सुरक्षा प्रणाली पर काम किया, लेकिन बाद में छोटे और सुरक्षित सिलिंडर ताले के विकास में जुट गए। वे अत्यंत परिश्रमी और नवाचारप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। 1868 में उनका निधन हो गया, किंतु उनका आविष्कार आज भी विश्वभर में प्रचलित है।

सीपियां: जलीय दुनिया की खामोश नायिकाएं

नदी की तलहटी में आधी गड़ी हुई या समुद्र के किनारे चट्टानों से चिपकी हुई सीपों में न तो कोई चमक-दमक होती है, न कोई तेज गति। वे न दिखावटी हैं, न ही हमारी रोजमर्रा की नजरों में आती हैं। फिर भी पूरी जलीय दुनिया बहुत हद तक इन्हीं खामोश जीवों पर टिकी हुई है। अगर सीपों को एक पंक्ति में समझना हो, तो कहा जा सकता है कि वे पानी की सफाईकर्मी हैं और ऐसे सफाईकर्मी, जो बिना थके, बिना रुके अपना काम करते रहते हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

एक सीप प्रतिदिन 20-40 लीटर छान सकती है पानी

सीप अपने शरीर में लगातार पानी खींचती हैं। इस पानी में मौजूद गंदगी, सूक्ष्म कण, बैक्टीरिया, शैवाल, रसायन और यहां तक कि भारी धातुओं को भी वे छान लेती हैं और अपेक्षाकृत साफ पानी वापस पर्यावरण में छोड़ देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, सामान्य आकार की एक सीप प्रतिदिन 20 से 40 लीटर तक पानी छान सकती है। अब कल्पना कीजिए, यदि किसी नदी, झील या समुद्री तट पर हजारों या लाखों सीपें हों, तो वे कितनी विशाल मात्रा में पानी को स्वाभाविक रूप से साफ रखती होंगी। दुनियाभर में सीपों की 1200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से लगभग 1000 प्रजातियां मीठे पानी में और शेष समुद्री जल में निवास करती हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मीठे पानी की सीपों की सबसे अधिक विविधता उत्तरी अमेरिका में मिलती है, जहां अकेले लगभग 300 प्रजातियां मौजूद हैं। यूरोप में करीब 16 प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि एशिया में भी मीठे पानी और समुद्री, दोनों तरह की सीपों की संख्या काफी अधिक है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया के देश सीपों की जैव विविधता और खेती दोनों के लिए जाने जाते हैं।

जीवन चक्र और मोती बनने की प्रक्रिया

सीपों की बनावट देखने में सरल, लेकिन कार्य में अत्यंत प्रभावशाली होती है। दो मजबूत खोलों के भीतर उनका कोमल शरीर सुरक्षित रहता है। ये खोल कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं, जिसे सीपें पानी से धीरे-धीरे लेकर परत-दर-परत जमा करती रहती हैं। यही कारण है कि उनका खोल जीवनभर बढ़ता रहता है। मोती बनने की प्रक्रिया भी इसी से जुड़ी है। जब कोई बाहरी कण सीप के शरीर के भीतर फंस जाता है, तो वह उसे ढंकने के लिए कैल्शियम की परतें चढ़ती जाती हैं और समय के साथ वही कण मोती का रूप ले लेता है। सीपों का जीवन चक्र भी कम रोचक नहीं है। समुद्री सीपें अपने अंडे और शुक्राणु पानी में छोड़ती हैं, जिनसे सूक्ष्म लार्वा बनते हैं। ये लार्वा कुछ समय तक समुद्र में स्वतंत्र रूप से तैरते रहते हैं और फिर किसी ठोस सतह चट्टान, खोल या तट से चिपककर स्थायी जीवन शुरू करते हैं। मीठे पानी की कई सीपें इससे भी अनोखा तरीका अपनाती हैं। उनके लार्वा कुछ समय तक मछलियों के गलफड़ों या पंखों से चिपककर रहते हैं। इससे उन्हें सुरक्षित वातावरण मिलता है और वे दूर-दूर तक फैल पाती हैं। बाद में वे नदी की तलहटी में गिरकर स्वतंत्र जीवन शुरू करती हैं। यानी सीपें केवल पानी पर नहीं, बल्कि मछलियों पर भी निर्भर करती हैं। यदि मछलियां कम हों, तो सीपों का भविष्य भी संकट में पड़ जाता है। सीपों की एक और विशेषता उनकी लंबी उम्र है। समुद्री सीपें आमतौर पर 10 से 20 वर्ष तक जीवित रहती हैं, जबकि मीठे पानी की कई प्रजातियां 50 से 100 वर्ष तक भी जी सकती हैं।

सीपों के लिए चुनौती बनता समुद्र का अम्लीयकरण

पिछले कुछ दशकों में स्थिति चिंताजनक होती गई है। मीठे पानी की लगभग एक हजार प्रजातियों में से अधिकांश या तो संकटग्रस्त हैं या तेजी से घट रही हैं। पोलैंड, क्रोएशिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बड़े पैमाने पर सीपों की मृत्यु दर्ज की गई है। लंदन की टेम्स नदी में पिछले 60 वर्षों में मीठे पानी की लगभग सारी सीपें समाप्त हो चुकी हैं। उत्तरी अमेरिका में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे पानी की सीप प्रजातियां संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर हैं। इन संकटों के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पानी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, ग्रीष्म लहरें तीव्र हो रही हैं। जब नदी या समुद्र का पानी अचानक बहुत गर्म हो जाता है, तो सीपें उसे सहन नहीं कर पातीं और बड़े पैमाने पर मर जाती हैं। इसके साथ ही रासायनिक प्रदूषण, माइक्रोप्लास्टिक, नदियों का प्राकृतिक बहाव बदलना, बांध, खनन और शहरी सीवेज इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। महासागरों में समुद्र का अम्लीकरण भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कार्बन डाइऑक्साइड के घुलने से पानी अम्लीय हो रहा है, जिससे सीपों के खोल बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। शिशु सीपें तो कई बार खोल बना ही नहीं पातीं।

सीप की खेती

एशिया में सीपों की खेती समुद्र और इंसान के पुराने रिश्ते का विस्तार है। चीन, जापान, थाईलैंड और वियतनाम में सीपों को 'उगाया' नहीं जाता, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण दिया जाता है, जहां वे स्वाभाविक रूप से पनप सकें। समुद्र के किनारे बांस, रस्सियों और टाइलों पर लार्वा चिपक जाते हैं और फिर समुद्र अपना काम करता है। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है। दुनिया में उत्पादित समुद्री सीपों का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। यह खेती लाखों लोगों को रोजगार देती है-मछुआरों से लेकर रेस्तरां और निर्यात तक। सीपों का उपयोग केवल भोजन तक सीमित नहीं है। उनके खोलों से चूना, खाद और निर्माण सामग्री बनती है। भोजन के रूप में वे प्रोटीन, जिंक, आयरन और ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं। अगर सीपें कम होती गईं, तो पानी की गुणवत्ता गिरेगी, शैवाल विस्फोट बढ़ेंगे, मछलियां मरेंगी और तटीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ जाएगी।

समुद्र के छुपे हुए सफाईकर्मी

समुद्री सीपें तटीय इलाकों के लिए जीवन-रेखा जैसी हैं। वे पानी साफ रखती हैं, तटों को कटाव से बचाती हैं, छोटी मछलियों और केकड़ों को आश्रय देती हैं और मत्स्य उत्पादन को स्थिर बनाए रखती हैं। जहां सीपों की चट्टानें होती हैं, वहां जैव विविधता कई गुना बढ़ जाती है। एशियाई देशों विशेषकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में सीपों की गिरावट का असर प्रवाल भित्तियों और मछली जीवन पर साफ दिखने लगा है। बढ़ता तापमान, पर्यटन से फैला कचरा, प्लास्टिक और तटीय विकास इन नाजुक तंत्रों को कमजोर कर रहे हैं। फिर भी उम्मीद बाकी है। वॉशिंगटन डीसी की एनाकोस्टिया नदी में सीपों की मदद से पानी साफ किया जा रहा है। यह दिखाता है कि अगर हम पानी को साफ करें, तो सीपें लौट सकती हैं। सीपों में अनुकूलन की अद्भुत क्षमता होती है। हर सामूहिक मृत्यु के बाद कुछ सीपें बचती हैं और वही नई पीढ़ी की नींव बनती हैं। यही उम्मीद है। इन खामोश सफाईकर्मियों को बचाना, दरअसल अपने जल, अपने पर्यावरण और अपने भविष्य को बचाना है।

मरीन लाइफ

समुद्र की सतह पर धूप सेंकती रहस्यमयी मछली

समुद्र की अथाह गहराइयों में एक ऐसा जीव भी रहता है, जिसे देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता कि यह मछली है। समुद्री सनफिश या मोलामोला, दुनिया की सबसे भारी अस्थि-मछली मानी जाती है। इसका गोल, पार्श्व रूप से चपटा शरीर और विशाल पंख इसे समुद्री दुनिया का अनोखा आकर्षण बनाते हैं। वयस्क सनफिश का वजन 2,000 किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है और इसकी लंबाई 10 फीट तक पहुंच सकती है। इतनी विशाल काया के बावजूद इसका पसंदीदा भोजन है- जेलीफिश। जेलीफिश लगभग पूरी तरह पानी से बनी होती हैं और उनमें पोषक तत्व बेहद कम होते हैं। इसलिए सनफिश को अपनी

ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में जेलीफिश निगलनी पड़ती है। यही कारण है कि वे लगातार भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करती हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये मछलियां हजारों किलोमीटर की समुद्री यात्रा कर सकती हैं और 600 मीटर से अधिक गहराई तक गोता लगा सकती हैं।

इनकी वृद्धि दर आश्चर्यजनक है। नवजात सनफिश का वजन एक ग्राम से भी कम होता है, लेकिन वयस्क होने पर यह अपने जन्म वजन से लगभग 6 करोड़ गुना बड़ी हो सकती है। यह आकार परिवर्तन जीव जगत में सबसे चौंकाने वाले विकासों में से एक है। हालांकि वयस्क सनफिश का आकार उन्हें अधिकांश शिकारियों से सुरक्षित रखता है, फिर भी मध्यम आकार की सनफिश समुद्री शेर, किलर व्हेल और बड़ी शार्क का शिकार बन जाती हैं। कैलिफोर्निया के समुद्री शेरों द्वारा छोटी सनफिश के पंख काटकर उन्हें खेल की वस्तु की तरह उछालना समुद्री व्यवहार का एक विचित्र उदाहरण है। प्रजनन के विषय में अभी भी कई रहस्य बने हुए हैं। मादा सनफिश एक बार में 3 से 30 करोड़ तक अंडे दे सकती है, जो किसी भी अन्य कशेरुकी जीव से अधिक है। नर उसी समय पानी में शुक्राणु छोड़ते हैं, जिससे निषेचन की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि वैज्ञानिक अब भी यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि वे समूह में प्रजनन करती हैं या जोड़े में। समुद्री सनफिश न केवल आकार में विशाल है, बल्कि अपने रहस्यों और अद्भुत जीवनशैली के कारण समुद्री जगत की सबसे रोचक प्रजातियों में से एक है।

वैज्ञानिक फैक्ट

जीवन से भरपूर है मिट्टी

हम अक्सर मिट्टी को केवल धूल या जमीन का एक साधारण हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में मिट्टी जीवन का विशाल और अद्भुत संसार अपने भीतर समेटे हुए है। वैज्ञानिकों के अनुसार मिट्टी के केवल एक चम्मच में जितने सूक्ष्मजीव पाए जाते हैं, उनकी संख्या पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों से भी अधिक हो सकती है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि मिट्टी कितनी जीवंत और महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार मिट्टी में लाखों प्रजातियां और अरबों जीव पाए जाते हैं। इनमें बैक्टीरिया, शैवाल, कवक, सूक्ष्म कीट, केंचुए, भृंग, चींटियां, घुन और कई अन्य जीव शामिल हैं। ये सभी मिलकर पृथ्वी पर कहीं भी पाए जाने वाले जैव द्रव्यमान का सबसे बड़ा संकेंद्रण बनाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी पृथ्वी का सबसे व्यस्त और सक्रिय पारिस्थितिक तंत्र है।

मिट्टी के ये सूक्ष्मजीव केवल संख्या में अधिक नहीं होते, बल्कि अत्यंत उपयोगी भी होते हैं। बैक्टीरिया और कवक मृत पौधों और जीवों को विघटित करके उन्हें पोषक तत्वों में बदलते हैं। यही पोषक तत्व फसलों और पेड़ों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें स्वस्थ विकास में मदद करते हैं। केंचुए मिट्टी को भुरभुरी बनाकर उसमें हवा और पानी के प्रवाह को बेहतर करते हैं, जिससे पौधों की जड़ें आसानी से फैल सकें।

स्वस्थ मिट्टी केवल कृषि के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करती है। साथ ही, यह वर्षा के पानी को सोखकर भूजल स्तर को बनाए रखने में सहायक होती है। यदि मिट्टी की गुणवत्ता घटती है, तो इसका सीधा असर खाद्य उत्पादन, जल संसाधनों और जैव विविधता पर पड़ता है।

आज रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण के कारण मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है। इसलिए जरूरी है कि हम जैविक खेती, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दें। मिट्टी को बचाना दरअसल जीवन को बचाना है, क्योंकि यही धरती का वह आधार है, जिस पर हमारा पूरा अस्तित्व टिका हुआ है।

उड़न तश्तरियों का रहस्य

क्या अनंत अंतरिक्ष की गहराइयों में हम अकेले हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है कि इस सवाल ने सदियों से इंसानों को परेशान रखा है। इसके पक्ष-विपक्ष में सैकड़ों तर्क-वितर्क दिए जाते हैं। जब भी आकाश में कोई अज्ञात चमकती हुई वस्तु या अजीब आकार का यान दिखाई देता है, तो उसे 'उड़न तश्तरी' या UFO (Unidentified Flying Object) का नाम दे दिया जाता है। आधुनिक समय में, वैज्ञानिक इसे UAP (Unidentified Anomalous Phenomena) कहते हैं। उड़न तश्तरियों का रहस्य केवल कल्पना मात्र नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और दर्शन का एक जटिल मिश्रण बन चुका है।

-फीचर डेस्क

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य या कल्पना की शुरुआत

उड़न तश्तरियों का आधुनिक इतिहास 24 जून 1947 को शुरू हुआ। अमेरिकी पायलट केनेथ अर्नोल्ड ने वाशिंगटन राज्य में माउंट रेनियर के पास नौ चमकदार वस्तुओं को एक अजीब गति से उड़ते देखा। उन्होंने उनके उड़ने की शैली का वर्णन करते हुए कहा, "वे पानी पर फेंकी गई तश्तरी (Saucer) की तरह उछल रहे थे।" अखबारों ने इस वाक्यांश को 'फ्लाइंग सॉसर' (Flying Saucer) बना दिया और यहीं से इस शब्द ने वैश्विक पहचान बनाई।

उसी वर्ष न्यू मेक्सिको के रोजवेल में एक कथित दुर्घटना हुई, जिसने इस रहस्य को और गहरा कर दिया, हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे एक मौसम संबंधी गुब्बारा बताया, लेकिन साजिश के सिद्धांतों (Conspiracy Theories) ने जोर पकड़ा कि सरकार ने एलियंस के मलबे और उनके शरीर को छिपा लिया है।

प्राचीन सभ्यताओं में संकेत

दिलचस्प बात यह है कि उड़न तश्तरियों के प्रमाण केवल आधुनिक युग तक सीमित नहीं हैं। भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'विमानों' का वर्णन मिलता है, जो हवा में अविश्वसनीय गति से उड़ सकते थे। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की गुफाओं में मिले 10,000 साल पुराने शैलचित्रों में ऐसी आकृतियां देखी गई हैं, जो आधुनिक अंतरिक्ष यात्रियों और तश्तरीनुमा यानों जैसी दिखती हैं। इसी तरह प्राचीन मिस्र, सुमेरियन और माया सभ्यताओं की कलाकृतियों में भी 'आकाश से आए देवताओं' और उनके उड़ने वाले रथों का उल्लेख मिलता है, जिसे आज के 'प्राचीन अंतरिक्ष यात्री सिद्धांतवादी' (Ancient Alien Theorists) एलियंस के आगमन से जोड़कर देखते हैं।

रहस्य या रणनीति

दशकों तक UFO को केवल लोगों का भ्रम या कल्पना माना गया, लेकिन 2017 के बाद परिदृश्य बदल गया। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने आधिकारिक तौर पर तीन वीडियो जारी किए, जिन्हें नौसेना के पायलटों ने रिकॉर्ड किया था। इन वीडियो में 'टिक-टैक' (Tic-Tac) आकार की वस्तुएं भौतिकी के नियमों को धता बताते हुए समुद्र के ऊपर उड़ती दिखीं।

सरकारें अब इसे 'एलियंस' के बजाय 'राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे' के रूप में देख रही हैं। चिंता इस बात की है कि क्या चीन या रूस जैसे प्रतिस्पर्धी देशों ने ऐसी कोई 'हाइपरसोनिक' तकनीक विकसित कर ली है, जो अमेरिकी रडार को चकमा दे सके। इसी कारण से अमेरिका ने 'AARO' नामक विभाग बनाया है, जो इन घटनाओं की वैज्ञानिक जांच करता है।

भौतिक विज्ञान की चुनौतियां

UFO की सबसे रहस्यमयी बात उनकी गतिशीलता है। चश्मदीदों और रडार डेटा के अनुसार, ये वस्तुएं अचानक स्थिर अवस्था से हजारों मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती हैं। वे बिना किसी पंख (wings) या स्पष्ट प्रोपल्शन इंजन के उड़ती हैं और 'सोनिक बूम' पैदा किए बिना ध्वनि की गति को पार कर जाती हैं। भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, इतनी तीव्र गति से दिशा बदलने पर किसी भी मानव शरीर या पारंपरिक विमान के परखच्चे उड़ सकते हैं। यह संकेत देता है कि यदि ये यान वास्तविक हैं, तो इनके पास 'गुरुत्वाकर्षण-विरोधी' (Anti-gravity) तकनीक है, जो वर्तमान मानव विज्ञान की समझ से बहुत आगे है।

मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव

उड़न तश्तरियों के रहस्य का एक पहलू सामूहिक मनोविज्ञान भी है। शीत युद्ध के दौरान, आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं का डर अक्सर जासूसी विमानों का होता था। वहीं, हॉलीवुड फिल्मों (जैसे E.T., Independence Day) ने हमारे मन में एलियंस की एक खास छवि गढ़ दी है। कई बार लोग तारों, ग्रहों (विशेषकर शुक्र), उपग्रहों (जैसे एलन मस्क की स्टारलिंक सेटेलाइट) या पक्षियों के झुंड को गलती से UFO समझ लेते हैं।

उड़न तश्तरियों का रहस्य आज भी अनसुलझा है, हालांकि अब तक कोई ऐसा ठोस प्रमाण सार्वजनिक नहीं हुआ है, जो यह साबित कर सके कि ये यान किसी दूसरे ग्रह से आए हैं, लेकिन हजारों की संख्या में विश्वसनीय गवाह (पायलट, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी) इस बात की पुष्टि करते हैं कि आसमान में कुछ ऐसा है, जो हमारी समझ से परे है। ब्रह्मांड की विशालता को देखते हुए, जहां अरबों आकाशगंगाएं और अनगिनत पृथ्वी जैसे ग्रह हैं, यह मानना तर्कसंगत लगता है कि हम अकेले नहीं हैं। शायद उड़नतश्तरियां केवल यान नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के उस सत्य का द्वार हैं, जिससे हमारा सामना होना अभी बाकी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,248.61	25,496.55
गिरा/बढ़त	27.46	14.05
प्रतिशत में	0.03	0.06

सोना 1.62 लाख प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,70,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

फूड ऐप 'टोइंग' का एनसीआर में प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। किफायती फूड डिलिवरी ऐप टोइंग ने दिल्ली-एनसीआर में विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अब टोइंग दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध होगा। यह पुणे, आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी, नासिक और नागपुर में पहले से उपलब्ध है। कंपनी अपने ऐप पर खाद्य पदार्थों की सबसे कम कीमतों का दावा करती है। इसके अलावा, किसी भी ऑर्डर पर कोई पैकेजिंग शुल्क या प्लेटफॉर्म शुल्क नहीं लेती है।

इनविट निवेशकों को तिमाही में मिला 5,565 करोड़ का 'रिटर्न'

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार में सूचीबद्ध अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में करीब चार लाख यूनिटधारकों को कुल 5,565 करोड़ रुपये का 'रिटर्न' वितरित किया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में यूनिटधारकों को 4,287 करोड़ रुपये का रिटर्न या प्रतिफल मिला था। भारत इनविट संघ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एन. एस. वेंकटेश ने कहा, इनविट परिवेश तंत्र विस्तार के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें घरेलू एवं वैश्विक निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है।

बंधन बैंक में बड़ी हिस्सेदारी खरीदेगा एसबीआई

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसबीआई म्यूचुअल फंड के बंधन बैंक में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बंधन बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने 25 फरवरी, 2026 के पत्र के माध्यम से एसबीआई म्यूचुअल फंड को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में अधिकतम 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी अधिग्रहीत करने की अनुमति प्रदान की है।

आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आवेदक पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रस्तावित प्रमुख हिस्सेदारी हासिल नहीं करता है, तो मंजूरी स्वत: निरस्त मानी जाएगी। साथ ही एसबीआई म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों के 9.99 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

डब्ल्यूटीओ में भारत की व्यापार नीति की समीक्षा जुलाई में होगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा इस साल जुलाई में होगी। इस दौरान सदस्य देशों की तरफ से भारत की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि व्यापार नीतियों की इस समीक्षा से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में भारत के डिजिटल कस्टम सुधारों और व्यापार सुगमता समझौते के क्रियान्वयन को प्रस्तुत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीबीआईसी के सदस्य (सीमा शुल्क) सुरजीत भुजबल ने किया।

विकसित यूपी का संकल्प

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागाशाकी से भेंट कर विकास और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। नागाशाकी ने आगामी अगस्त माह में 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश आने का प्रस्ताव दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन और ग्रीन हाइड्रोजन समेत अनेक क्षेत्रों में सहयोग के एमओयू साइन हुए।

यूपी को 'डीप टेक कैपिटल' बनाएगा आईआईटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एचसीएल टेक और आईआईटी मिलकर आगे बढ़ाएंगे डीप टेक इनोवेशन
- एआई, रोबोटिक्स पर अनुसंधान आधारित नवाचार पूरी करेगा उद्योगों की वास्तविक जरूरत

अमृत विचार। प्रदेश को डीप टेक स्टार्टअप्स का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार जिस तरह बड़े कदम उठा रहा है, उससे टैलेंट, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स की बुनियाद पर देश में यूपी 'डीप टेक कैपिटल' बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है।

डीप टेक इनोवेशन को मजबूत करने के लिए गुरुवार को एचसीएल टेक और आईआईटी के बीच हुई साझेदारी ने इसी बात को साबित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ पहले ही आईआईटी में हुए देश के पहले डीपटेक सम्मेलन में आईआईटी कानपुर को डीप टेक इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बनाने की घोषणा कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने भी इसी माह डीपटेक स्टार्टअप के लिए टर्नओवर सीमा बढ़ाकर 300 करोड़ की है।

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक और आईआईटी कानपुर ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान को वास्तविक पायलट प्रोजेक्ट्स और स्केलेबल समाधानों में बदलने के लिए गुरुवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए उन्नत तकनीकी समाधान विकसित करना और रिसर्च को इंडस्ट्री से जोड़ना है। यह साझेदारी उन्नत अभियांत्रिकी और डीप टेक के क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देते हुए, अनुसंधान-आधारित नवाचार को सक्षम बनाने के लिए एचसीएल टेक को विश्वसनीय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर भागीदार के रूप में स्थापित करेगी। इस पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और अन्य उभरती तकनीकों पर संयुक्त शोध किया जाएगा। मकसद नई तकनीकों को प्रयोगशाला से निकालकर उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तैयार करना होगा। एचसीएलटेक की इंडस्ट्री विशेषज्ञता और आईआईटी की अकादमिक क्षमता मिलकर ऐसे समाधान विकसित करेंगे जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होंगे। इस साझेदारी युवाओं और छात्रों को स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री एक्सपोजर के नए अवसर मिलेंगे। इससे भविष्य के टेक लीडर्स तैयार होंगे। यह साझेदारी देश के डीप टेक इकोसिस्टम को गति देने, रिसर्च को व्यावहारिक समाधान में बदलने और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर का उल्लेख जरूरी

सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट सम्बंधी सामग्री डालने पर सेबी के निर्देश, एक मई से होंगे लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा
- एजेंट को प्रत्येक पोस्ट में पंजीकरण ब्योरा देना अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अपने नियमन दायरे में आने वाली सभी इकाइयों और उनके एजेंट को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या का उल्लेख करें।

सेबी का यह निर्देश शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड कंपनियों, संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमएसी), निवेश सलाहकार, शोध विश्लेषक, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), पोर्टफोलियो प्रबंधकों और अन्य पर लागू होगा। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा, ''''सोशल मीडिया के इस्तेमाल और स्वीकार्यता में तेजी से बढ़ोतरी होने के साथ इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को सोशल मीडिया पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकरण संख्या और नाम बताया जाना चाहिए।'' ये नियम एक मई 2026 से लागू हो जाएगा।

बाजार नियामक ने कहा कि इससे निवेशक यह पहचान सकेगा कि सोशल मीडिया पर डाली गई सामग्री सेबी के नियमन वाली इकाई या उसके एजेंट की तरफ से डाली गई है। इसके साथ ही सेबी ने कहा कि कई पंजीकरण रखने वाली इकाइयों को अपने होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा और हर सामग्री में जरूरी पंजीकरण ब्योरा देना होगा।

इसके अलावा, एजेंट को अपने पंजीकरण ब्योरे के साथ प्रमुख इकाई के पंजीकरण ब्योरे की भी जानकारी देनी होगी। इन नए नियमों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों का संरक्षण करना है। ये नियम एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग 'गलत बात' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अनवेष-2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं है को ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है। मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं। पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की।

सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण'' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए 'सुपरसाइकल' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 'सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सीमित खदान उत्पादन, प्रमुख बाजारों में घटते भंडार और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण वैश्विक भौतिक आपूर्ति में कमी ने भी कीमती धातुओं की कीमतों को उच्चस्तर पर बनाये रखा है। घरेलू बाजार में, रुपये के मूल्य में गिरावट और खुदरा खरीदारों की मजबूत लिवाली से मांग में वृद्धि हुई है।

बंद होंगे रिटायरमेंट और चिल्ड्रेन फंड्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड उद्योग में बड़ा संरचनात्मक बदलाव करते हुए स्कीमों के कैटेगराइजेशन और रेशनलाइजेशन का नया ढांचा लागू करते हुए 'सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीम' कैटेगरी समाप्त कर दी है। इसमें मुख्य रूप से रिटायरमेंट और चिल्ड्रन फंड शामिल थे। अब इन स्कीमों को समान एसेट एलोकेशन और जोखिम प्रोफाइल वाली अन्य श्रेणियों में विलय किया जाएगा। इसके लिए सेबी ने 'लाइफ साइकिल फंड' नामक नई श्रेणी बनाई है, जिसे अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी माना जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य निवेशकों को भ्रम से बचाना, स्कीमों के नाम और निवेश रणनीति में एकरूपता लाना है।

'लाइफ साइकिल फंड' वैज्ञानिक मॉडल

- 5 से 30 वर्ष की पूर्व निर्धारित अवधि
- लक्ष्य वर्ष जैसे 2045, 2055 के साथ स्कीम का नाम
- परिपक्वता नजदीक आने पर इक्विटी घटेगी और डेट बढ़ेगी
- गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ व अन्य एसेट क्लास में सीमित निवेश

स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों पर रोक

सेबी "टू टू लेवल" सिद्धांत सख्ती से लागू कर रहा है। इसका अर्थ है कि स्कीम का नाम, उसका निवेश उद्देश्य, एसेट एलोकेशन और वास्तविक पोर्टफोलियो सभी एक-दूसरे से पूरी तरह मेल खाते हों। लेकिन सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमें इस कसौटी पर खरी नहीं उतर रही थीं। नाम लक्ष्य आधारित, पर निवेश रणनीति व्यापक और कई बार अस्पष्ट होता था। नए ढांचे में सेबी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों के प्रयोग पर रोक रहेगी और श्रेणी के हिसाब से नामकरण होगा।

भ्रम हटेगा, समझ बढ़ेगी

वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह का कहना है कि मौजूदा निवेशकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनकी स्कीमें सीधे बंद नहीं होंगी, बल्कि समान संरचना वाली श्रेणी में समाहित की जाएंगी। हालांकि, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए। सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमों का बंद होना केवल एक श्रेणी का अंत नहीं, बल्कि म्यूचुअल फंड उद्योग के परिपक्व होने का संकेत है। लक्ष्य आधारित निवेश की अवधारणा खत्म नहीं हुई है, बल्कि उसे और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी रूप में प्रस्तुत किया गया है। लंबी अवधि में यह कदम निवेशकों को बेहतर समझ, कम भ्रम और अधिक पारदर्शिता प्रदान करेगा। नियामकीय दृष्टि से यह सुधार उत्पादों की संख्या से अधिक गुणवत्ता पर जोर देने वाला है।

कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना है। यह कदम नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव को गति प्रदान करेगा। श्री प्रसाद यहां 'इंडिया एनर्जी' शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बताया कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसको देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। देश में बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर की धीमी गति को देखते हुए यह नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक व्यवहारिक बनाने में भी सहायक हो सकता है। प्रसाद ने कहा, 'कार्बन ट्रेडिंग मंच सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और सितंबर तक इसके शुरू होने की पूरी संभावना है।

ट्रैफिक रूल तोड़े तो कटेंगे नम्बर निलम्बित होगा लाइसेंस

नई, दिल्ली, एजेंसी

- जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली की तैयारी

सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए ''ग्रेड'' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, हम ड्राइविंग लाइसेंस में ''ग्रेडेड अंक प्रणाली'' ला रहे हैं।' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेट का उपयोग न करने से 54,122, सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई।

20 लाख तक की प्रॉपर्टी पर पैन से मिल सकती है राहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छोटा घर या 20 लाख रुपये तक की जमीन खरीदने का सपना देखने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। आयकर विभाग द्वारा प्रस्तावित नए आयकर नियमों के ड्राफ्ट में प्रॉपर्टी लेनदेन से जुड़े पैन अनिवार्यता नियमों में बदलाव का सुझाव दिया गया है। यह प्रस्ताव लागू होता है, तो कम कीमत की संपत्ति के खरीदारों को बड़ी सहूलियत मिल सकती है। वर्तमान में 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति जैसे मकान, प्लॉट या फ्लैट आदि की खरीद-फरोख्त में पैन देना अनिवार्य है। नए प्रस्ताव में इस सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की बात कही गई है। यानी 20 लाख रुपये से कम मूल्य की रजिस्ट्री में पैन देना जरूरी नहीं रहेगा।

छोटे शहरों और मध्यम वर्ग को मिलेगा फायदा

यह बदलाव खास तौर पर छोटे शहरों, कस्बों और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी माना जा रहा है, जहां अभी भी 20 लाख रुपये तक में संपत्ति उपलब्ध है। कर विशेषज्ञ और इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री सीए राहुल चंद्रा के अनुसार रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों को देखते हुए पैन अनिवार्यता की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना व्यावहारिक और समयानुकूल कदम है। इससे छोटे खरीदारों को राहत मिलेगी और अनुपालन प्रक्रिया भी सरल होगी।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन 'एस26'' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है। कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपये की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

जानकारी | नो कॉस्ट ईएमआई के छिपे हुए खतरे और नुकसान

नो कॉस्ट EMI क्या एक स्कैम है! जानिए बारीकियां

कारोबार डेस्क

तकनीकी रूप से यह कोई कानूनी "स्कैम" या धोखाधड़ी नहीं है, लेकिन यह मार्केटिंग का एक ऐसा खेल है जिसमें असली कीमत बारीक अक्षरों (फाइन प्रिंट) में छिपी होती है। यहाँ बताया गया है कि यह "नो कॉस्ट" का जादू असल में कैसे काम करता है:

"नो कॉस्ट" असल में आपको कैसे महंगा पड़ता है : बैंक और कंपनियां कभी भी मुफ्त में पैसा उधार नहीं देतीं। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंक ब्याज लेंगे ही, लेकिन उसे छिपाने के दो मुख्य तरीके अपनाए जाते हैं:

छिपे हुए खतरे और नुकसान : ब्याज पर जीएसटी: भले ही मर्चेंट ने आपको ब्याज पर छूट दे दी हो, लेकिन बैंक जो ब्याज लगाता है, उस पर आपको 18% जीएसटी अलग से देना पड़ता है। यह आपकी जेब से एक्स्ट्रा जाता है।

क्रेडिट स्कोर पर असर: हर ईएमआई एक तरह का लोन है। एक साथ कई ईएमआई चलाने से आपके क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।

फिजूलखर्ची: 50,000 की चीज़ जब 4,000 महीने पर दिखने लगती है, तो हम वो चीज़ें भी खरीद लेते हैं जिनकी ज़रूरत नहीं होती। इसे ही 'डेब्ट ट्रैप' कहते हैं।

क्या नो कॉस्ट ईएमआई आपके लिए फायदेमंद है?

- यह आपके लिए सही हो सकता है यदि: जो समान आप नो कॉस्ट ईएमआई पर खरीद रहे हैं वो आप वैसे भी खरीदने ही वाले थे।
- नकद भुगतान करने पर कोई अलग से एक्स्ट्रा डिस्काउंट नहीं मिल रहा हो।
- आप हर महीने समय पर किस्त चुकाने का अनुशासन रखते हों।
- **प्रो टिप:** पेमेंट करने से पहले 'टोटल इफेक्टिव प्राइस' ज़रूर देखें। अगर किस्तों का कुल योग और प्रोसेसिंग फीस मिलाकर एमआरपी से ज़्यादा है, तो वह 'नो कॉस्ट' नहीं है।

- डिस्काउंट का खेल (डिस्काउंट ऑफसेट)

यह सबसे आम तरीका है। बैंक आपसे ब्याज लेता है, लेकिन रिटेलर उस ब्याज के बराबर की छूट आपको शुरू में ही दे देता है। इस तरह आपको कुछ अतिरिक्त पैसा जाता नहीं दीखता।

उदाहरण: मान लीजिए आप 30,000 का फोन खरीदते हैं और उस पर ब्याज 3,000 है।

चाल: दुकानदार फोन की कीमत 27,000 कर देगा। बैंक आपसे 27,000 लेगा और उस पर 3,000 ब्याज जोड़ेगा। आप अंत में 30,000 ही चुकाएंगे, लेकिन बैंक को उसका मुनाफा मिल गया।

- प्रोसेसिंग फीस का 'झटका'

भले ही ब्याज 'माफ' दिख रहा हो, लेकिन लगभग हर नो कॉस्ट ईएमआई पर एक प्रोसेसिंग फीस लगती है। यह 199 से लेकर 1,000 तक हो सकती है। यह पैसा बैंक की सीधी कमाई है और यह कभी "फ्री" नहीं होता।

- नकद छूट (कैश डिस्काउंट) का नुकसान

अक्सर, अगर आप नकद या डेबिट कार्ड से पूरा भुगतान करते, तो आपको 5-10% की सीधी छूट मिल सकती थी। नो कॉस्ट ईएमआई चुनकर आप उस छूट को खो देते हैं, जिसका मतलब है कि वह सुविधा आपको महंगी पड़ी।

सोना तस्करी मामला: रान्या राव के खिलाफ ईडी ने दखिल की चार्जशीट

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने सोना तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, उनके सहयोगी तरुण कोंडुरु और बल्लारी के स्वर्ण व्यापारी साहिल साकरिया जैन के खिलाफ बेंगलुरु की विशेष अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच करीब 127.28 किलोग्राम विदेशी सोना अवैध रूप से भारत लाया गया। जौहरियों और बिचौलियों के नेटवर्क के जरिए इसे घरेलू बाजार में खपाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 102.55 करोड़ है। शुरुआत 3 मार्च 2025 को हुई, जब राजस्व खुफिया निदेशालय ने दुबई से लौटीं रान्या राव को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। अभिनेत्री के पास से 14.213 किलो सोने की छड़ें बरामद हुईं, बाद में उनके घर से 2.06 करोड़ के जेवर और 2.67 करोड़ की नकदी जब्त की गई।

भारी कमीशन और बार-बार यात्राएं

ईडी की जांच के अनुसार, रान्या राव ने तस्करी के लिए कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं। रिपोर्टों के मुताबिक, वह प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये तक का कमीशन लेती थीं। इस मामले में CBI ने DRI की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। मई 2025 में ED ने कर्नाटक के 16 स्थानों पर छापेमारी कर कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और विदेशी मुद्रा भी बरामद की थी, जिन्हें अब सबूत के तौर पर चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है।

ब्रिटेन: 40 साल पुराने हिंदू मंदिर पर बंद होने का खतरा, काउंसिल के बिक्री के फैसले से आक्रोश

लंदन/पीटरबरो, एजेंसी।

● 1986 से संचालित है मंदिर, फैसले के बाद प्रमुख हिंदू संस्थाओं ने जताया रोष

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में स्थित 40 साल पुराने 'भारत हिंदू समाज मंदिर' और कम्युनिटी सेंटर पर बंद होने का काला साया मंडरा रहा है। स्थानीय पीटरबरो सिटी काउंसिल ने उस ऐतिहासिक भवन को बेचने का निर्णय लिया है, जिसमें यह मंदिर 1986 से संचालित है।

इस फैसले ने न केवल स्थानीय हिंदू समुदाय बल्कि ब्रिटेन की प्रमुख हिंदू संस्थाओं में भी भारी रोष पैदा कर दिया है। न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स स्थित इस मंदिर से कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक और लिंकनशायर के लगभग 13,000 से अधिक हिंदू जुड़े हुए हैं। मंदिर प्रशासन का आरोप है कि काउंसिल ने यह फैसला बिना किसी पारदर्शिता या समुदाय की सहमति के "बंद दरवाजों के पीछे" लिया है। समुदाय का कहना है कि यह केवल एक संपत्ति का मामला नहीं, बल्कि उनकी आस्था और दशकों पुरानी विरासत से जुड़ा सवाल है।

'टैक्सपेयर्स के पैसे' का हवाला

लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं (Taxpayers) के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य सुनिश्चित करना उनकी कानूनी जिम्मेदारी है। काउंसिल कैबिनेट की बैठक में तर्क दिया गया कि वित्तीय घाटे को कम करने के लिए सार्वजनिक संपत्तियों का उचित मूल्य पर बेचना आवश्यक है।

हिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा

वहीं, हिंदू काउंसिल यूके ने काउंसिल के इस कदम की कड़ी निंदा की है। संस्था ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने मंदिर के "सामाजिक प्रभाव" और इसके स्वामित्व को समुदाय को हस्तांतरित करने की पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। मंदिर समिति अब इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई और सार्वजनिक अभियान चलाने की तैयारी कर रही है ताकि उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बेघर होने से बचाया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

अम्मान समझौते' के तहत 86 परिवारों को मिली आजादी

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वेदा में महीनों से जारी अशांति को शांत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। सीरियाई सरकार और सशस्त्र समूहों के बीच हुए 'अम्मान समझौते' के तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। इस मानवीय पहल के जरिए कुल 86 सीरियाई परिवारों को राहत मिली है। समझौते के तहत सशस्त्र समूहों ने अपहरण किए गए 25 नागरिकों को रिहा किया, जिसके जवाब में सीरियाई अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए 61 बंदियों को छोड़ दिया। सीरियाई आंतरिक प्राधिकरण के प्रवक्ता नूरुद्दीन अल-बाबा ने इसे तनाव कम करने और शांतिपूर्ण मार्ग बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए अभी भी कई चुनौतियां बरकरार हैं।

आदिवासी महिला पर हमले के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक गर्भवती आदिवासी महिला पर हमले के विरोध में गुरुवार को जमकर बवाल हुआ। जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य सचिवालय 'उत्तरकन्या' के घेराव की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। 23 दिसंबर को फांसीदेवा में जमीन विवाद के दौरान एक गर्भवती महिला पर हमला हुआ था, जिसमें उसके अजन्मे शिशु की मौत हो गई थी। प्रदर्शनकारी मुख्य आरोपी के लिए मृत्युदंड और फरार चार अन्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अल कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान की याचिका पर सुनवाई करेगा

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट अल-क़ादिर ट्रस्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सज़ा के निलंबन की मांग को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान और बुशरा बीबी की याचिका की सुनवाई 11 मार्च को करेगा। एक जवाबदेही अदालत ने 17 जनवरी 2025 को खान और बीबी को 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में क्रमश: 14 और सात साल की सज़ा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि दोनों ने इमरान के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन से पाकिस्तान भेजे गये 50 अरब रुपए वैध बनाने के बदले अरबों रुपए और बहरिया टाउन में सैकड़ों कनाल ज़मीन रिश्वत के तौर पर ली थी। दोनों ने इसी सिलसिले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का रुख़ किया।

ट्रंप टैरिफ नहीं लगाते तो बेहतर होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था :आईएमएफ

अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत, लेकिन शुल्क और बढ़ते कर्ज से जोखिम बरकरार : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष तेजी से बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी में कमी आ सकती है। हालांकि, संघीय बजट घाटा और बढ़ता सरकारी कर्ज स्थिरता के लिए जोखिम बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह बात कही। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ यानी आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बेहतर हो सकती थी।

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का समग्र आकलन पेश किया है। 191 देशों के संगठन का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बारे में आकलन मोटे तौर पर सकारात्मक है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) यानी वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल उत्पादन 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है। यह वृद्धि 2025 में दर्ज 2.2 प्रतिशत की दर से अधिक होगी।

आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह जाएगी। वहीं, महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि फेडरल रिजर्व रेपो दर को मौजूदा 3.6 प्रतिशत से दर को घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत तक ला सकता है। इसने 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की थी। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अमेरिकी रोजगार बाजार में '''' अत्यधिक गिरावट'''' आने की स्थिति को छोड़कर, सरकार को और अधिक कटौती करने से बचना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है।

आईएमएफ ने चेताया कि संरक्षणवादी व्यापार नीतियां अपेक्षा से अधिक आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। आईएमएफ ने संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में पिछले वर्ष के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक करीब 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

ट्रंप के टैरिफ पर और भी हैं तीखीं प्रतिक्रियाएं

यूरोपीय संघ (EU): 'डील इज ए डील'

समझौते पर संकट : यूरोपीय संघ ने कहा है कि एक बार हुआ समझौता बदला नहीं जाना चाहिए। ईयू ने अगस्त 2025 में हुए उस व्यापार समझौते के भविष्य पर सवाल उठाए हैं, जिसमें शुल्क को 15% की सीमा तक सीमित रखने की बात थी। यूरोपीय संसद ने इस नई अनिश्चितता के विरोध में अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के अनुसमर्थन पर फिलहाल रोक लगा दी है।

चीन: 'व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं'

चीन ने ट्रंप के शुल्कों को आर्थिक दादागीरी" करार दिया है। इससे पहले 2025 में जब अमेरिका ने भारी शुल्क लगाए थे, तो चीन ने भी अमेरिकी कोयले, एलएनजी (LNG) और कच्चे तेल पर 10% से 15% का जवाबी शुल्क लगाकर पलटवार किया था। चीन ने दुर्लभ मृदा धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जो अमेरिकी चिप और हथियार उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

109 साल बाद ब्रिटिश सरकार से युद्ध ऋण पर करोड़ों का दावा

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शहर के प्रसिद्ध दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते विवेक रूठिया ने दावा किया है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपये का 'युद्ध ऋण' लिया था, जो आज तक नहीं लौटाया गया। अब परिवार इस राशि की वसूली के लिए ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है।

65 वर्षीय विवेक रूठिया के अनुसार, साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के समय ब्रिटिश प्रशासन ने युद्ध प्रयासों के लिए स्थानीय धनाढ्य नागरिकों से आर्थिक सहायता मांगी थी। उन्हें अपने दादा की वसीयत में कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ब्रिटिश सरकार के साथ हुए इस लेनदेन का स्पष्ट उल्लेख है।

विवेक रूठिया ने 4 जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश 'पॉलिटिकल एजेंट' द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र पेश किया है। इसमें लिखा है— "सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपये दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

पश्चिम बंगाल चुनाव जीतेगी भाजपा, हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे : शाह

अररिया (बिहार), एजेंसी

● संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भाजपा आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कहा कि ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं। शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनसांख्यिकीय बदलाव का अध्ययन करने और सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जनसांख्यिकीय बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

शाह ने कहा कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत बिहार के सीमांचल क्षेत्र से होगी, जहां वे कुछ महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान चार दिन तक रुके थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आलोचना के बावजूद भाजपा ने बिहार चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। शाह ने कहा कि घुसपैठ रोकने में एसएसबी की अहम भूमिका है।

इतिहास सही पढ़ाते तो औरंगजेब नायक नहीं बनता: फडणवीस

मुंबई, एजेंसी

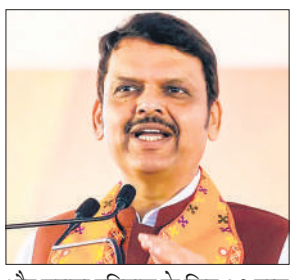

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को नायक नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि एनसीईआरटी की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किये हैं। औरंगजेब को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।

परमाणु वार्ता: युद्ध की आहट के बीच जिनेवा में कूटनीति का अंतिम अवसर

जिनेवा, एजेंसी

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और तेहरान के बीच गुरुवार को जिनेवा में तीसरे दौर की उच्चस्तरीय वार्ता हुई। इसे कूटनीति का आखिरी मौका माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफ टेबल पर बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव बनाने के लिए पश्चिम एशिया में युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों का भारी बेड़ा तैनात कर दिया है।

पिछले साल जून के बाद से दोनों देशों के बीच यह तीसरे दौर की सीधी बातचीत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वार्ता के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त सीमाएं थोपना चाहते हैं। वाशिंगटन का मानना है कि ईरान के भीतर बढ़ता नागरिक असंतोष और हालिया विरोध प्रदर्शन तेहरान को समझौते की मेज पर झुकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार, सैन्य तैनाती का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि ईरान पर कूटनीतिक दबाव बनाना भी है।

'विनाशकारी होगा युद्ध' : ईरान

दूसरी ओर, ईरान अपने रुख पर अडिग है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह यूरेनियम संवर्धन (Uranium Enrichment) के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

जिनेवा रवाना होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका हमला करता है, तो पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे उनके निशाने पर होंगे। कहा कि यह युद्ध किसी की जीत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए 'विनाशकारी' होगा। अराघची ने एक साक्षात्कार में कहा कि चूंकि अमेरिकी सैन्य ठिकाने पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैले हुए हैं, फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें जिनेवा वार्ता के नतीजों पर टिकी हैं, क्योंकि यहां से निकलने वाला निष्कर्ष तय करेगा कि क्षेत्र शांति की ओर बढ़ेगा या एक बड़े सैन्य संघर्ष की ओर।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपको अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे।

वृष आज सत्पुरुषों से संपर्क बढ़ेगा। विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

मिथुन आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। अनावश्यक विचारों से स्वयं को बचाएं। शांत और धैर्यवान होकर समस्या का समाधान खोजें।

कर्क आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी होगी। शरीर में थकावट व ऊर्जा की कमी महसूस करेंगे।

सिंह आज व्यवसाय में धन लाभ हो सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कन्या आज अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

तुला आज अनावश्यक यात्रा न करें। सामाजिक कार्यों में सम्मिलित होना पड़ सकता है। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक आज वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

धनु आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारीगण आपकी विचारों को तवज्जो देंगे।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। कोई नया काम शुरू न करें।

मीन आज कारोबार में नव प्रयोग करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं पूर्ण होंगी।

रेलवे में डिजिटल क्रांति

ई-आरसीटी' प्रणाली रेलवे दावा न्यायाधिकरण को पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित और पारदर्शी बनाएगी

ऑनलाइन कर सकेंगे रेल हादसों व सामान चोरी के दावों का निपटारा

नई दिल्ली | एजेंसी

रेल यात्रियों के लिए अब ट्रेन हादसों, अनहोनी घटनाओं या सामान के नुकसान और चोरी के मामलों में क्षतिपूर्ति का दावा करना बेहद आसान होने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना '52 हफ्तों में 52 सुधार' के तहत तीसरे और चौथे बड़े सुधार के रूप में 'ई-आरसीटी' (e-RCT) और 'रेलटेक नीति' की घोषणा की।

इस नई डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कोई भी पीड़ित यात्री देश के किसी भी कोने से रेलवे दावा न्यायाधिकरण (आरसीटी) के समक्ष ऑनलाइन अपना दावा पेश कर सकेगा। अब तक यात्रियों को दावा फाइल करने के लिए सही क्षेत्राधिकार चुनने और भौतिक रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तरों के चक्कर काटने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर उन यात्रियों के लिए जो अपने गृह राज्य से दूर यात्रा कर रहे हों, लेकिन अब ई-आरसीटी प्रणाली इन बाधाओं को पूरी तरह खत्म कर देगी।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों के भीतर देश भर में मौजूद रेलवे दावा न्यायाधिकरण की सभी 23 पीठों को पूरी तरह डिजिटाइज़ कर दिया जाएगा। ई-फाइलिंग से लेकर मामले की सूचना प्रणाली तक की पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णयों की गति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

वैष्णव ने कहा कि यदि यह डिजिटल मॉडल सफल रहता है, तो इसी तरह के समाधान भविष्य में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण जैसे अन्य निकायों में भी लागू किए जा सकते हैं। अब यात्रियों और उनके वकीलों को दस्तावेज जमा करने या केस को ट्रैक करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दफ्तर जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपने स्थान की परवाह किए बिना कभी भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे और उसकी प्रगति देख सकेंगे।इसके साथ ही, रेलवे में अत्याधुनिक तकनीक को व्यवस्थित तरीके से शामिल करने के लिए 'रेलटेक नीति' को भी मंजूरी दी गई है।

यह नई नीति रक्षा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के स्टार्टअप ढांचे और टेलीकॉम नवाचार नीति जैसे सफल मॉडलों का अध्ययन करने के बाद तैयार की गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य पुराने और जटिल ठेकेदारी सिस्टम को हटाकर एक ऐसा नवाचार-संचालित ढांचा तैयार करना है, जहां स्टार्टअप्स, शोधकर्ता और इनोवेटर्स भारतीय रेलवे के साथ आसानी से जुड़ सकें।

अब कोई भी व्यक्ति जिसके पास रेलवे के लिए कोई मजबूत तकनीकी आइडिया हो, वह एक समर्पित 'रेलटेक पोर्टल' के जरिए सीधे संपर्क कर सकेगा। यह पोर्टल पूरी तरह डिजिटल होगा और नई तकनीक के परीक्षण व उसे अपनाने की प्रक्रिया को बेहद सरल बना देगा, जिससे भारतीय रेलवे को वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक से लैस करने में मदद मिलेगी।

वकीलों और दफ्तरों के चक्करों से मुक्ति

पुराने सिस्टम में यात्रियों और वकीलों को दस्तावेज जमा करने और केस की प्रगति देखने के लिए व्यक्तिगत रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तर जाना पड़ता था। नई डिजिटल व्यवस्था के तहत कहीं से भी आवेदन : यात्री अपने घर या गंतव्य स्टेशन से ही इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दावा फाइल कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णय लेने की गति तेज होगी। केस फाइलिंग से लेकर अंतिम फैसले तक की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

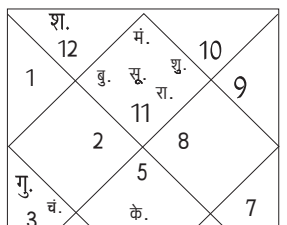

आज की ग्रह स्थिति : 27 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 22 .32 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- आर्द्रा 22 .48 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

सुडोकू -74

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। अब शीतकालीन खेल 15 दिन आयोजित करेंगे।
–मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार ,27 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-इंग्लैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चैंपियंस लीग प्लेऑफ फुटबॉल मैच के दौरान गोल का प्रयास करते रियल मैड्रिड के अर्दा गुलर (बाएं) और बेनफिका के लिएंड्रो बैरेइरो बॉल।

चैंपियंस लीग के अगले दौर में रियल मैड्रिड

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर ने बुधवार को बेनफिका के खिलाफ फिर से विजयी गोल दागा जिससे रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहा। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) भी मोनाको को हराकर प्लेऑफ से आगे बढ़ गया जबकि अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ अंतिम क्षणों में गोल करके प्रतियोगिता में इटली की भागीदारी को बरकरार रखा। लेकिन युवेंटस दूसरे चरण में वापसी करने में नाकाम रहा और गैलाटासराय से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सिमोन बाइल्स बनीं लॉरियस की एंबेसडर

नई दिल्ली। सात बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को लॉरियस का एंबेसडर नियुक्त किया है। इस तरह से वह लॉरियस का एंबेसडर बनने वाले कई स्टार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गई हैं। इन खिलाड़ियों में भारतीय भाला फेंक के दिग्गज नीरज चोपड़ा और विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी शामिल हैं। बाइल्स के नाम पर जिम्नास्टिक के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड है।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारुक का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारुक मैरिकन अली का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 80 बरस के थे। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारूक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई।

जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। सीनियर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन यी से सीधे गेम में हारकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को इंडिया ओपन सुपर 750 चैंपियन लिन के खिलाफ 32 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी खत्म हो गया।

लय में लौटे धुरंधर, विस्फोटक पारियां खेल जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 में भारत ने 256 रनों का बनाया सबसे बड़ा स्कोर

चेन्नई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या और अभिषेक शर्मा के अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे को 72 रनों से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा।

भारत की जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप एक से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को होने वाले मैच से ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा। भारत के 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (नाबाद 97 रन, 59 गेंद, छह छक्के, आठ चौके) के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा (31) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 72 रन की साझेदारी के बावजूद कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। अक्षर पटेल (35 रन पर एक विकेट), वरुण चक्रवर्ती (35 रन पर एक विकेट) और शिवम दुबे (46 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक (55, 30 गेंद, चार छक्के, चार चौके) और पंड्या (नाबाद 50, 23 गेंद, चार छक्के, दो चौके) के धमाकेदार अर्धशतक से भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा और मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। पंड्या ने तिलक वर्मा (नाबाद 44, 16 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 31 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले अभिषेक ने संजू सैमसन (24) के साथ पहले विकेट के लिए 48 और इशान किशन (38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करने भारत को ठोस मंच दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने भी उपयोगी पारी खेली। जिम्बाब्वे के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार ओवर में 62 रन लुटाकर एक विकेट हासिल किया। ब्रेड इवांस ने भी चार ओवर में 52 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे ने पावर प्ले में 44 रन बनाकर धीमी लेकिन अच्छी शुरुआत की। ताडिवनाशे मरुमानी ने पंड्या और चक्रवर्ती पर छक्के मारे जबकि बेनेट ने जसप्रीत बुमराह का स्वागत दो चौकों के साथ किया। मरुमानी को 17 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला जब चक्रवर्ती की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी रिंकू सिंह उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। मरुमानी (20) हालांकि जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और अक्षर की गेंद को प्वाइंट पर सीधे इशान किशन को कैच दे बैठे। बेनेट ने नौवें ओवर में अक्षर पर दो छक्कों और एक चौके से रन गति में इजाफा किया लेकिन डियोन मायर्स (06) ने चक्रवर्ती की गेंद पर तिलक को कैच थमा दिया।

रन लेते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

- भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद जीवंत
- फार्म में लौटे अभिषेक वर्मा ने 30 गेंदों पर ठोके 55 रन
- हार्दिक-तिलक के बीच 31 गेंद में 84 रन की हुई अटूट साझेदारी

भारत

256/4 (20 ओवर)

संजू सैमसन का बर्ल बो मुजरबानी	24
अभिषेक शर्मा का रजा बो मपोसा	55
इशान किशन का नगारवा को रजा	38
सूर्यकुमार का मुसेकिवा बो नगारवा	33
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
तिलक वर्मा नाबाद	44

गेंदबाजी : नगारवा 4-0-62-1, मुजरबानी 4-0-43-1, मपोसा 2-0-40-1, इवांस 4-0-52-0, रजा 3-0-29-1, बेनेट 2-0-16-0, बर्ल 1-0-10-0

जिम्बाब्वे

184/6 (20 ओवर)

ब्रायन बेनेट नाबाद	97
मरुमानी का इशान बो अक्षर	20
डियोन मायर्स का तिलक बो चक्रवर्ती	06
सिकंदर रजा का अभिषेक बो अर्शदीप	31
रेयान बर्ल बो अर्शदीप	00
टोनी मुनयोंगा बो अर्शदीप	11
मुसेकिवा का सैमसन बो दुबे	07
ब्रेड इवांस नाबाद	01

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-24-3, पंड्या 3-0-21-0, बुमराह 3-0-21-0, चक्रवर्ती 4-0-35-1, अक्षर 4-0-35-1, दुबे 2-0-46-1

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

1. इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.491
2. न्यूज़ीलैंड	2	1	0	1	3	3.050
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

मैच के बाद जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट और ब्रेड इवांस ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी।

हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है : सूर्यकुमार यादव

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा हम चीजों को पीछे छोड़ना चाहते थे। वीडियो एनालिस्ट ने हमें समझाया कि हमने बीते समय में कितने अच्छा किया है। हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है और हम सकारात्मक माइंडसेट के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला खेलने जाएंगे।

मैं खुश हूं : हार्दिक पंड्या

प्लेयर ऑफ़ द मैच हार्दिक पंड्या ने कहा मैं खुश हूं। यह भले ही लगता हो कि 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया है लेकिन मैं परिस्थितियों का आकलन किया। पिछले कुछ मुक़ाबलों में मैं उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाया था। साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज़ के मुक़ाबले पर हमारी नज़रें थीं और हम अपनी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे हैं।

हमने अच्छी बल्लेबाजी की : सिकंदर रजा

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा – मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो पॉजिटिव चीजों पर ध्यान देता हूं। पिछले मुक़ाबले की तुलना में आज हमने अच्छी बल्लेबाजी की। हम उन्हें 210-220 पर अगर रोक पाते तो ज्यादा बेहतर होता है। हम गेंदबाज़ी और फील्डिंग में अधिक बेहतर कर सकते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने पिछले मुक़ाबले से सबक लिया।

जीत दर्ज करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं) और रयान रिकेल्टन।

दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

न्यूजीलैंड की निगाह अंतिम चार पर

अहमदाबाद, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मार्करम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी। यह उनकी लगातार छठी जीत थी, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मार्करम के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज

176/8 (20 ओवर)

ब्रैंडन किंग का डिकॉक बो एनगिडी	21
शाई होप का डिकॉक बो रबाडा	16
हेटमायर का महाराज बो रबाडा	02
रोवमैन का ब्रेविस बो एनगिडी	09
रोस्टन चेस बो एनगिडी	02
रदरफोर्ड का डिकॉक बो बॉश	12
जेसन होल्डर रन आउट	49
मैथ्यू फोर्ड का रिकेल्टन बो बॉश	11
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	52
गुडाकेश मोती नाबाद	00

गेंदबाजी : केशव महाराज 4-0-43-0, मार्को यानसेन 4-0-50-0, कागिसो रबाडा 4-0-22-2, लुंगी एनगिडी 4-0-30-3, कॉर्बिन बॉश 4-0-31-2

- वेस्टइंडीज को 16.1 ओवर में नौ विकेट से हराया
- कैरेबियाई टीम का नेट रन रेट 5.350 से घटकर पहुंचा 1.791
- दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने बनाए 82 रन

दक्षिण अफ्रीका

177/1 (16.1 ओवर)

एडेन मार्करम नाबाद	82
क्विंटन डिकॉक का होल्डर बो चेस	47
रेयान रिकलटन नाबाद	45

गेंदबाजी : मैथ्यू फोर्ड 3-0-30-0, रोमारियो शेफर्ड 2-0-22-0, जेसन होल्डर 3.1-0-31-0, शमार जोसफ 2-0-24-0, गुडाकेश मोती 2-0-24-0, रोस्टन चेस 4-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मार्करम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए।मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे। इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

कोलंबो। अपने स्पिनरों के दम पर पिछले मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने वाला न्यूजीलैंड शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका है लेकिन यह मैच उसके लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का भी फैसला होगा।

श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की बड़ी जीत से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के करीब पहुंच गया है क्योंकि इससे उसका नेट रन रेट अच्छा हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट प्लस 3.050 है और उसे अगले मैच में बस यह सुनिश्चित करना है कि अगर वह इंग्लैंड से पराजित हो भी जाता है तो हार का अंतर न्यूनतम हो। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। उसे नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए कीवी टीम की करारी हार की दुआ करनी होगी।

सीरीज जीवंत रखने के लिए भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

महिला वनडे सीरीज

होबार्ट, एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है।

इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज सुबह 9:20 बजे से

रणजी ट्रॉफी फाइनल

कर्नाटक को फॉलोआन के खतरे में डाला, औकिब नबी ने तीन विकेट चटकाए

जम्मू-कश्मीर फिर इतिहास रचने को तैयार

खेल डेस्क

अमृत विचार। राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी में पहली बार फाइनल खेलने का अधिकार पाने के साथ ही इतिहास सृजित कर चुका जम्मू-कश्मीर एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि बल्लेबाजों के पराक्रम के बाद शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से मेहमानों ने खिताबी मुकाबले में पूर्व चैम्पियन व मेजबान कर्नाटक को फॉलोऑन के खतरे में धकेल दिया है।

इस क्रम में यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन का खेल समाप्त हुआ तो जम्मू-कश्मीर के विशाल स्कोर (584 रन) के जवाब में पेसर ऑकिब नबी (3-32) के सामने कर्नाटक का शीर्षक्रम ध्वस्त हो गया और टीम 69 ओवरों में 220 रनों पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी।

कर्नाटक पहली पारी के आधार पर 364 रन पीछे है और उसे फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 165 रनों की दरकार है। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि चौथे दिन कर्नाटक के बचे बल्लेबाज फॉलोऑन बचा पाने में सफल हो पाते हैं अथवा नहीं। उल्लेखनीय है कि रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में पहुंची है।

ऑकिब नबी की बात करें तो उन्होंने लगातार नौ ओवर फेंककर भारतीय क्रिकेट के कुछ बड़े नामों को परेशानी में डाला। उन्होंने 12वें ओवर में 27 के योग पर लोकेश राहुल (13 रन) को आउट किया और फिर 18वें ओवर में लगातार गेंदों पर करुण नायर (0) व स्मरण रविचंद्रन (0) खाता खोलने तक नहीं दिया (4-57)। इसके पिछले ओवर में कप्तान देवदत्त पडिक्कल (11 रन) सुनील कुमार (1-45) के शिकार बन चुके थे।

पैवेलियन लौटते जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा (बाएं) और अन्य खिलाड़ी। शतक लगाने के बाद जश्न मनाते मयंक अग्रवाल।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584/10
यश जम्मू-कश्मीर	220/5

नबी मौजूदा सत्र में ले चुके हैं 58 विकेट

गौरतलब है कि नबी ने पूरे सत्र में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और मौजदू सत्र में उनके विकेटों की संख्या 58 हो गई है, जो उत्तराखंड के स्पिनर मयंक मिश्रा के 59 विकेट से सिर्फ एक कम है। गनीमत रही कि अनुभवी ओपनर मयंक अग्रवाल (नाबाद 130 रन, 207 गेंद, 17 चौके) ने मजबूत रक्षात्मक तकनीक का नजारा पेश करते हुए एक छोर संभाले रखा। उन्हें 124 रनों के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। मयंक ने श्रेयस गोपाल (27 रन) संग पांचवें विकेट पर 105 रनों की साझेदारी की थी, तभी युद्धवीर सिंह (1-32) ने गोपाल को लौटाकर यह भागीदारी तोड़ी। इसके बाद मयंक, कृतिक के साथ क्रीज पर हैं।